● वर्ष-3
● अंक-212
रायपुर, मंगलवार
16 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

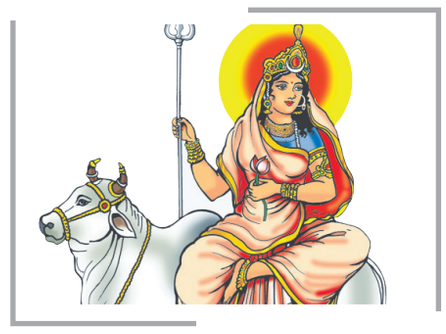

पेज-6›› नवरात्रि की 'महाष्टमी' पूजा में इन ....

एक झटके में गरीबी हटा दूंगा, राहुल के बयान पर बोले मोदी

जिनको 5-6 दशक तक सत्ता में रहने का मौका मिला, वो...

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि राजनीतिक नेतृत्व संदिग्ध होता जा रहा है... मेरा मानना है कि नेताओं को अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना चाहिए। इसलिए, मैं गारंटी पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। मैं प्रतिबद्ध हूं और अपने शब्दों का स्वामित्व लेता हूं।

हाल में ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए एक बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से आजकल हम देखते हैं कि एक शब्द के प्रति कोई प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी नहीं है। आपने किसी नेता के पुराने वीडियो घूमते हुए देखे होंगे, जहां उनके हर विचार विरोधाभासी होते हैं। जब लोग यह देखते हैं तो उन्हें लगता है कि यह नेता जनता की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहा है।

मोदी ने कहा कि हाल ही में, मैंने एक राजनेता को यह कहते हुए सुना, एक झटके में गरीबी हटा दूंगा। जिनको 5-6 दशक तक सत्ता में रहने का मौका मिला, वो जब ऐसा कहते हैं तो देश को लगता है कि ये क्या कह रहा है? उन्होंने एएनआई से कहा कि 2019 में भी मैं काम करके चुनाव मैदान में गया था और जब मैं वापस आया तो अनुच्छेद 370, ट्रिपल तलाक से बहनों को मुक्ति, बैंकों का मर्जर... ये सब काम मैंने 100 दिन के अंदर कर दिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि राजनीतिक नेतृत्व संदिग्ध होता जा रहा है... मेरा मानना है कि नेताओं को अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना चाहिए। इसलिए, मैं गारंटी पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। मैं प्रतिबद्ध हूं और अपने शब्दों का स्वामित्व लेता हूं। उन्होंने कहा कि 2047 का जो मेरा विजन है वो मोदी की बपौती नहीं है। इसमें 15-20 लाख लोगों के विचारों को समाहित किया है। एक प्रकार से इसकी ऑनरशिप देश की है। मैंने उसको डॉक्यूमेंट के रूप में बनाया है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर परिवार का सपना और वो सपना कैसे पूरा हो, ये मेरे दिल में पड़ा हुआ है। इसलिए मैं कहता हूं कि जो हुआ है... वो ट्रेलर है। लेकिन मैं बहुत अधिक करना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि जब देशवासी आपको देश चलाने की जिम्मेदारी देते हैं तो आपको सिंगल माइंडेड फोकस होना चाहिए- देश। दुर्भाग्य से पहले के राजनीतिक कल्चर में परिवार को कैसे मजबूत बनाना... उसी में शक्ति लगाते थे। जबकि मैं देश कैसे मजबूत हो, इस लक्ष्य के साथ काम कर रहा हूं।

राम मंदिर को राजनीतिक हथियार के रुप में इस्तेमाल कियाः मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर राम मंदिर को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधा और अयोध्या में मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा या अभिषेक समारोह में शामिल नहीं होने के उसके फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब हमारा जन्म भी नहीं हुआ था, जब हमारी पार्टी का जन्म भी नहीं हुआ था। उस वक्त ये मामला कोर्ट में निपट सकता था। समस्या का कोई समाधान हो सकता था। मोदी ने कहा कि जब भारत का बंटवारा हुआ, तो बंटवारे के वक्त वे ये तय कर सकते थे कि ऐसा-ऐसा करेंगे। ऐसा नहीं किया गया. क्यों? क्योंकि ये उनके हाथ में एक हथियार की तरह है, वोट बैंक की राजनीति का हथियार है।

चुनावी बांडः राहुल ने प्रधानमंत्री को बता दिया मास्टरमाइंड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को विपक्षी दलों पर चुनावी बांड योजना पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को चुनावों में काले धन की ओर धकेल दिया गया है और हर किसी को इसका अफसोस होगा। मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि चुनावी बॉन्ड में अहम चीज है- नाम और तारीख। अगर आप नाम और तारीखें देखेंगे तो आपको पता चल जाएगा कि जब उन्होंने (दानदाताओं ने) चुनावी बांड दिया था, उसके तुरंत बाद उन्हें अनुबंध दिया गया था या उनके खिलाफ सीबीआई जांच वापस ले ली गई थी। प्रधानमंत्री पकड़े गए हैं इसलिए एएनआई को इंटरव्यू दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना है और पीएम मोदी इसके मास्टरमाइंड हैं।

बृजमोहन के नामांकन रैली में शामिल हुए मुख्यमंत्री

बृजमोहन अग्रवाल को 8 लाख से ज्यादा मतों से जिताना है

रायपुर। बृजमोहन अग्रवाल अपराजेय योद्धा हैं, 8 बार के विधायक हैं। विधानसभा चुनाव में उन्होंने प्रदेश में सबसे ज्यादा 65 हजार से ज्यादा मतों से चुनाव जीता था। इस बार उन्हें सांसद बनाकर लोकसभा भेजना है और जीत का रिकॉर्ड बनाना है। ये चुनाव देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का चुनाव है, उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। आज रायपुर में विशाल नामांकन रैली के पश्चात आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ये बातें कही। श्री साय ने जनता से पूछा कि बृजमोहन को 8 लाख से ज्यादा वोटों से जिताएंगे? जिस पर जनता ने एक स्वर में कहा जिताएंगे-जिताएंगे। जनसभा में उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, लोकसभा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री टंकराम वर्मा, मंत्री रामविचार नेताम, सांसद सुनील सोनी, विधायकगण राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, खुशवंत साहेब, धरमलाल कौशिक, पुरंदर मिश्रा, इंद्रकुमार साहू, महामंत्री संजय श्रीवास्तव, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, लक्ष्मी वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ये चुनाव 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का चुनाव है - साय

विजय बघेल को 6 लाख से ज्यादा मतों से जिताना है

रायपुर/दुर्ग। ये चुनाव कोई साधारण चुनाव नहीं है, ये बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है। ये चुनाव देश के देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। 2047 तक हमारे भारत को विकसित भारत बनाने का चुनाव है, 2029 तक भारत को विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने का चुनाव है। दुर्ग में आयोजित विशाल नामांकन रैली में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया, भारत का डंका बजाया।

मोदी जी ने अपनी दूरदृष्टि से भारत को आर्थिक स्थिति की दृष्टि से 11वें स्थान से 5वें स्थान पर लाया। उन्होंने कहा कि हमें विकसित भारत बनाना है इसलिए मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना जरूरी है। मोदी जी के नेतृत्व में भारत 2029 तक दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजय बघेल को आप सभी ने पिछली बार लगभग 4 लाख मतों से जिताया था इस बार अंतर को बढ़ाना है। आप सभी विजय बघेल को 6 लाख से ज्यादा मतों से जिताएं, सांसद के रूप में दिल्ली भेजें और तीसरी बार मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाएं। उन्होंने कहा कि विजय बघेल बहुत ही लोकप्रिय, बहुत ही दमदार सांसद हैं, जो आप सबकी बातों को दमदारी से संसद में रखते हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा द्वारा जारी संकल्प पत्र के बारे में कहा कि हमने देशवासियों के हित के लिए संकल्प पत्र जारी किया है।

नामांकन रैली सभा में कांग्रेस, जोगी कांग्रेस समेत कई संगठनों के सैकड़ों लोग भाजपा में शामिल

रायपुर। सोमवार को भाजपा की नामांकन रैली की सभा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के समक्ष कांग्रेस, जोगी कांग्रेस समेत कई संगठनों के सैकड़ों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। अयोध्या राम मंदिर मामले में कांग्रेस के विरोध को देखते हुए एवं मोदी सरकार के विकास कार्यों से प्रभावित होकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पुष्पेंद्र परिहार समेत ने 50 से ज्यादा कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए। इसके साथ ही जोगी कांग्रेस के युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार साहू, रामराज्य परिवार के विजय गोलू गवली, भोजपुरी समाज के वीरेंद्र यादव, राज्य नर्सिंग संगठन के अजय त्रिपाठी, मयंक बाफना, तरुण सोनी, राज नायक, योगेंद देवांगन सहित अनेक संगठनों के सैकड़ों लोगों ने भाजपा का दामन थामा। इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है। मोदी जी जो कहते हैं वह करते हैं, वह सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की विचारधारा पर काम करते हुए सभी को साथ चल रहे हैं।

प्रमुख समाचार

अभी तिहाड़ में रहेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित धन शोधन मामले में सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत द्वारा उन्हें 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजने के कुछ घंटों बाद 1 अप्रैल को दोपहर में उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया। इससे पहले दिन में, मामले में सह-आरोपी, बीआरएस नेता के कविता की हिरासत भी 23 अप्रैल तक बढ़ा दी गई थी। प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति के संबंध में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, ने पहले विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की राउज़ एवेन्यू अदालत को बताया था कि वह पूरी तरह से असहयोगी, टालमटोल करने वाले थे, पूछताछ के दौरान उन्होंने भ्रामक जवाब दिए। अपने पहले के रिमांड आवेदन में ईडी ने आरोप लगाया था कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में बदलाव के बाद प्राप्त रिश्वत का इस्तेमाल गोवा विधानसभा चुनावों के लिए आप के अभियान को वित्तपोषित करने के लिए किया गया था। एजेंसी ने केजरीवाल को कथित घोटाले का किंगपिन और मुख्य साजिशकर्ता कहा। ईडी ने गिरफ्तारी से पहले केजरीवाल सहित चार सेलफोन जब्त किए थे।

17 तारीख उनका दंगा करने का दिन हैः ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भाजपा पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि जब तक मौजूदा सरकार को सत्ता से बाहर नहीं किया जाएगा तब तक लोकतंत्र का सार खतरे में पड़ जाएगा। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने यह भी दावा किया कि भाजपा लोगों के खाने और सोने की आदतों को निर्देशित करेगी, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि वह व्यक्तियों की स्वतंत्रता के लिए खतरा मानती हैं। इसके अलावा, बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा 17 अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर हिंसा और दंगे भड़काने की कोशिश करेगी। उन्होंने अपनी भगवा विचारधारा के साथ हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों में घुसपैठ की है। उनका एजेंडा संघर्ष और अराजकता को कायम रखना है। मैं सभी से शांति और एकता बनाए रखने का आग्रह करता हूं। आइए हम उनके हाथों में न खेलें। इसके बजाय, हम इस दिन को एक प्रतीक के रूप में मनाएं।

मुस्लिम वोटर्स को लुभाने की कोशिश में उद्धव

मुंबई। लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में उद्धव ठाकरे ने माहिम में मुस्लिम भाइयों से मुलाकात की है। ये बैठक शिवसेना भवन में आयोजित की गई है। उद्धव ठाकरे ने माहिम में मुस्लिम समुदाय से समर्थन मांगा है। उद्धव ठाकरे ने मुस्लिम भाइयों से अपील की है कि वे पहले जो कुछ हुआ उसे भूल जाएं और देश और संविधान को बचाने के लिए एक साथ आएं। महाविकास अघाड़ी में उद्धव ठाकरे के शामिल होने के बाद से बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय शिवसेना ठाकरे समूह के पक्ष में नजर आ रहे हैं, इसलिए उद्धव ठाकरे ने इन मतदाताओं से बात कर उनका समर्थन मांगा है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में मुस्लिम समुदाय के साथ कई विषयों पर चर्चा हुई। इस चुनाव में मुस्लिम वोटरों पर फोकस करने वाली शिवसेना ठाकरे पार्टी की तस्वीर सामने आ रही है। माहिम इलाके में बड़ी मुस्लिम आबादी है। माहिम दक्षिण मध्य मुंबई निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इस सीट पर उद्धव ठाकरे ने अनिल देसाई को और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने राहुल शेवाले को उम्मीदवार बनाया है।

दिल्ली एयरपोर्ट दुनिया के शीर्ष 10 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे को 2023 के लिए दुनिया के शीर्ष 10 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों की सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में हर्ट्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शीर्ष पर है। दूसरे स्थान पर दुबई हवाई अड्डा और तीसरे स्थान पर डलास हवाई अड्डा हैं। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) वर्ल्ड के अनुसार, दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दसवें स्थान पर है। एसीआई ने सोमवार को यह सूची जारी करते हुए कहा कि 2023 के दौरान वैश्विक स्तर पर कुल 850 करोड़ यात्रियों के उड़ान भरने का अनुमान है, जो 2022 की तुलना में 27.2 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा महामारी पूर्व के स्तर के मुकाबले 93.8 प्रतिशत अधिक है। शीर्ष 10 सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में पांच अमेरिका में हैं। दिल्ली हवाई अड्डे ने 2023 में 7.22 करोड़ से अधिक यात्रियों को संभाला। इससे पहले 2022 की सूची में दिल्ली हवाई अड्डा नौवें स्थान पर था।

विदेश में भारतीय छात्रों की मौत सरकार के लिए बड़ी चिंता का विषय

बेंगलुरु । अमेरिका में भारतीय छात्रों पर हिंसक हमलों में वृद्धि के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि ऐसे मामले जुड़े हुए नहीं हैं लेकिन निश्चित रूप से सरकार के लिए एक बड़ी चिंता का विषय हैं। हमलों में कई भारतीय छात्रों की जान भी गई है। उनके अनुसार, कुछ छात्रों की हत्या व्यक्तिगत कारणों से की गई, जबकि अन्य दुर्घटना के शिकार हुए। जयशंकर ने विदेश में हिंसक हमलों का शिकार बनने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में वृद्धि के बारे में पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, जाहिर है, हर मामले में जहां भी छात्रों के साथ कुछ भी दुर्भाग्यपूर्ण हुआ है, यह परिवार के लिए बड़ी त्रासदी है और हमारे लिए एक बड़ी चिंता है, लेकिन हमारे दूतावास या वाणिज्य दूतावास ने हर मामले को देखा है और वे (मामले) वास्तव में आपस में जुड़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दूतावासों को निर्देश दिया गया है कि वे छात्रों के साथ संपर्क में रहें और उनके साथ बातचीत करें, ताकि उन्हें विशेष रूप से शहरों के खतरनाक इलाकों से बचने के बारे में चेतावनी दी जा सके।

भाग-1

कांग्रेस कमजोर, लेकिन इंडी एलायंस ने हिम्मत नहीं हारी

अजय सेतिया

एनडीए का नारा 400 पार का है, और हवा भी ऐसी बनाई जा रही है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल पहले की तरह अब कोई बड़ा दावा नहीं कर रहे। लेकिन वे भाजपा के 370 और 400 के दावे पर सवाल उठा रहे हैं। रक्षात्मक मुद्रा में आने की यह शुरुआत भर है। इंडी एलायंस की तरफ से कोई यह दावा नहीं कर रहा कि भाजपा को सौ से कम सीटों पर निपटा देंगे। जब कभी अखिलेश यादव ने यह कहने की हिम्मत दिखाई, तो वह खुद भी अपने बयान पर हंसते हुए दिखाई दिए। ओपिनियन पोल भी भाजपा और मोदी की हवा बता रहे हैं। इस हवा का कोई एक कारण नहीं है, बल्कि कई कारण हैं, जिनमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर का बनना और जम्मू कश्मीर से 370 का हटना है। मोदी का 2014 वाला फेक्टर भी काम कर रहा है। 2014 का चुनाव मोदी ने गुजरात के विकास माडल और हिन्दू एजेंडे पर लड़कर ही जीता था। इस बार भी इन दोनों एजेंडों का मिश्रण है। मोदी सरकार ने केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के साथ साथ बिचौलियों को खत्म करके डायरेक्ट बेनीफिट पाने वालों का समर्थक वर्ग अपने साथ जोड़ लिया है। जिनमें महिला लाभार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा है। इसके अलावा छह लाख नए वोटर, जिनमें युवक युवतियों का बड़ा वर्ग है, जो मोदी के नेतृत्व में भारत को नए उभरते स्वरूप में देख रहा है।

हालांकि कोई भी ओपिनियन पोल एनडीए को 400 के पार या 400 को टच करता हुआ नहीं दिखा रहा, लेकिन लगभग सभी ओपिनियन पोल मौजूदा 351 सीटों के आसपास तो बता ही रहे हैं। पिछले दिनों सड़क परिवहन मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नीतिन गडकरी ने भी कहा कि भाजपा की अपनी सीटें 15-20 ज्यादा ही आएंगी, इसका मतलब है कि भाजपा के भीतर भी सोच कम से कम यथास्थिति बनाए रखने की तो है ही। लेकिन ऐसा नहीं है कि टीवी चैनलों के ओपिनियन पोल देख कर कांग्रेस और इंडी एलायंस के क्षेत्रीय दल अपना मनोबल खो चुके हैं। हालांकि 21 मार्च को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक साथ प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें तीनों ने कहा कि

उनके पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे ही नहीं है, मोदी सरकार ने उनके बैंक खाते सील कर दिए हैं। राहुल गांधी ने तो यहाँ तक कहा कि कांग्रेस के नेता चुनावों में प्रचार करने के लिए हवाई जहाज का इस्तेमाल तो दूर ट्रेन पर भी यात्राएं नहीं कर सकेंगे, क्योंकि कांग्रेस के पास ट्रेन का टिकट खरीदने के पैसे भी नहीं है।

अगले ही दिन दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मुद्दे पर दायर कांग्रेस की याचिका अस्वीकार कर दी, क्योंकि कांग्रेस ने अपने आयकर रिटर्न में 520 करोड़ पर टेक्स नहीं दिया था, अलबत्ता 520 करोड़ रूपए का कांग्रेस के पास हिसाब किताब ही नहीं है कि वह पैसा कहाँ से आया था। कांग्रेस के प्रवक्ता और वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी की यह दलील ही कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर गई कि आयकर विभाग को पांच साल पुराने रिटर्न को खोलने का अधिकार नहीं है। तर्क यह कि कांग्रेस ने पांच साल पहले आयकर की चोरी की, तो उसे आयकर विभाग भूल जाए।

कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला करने के लिए हाई प्रोफाईल प्रेस कांफ्रेंस बुलाई थी। वह इस मुद्दे को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करके जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करती तो ठीक रहता, लेकिन वह आयकर विभाग से लड़ने हाईकोर्ट चली गई, जहां वह खुद दागी ठहरा दी गई। कांग्रेस की हाईप्रोफाईल प्रेस कांफ्रेंस से उसका मनोबल गिरा हुआ दिखाई दिया था। कांग्रेस को वैसे भी मौजूदा 55 सीटों से ज्यादा की उम्मीद कम ही है। वह यथास्थिति बनाए रखने के लिए भागदौड़ कर रही है। लेकिन इंडी एलायंस के क्षेत्रीय दलों ने हिम्मत नहीं हारी है। वे छह राज्यों के भरोसे बहुमत के करीब पहुंचने की उम्मीद बनाए हुए हैं। वे छह राज्य हैं, तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार और उत्तर प्रदेश।

तमिलनाडु में इंडी एलायंस का अनुमान उनतालीस की उनतालीस सीटें जीतने का है, इसी तरह केरल में भले ही कांग्रेस और कम्युनिस्ट आमने सामने लड़ रहे हैं, लेकिन वे दोनों इंडी एलायंस का हिस्सा है।

उन दोनों का सभी 20 सीटें जीतने का अनुमान है। इन दो राज्यों के बाद इंडी गठबंधन की सबसे ज्यादा उम्मीद महाराष्ट्र और कर्नाटक से है। महाराष्ट्र से इंडी एलायंस 48 सीटों में से 35 जीतने का अनुमान लगा कर चल रहा है।

(शेष अगले अंक में)

चुनाव में कवर्धा की जनता का क्या है मूड

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को राजनांदगांव लोकसभा सीट पर 7 मई को मतदान होना है। मीडिया की टीम मतदाताओं की राय जानने के लिए के लिए कवर्धा शहर पहुंची। जहां हमने यह जानने की कोशिश किया कि यहां की जनता को इस बार कैसा सांसद चाहिए। इस दौरान मतदाताओं ने भी अपनी राय बड़ी ही बेबाकी से रखी।

कवर्धा की जनता को सरकार से क्या उम्मीद है और जनता को किस तरह का नेता चाहिए? इस सवाल के जवाब में कवर्धा शहर के लोगों ने कहना है कि हर बार नेता मतदाताओं को कई तरह के वादे करते हैं और वोट लेकर जीत हासिल करते हैं। लेकिन सत्ता की कुर्सी मिलते ही जनता से किए वादे भूल जाते हैं। इसलिए इस बार जनता बहुत सोच समझकर अपना वोट देने के मूड में दिख रही है। इस बार कवर्धा से आने वाले परिणाम नेताओं को चौंका सकते हैं।

कवर्धा के मतदाता चाहते हैं कि सरकार देश को शक्तिशाली तो बनाए ही, लेकिन गरीब जनता का ख्याल भी रखे। देश में तेजी से बढ़ती महंगाई ने मध्यम और गरीब वर्ग के लोगों की कमर तोड़ दी है। चावल, दाल, सब्जी, राशन, गैस सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान

छू रहे हैं।

वोटर्स ने कहा गरीब जनता को महंगाई से राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने वाली सरकार चाहिए।

व्यापारी वर्ग अधिक लागत मूल्य से परेशान- कवर्धा के व्यापारियों का कहना है कि समान का दाम इतना बढ़ चुका है कि व्यापार करने में लागत मूल्य अधिक आता है। आज के वक्त में छोटे व्यापारी के लिए ठेला में व्यापार करना मुश्किल हो चुका है। लोग दूसरों के दुकानों और मकानों में काम करते हैं, जिससे उनके घर का चुल्हा जल सके। लोगों की कमाई तो रोजी रोटी चलाने में निकल जाती है, ऐसे में इस तबके के बच्चों को अच्छी शिक्षा और बेहतर जिंदगी नहीं मिलती।

स्थानीय व्यापारी ने कहा जनता आत्मनिर्भर बनने के लिए खुद का व्यापार करना चाहती हैं, लेकिन महंगाई इतनी ज्यादा है कि गरीब लोग खुद का व्यापार नहीं कर पाते।

स्थानीय ग्रामीण ने विधायक तो चुनाव जीतने के बाद कभी कभी गांव तक आ भी जाते हैं, लेकिन सांसद तो सिर्फ चुनाव में वोट मांगने ही आते हैं। फिर पांच साल देखना भी मुश्किल होता है। तो विकास दूर की बात है। गांव की खस्ताहाल सड़कें और मूलभूत सुविधा के लिए आज भी ग्रामीण तरसते हैं।

स्थानीय ग्रामीण ने कहा लोग इस उम्मीद से वोट करते हैं कि इस बार बेहतर नेता मिलेगा, जो गांव कि स्थिति सुधारेगा। लेकिन हर बार सिर्फ धोखा मिलता है। इस बार बहुत सोच-समझकर नेता चुनेंगे, जो सिर्फ देश की नहीं, बल्कि गांव की स्थिति सुधारे।

महिलाओं का कहना है कि आने वाली सरकार महिलाओं के लिए अच्छी योजना लेकर आए। ताकि महिलाएं घर की जिम्मेदारी के साथ दो पैसा कमा सके और घर चालने में मदद मिल सके। सरकार ज्यादातर जो योजना निकालती हैं, वह विज्ञापन और बेनर पोस्टर तक सीमित रह जाती है। जो योजनाएं आगे बढ़ाई जाती हैं, वह जागरूकता के अभाव और प्रशासन की लापरवाही से जरुरत मंद तक नहीं पहुंचती है। ऐसे में जमीनी स्तर पर लोगों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता।

स्थानीय महिलाओं ने कहा सरकार जो भी योजनाएं बनाए, वह देश के हर घर तक पहुंचे। तभी इसका सही लाभ मिल पाएगा।

कवर्धा के कुछ लोग विकास पुरुष के रूप में नेता चाहते हैं, जो देश के दुश्मन को उखाड़कर फेंक सके। साथ ही पूरी जिम्मेदारी के साथ फैसला ले सके। लोग राष्ट्र की बात करने वाला नेता चुनना चाहते हैं। इसलिए ऐसे लोग नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर पसंद कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा सीटों पर 3 चरण में मतदान होने हैं। राजनांदगांव लोकसभा सीट में दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को होने जा रहा है। चुनाव में अब काफी कम समय बचा है। इसलिए सभी राजनीतिक दलों ने प्रचार तेज कर दिया है। सभी पार्टियां घोषणा पत्र जारी कर मतदाताओं से लुभावने वादे कर रहीं हैं। ताकि वोटर्स को अपने पक्ष में किया जा सके।

बीजापुर में नक्सलियों ने बुलाया बंद, पुराना बस स्टैंड में फेंके पर्चे

बीजापुर। जिले में लोकसभा चुनाव से पहले नक्सलियों ने बंद बुलाया है। बीजापुर में नक्सल बंद का मिला जुला असर देखने को मिल रहा है। जिला मुख्यालय और भोपालपटनम में सभी जगहों पर दुकानें खुली हैं। नक्सलियों के बंद का असर आवापल्ली, उसूर, बासागुडा में देखने को मिला है। यहां लोगों ने नक्सलियों के डर से अपनी दुकानें बंद रखी है। नक्सली बंद के चलते पुलिस ने दो दिन पहले शहर के व्यापारियों की बैठक ली और बंद को समर्थन नहीं देने की अपील की थी। जिसके चलते बीजापुर और भोपालपटनम की दुकानें आज खुली हुई हैं। लेकिन आवापल्ली में बंद का असर देखने को मिल रहा हैं। बंद के चलते अब तक यात्री बसें नहीं चल रही हैं। रास्ते में केवल एक-दो निजी वाहनों की आवाजाई हो रही है।

नक्सलियों ने बंद के दौरान बीजापुर के पुराना बस स्टैंड में पर्चा फेंका है। इन पर्चों में नक्सलियों ने लोगों से चुनाव बहिष्कार करने की अपील की है। यह पर्चा नक्सलियों के पश्चिम बस्तर डिवीजनल कमेटी ने फेंका है। बीजापुर पुराना बस स्टैंड में नक्सल पर्चा फेंका जाना जिला मुख्यालय बीजापुर में चर्चा का विषय बन गया है। कुछ इलाकों में वोटिंग को लेकर लोग डरे हुए हैं।

सुकमा में 7 वांटेड नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार को सात नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सलियों में से एक पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित था। चुनाव से पहले एक साथ सात

नक्सलियों की गिरफ्तारी से चुनाव ड्यूटी में लगे जवानों के हौसले बुलंद हैं। एक इनामी सहित सात नक्सली गिरफ्तार- सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने गिरफ्तार नक्सलियों के बारे में बताया किस्तराम इलाके में सुरक्षाबल तलाशी अभियान चला रहे थे। इसी दौरान सात नक्सलियों को पकड़ा गया। पकड़े गए नक्सलियों की पहचान माड़वी देवा उर्फ दिनेश माड़वी, बंजाम पोज्जा, कवासी उर्फ वांडो अयाता, कलमु गंगा, कलमु सन्ना, नुप्पो पोज्जा और रावा जोगा के रूप में हुई है। एसपी ने बताया -कवासी उर्फ वांडो अयाता पर एक लाख रुपये का इनाम पुलिस ने घोषित कर रखा था। जो टेटमगुडु रिवोल्यूशनरी पीपुल्स काउंसिल (आरपीसी) के तहत डीएकेएमएस अध्यक्ष के रूप में काम करता था। दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन माओवादियों का मुखौटा संगठन है। बंजाम पोज्जा गैरकानूनी संगठन की किस्तराम एरिया कमेटी के तहत पदियारो परिवार समिति का अध्यक्ष था। कलमू गंगा डिप्टी मिलिशिया कमांडर था। इसके अलावा बाकी लोग निचले स्तर के कैडर के रूप में नक्सल संगठन में काम कर रहे थे।

छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र शब्द कहने वाला गिरफ्तार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र शब्द का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति को मस्तूरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवक का नाम अरविंद सोनी है। 26 साल के इस युवक ने कन्हैया कुमार के मीडिया से बात करने के दौरान पीएम मोदी को अपशब्द कहा था।

बिलासपुर के भाजपा नेताओं ने पीएम मोदी को अपशब्द कहे जाने की शिकायत मस्तूरी थाने में की। आवेदक बी पी सिंह ने रविवार को मस्तूरी पहुंचकर इस मामले की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई। बीपी सिंह की शिकायत पर सोनी पर सार्वजनिक रूप से अश्लील शब्द कहने और शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करने के अलावा सीआरपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अरविंद सोनी को मस्तूरी शहर से पकड़ा।

सीएसपी उदयन बेहर ने कहा आमसभा के बाद कन्हैया कुमार मीडिया से बात कर रहे थे इसी दौरान अरविंद सोनी नाम के युवक ने पीएम के खिलाफ अपशब्द का इस्तेमाल किया। भाजपा नेता की रिपोर्ट पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता कन्हैया कुमार शनिवार को बिलासपुर में कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव के लिए चुनावी कैंपेन में पहुंचे थे। आमसभा के बाद कन्हैया कुमार मीडिया से बात कर रहे थे तभी बात करने के दौरान एक युवक ने पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। सोशल मीडिया में ये मामला काफी वायरल हुआ जिसके बाद भाजपा नेताओं ने इसकी लिखित रिपोर्ट मस्तूरी थाने में दर्ज कराई।

बिलासपुर में 7 मई को तीसरे चरण में मतदान होना है। भिलाई से मौजूदा कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव बिलासपुर से मैदान में हैं तो भाजपा ने तोखन साहू को उतारा है। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

सिंहदेव का सरगुजा भाजपा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज पर साधा निशाना

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव की सरगर्मियां काफी तेज हो चुकी है. सरगुजा लोकसभा सीट पर 7 मई को मतदान होना है. मतदान से पहले कांग्रेस और बीजेपी के बड़े नेता लगातार अपने अपने क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं. लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने रविवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव बलरामपुर जिले के दौरे पर पहुंचे। वहां उन्होंने जिला कांग्रेस कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की। इस दौरान सिंहदेव ने बीजेपी और चिंतामणि महाराज पर भी जमकर निशाना साधा।

सरगुजा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार चिंतामणि महाराज को लेकर टीएस सिंहदेव ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने चिंतामणि महाराज पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे। लेकिन अब भाजपा का कहना है कि ऐसे कोई भी आरोप भाजपा की तरफ से चिंतामणी पर नहीं लगाए गए थे। टीएस सिंहदेव ने कहा चिंतामणि कांग्रेस से भाजपा में शामिल हो गए वह पहले भाजपा से ही कांग्रेस में आए थे। भाजपा अब चिंतामणि पर लगाए गए उन सभी आरोपों से बच रही है। टीएस सिंहदेव ने कहा इलेक्टोरल बॉन्ड बहुत बड़ा घोटाला है। ऐसे लोग जिनपर ईडी और सीबीआई की कार्रवाई चल

रही थी, उन्होंने दबाव में भारतीय जनता पार्टी को करोड़ों का चंदा दिया। क्योंकि भाजपा सत्ता में थी और सत्ता में होने के कारण वह ऐजेंसियों के जांच को प्रभावित कर सकते थे, पीछे के दरवाजे से इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से लेन-देन किया गया। टीएस सिंहदेव ने कहा इलेक्टोरल बॉन्ड का दुरुपयोग किया गया। 2 नंबर का पैसा 1 नंबर के माध्यम से पार्टियों को जा रहा है। बड़े ठेके देकर इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए पैसा लिया गया।

सरगुजा लोकसभा सीट से कांग्रेस ने युवा नेता शशि सिंह को प्रत्याशी बनाया है। जबकि बीजेपी ने कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए चिंतामणि महाराज को अपना उम्मीदवार बनाया है। 7 मई को सरगुजा लोकसभा सीट पर मतदान होना है। 4 जून को लोकसभा चुनाव के रिजल्ट आएंगे।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में तेंदुए ने तीन दिन में 3 का किया शिकार

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले में तेंदुआ आतंक का पर्याय बन चुका है। भरतपुर के ग्राम पंचायत भगवानपुर में आश्रित गांव रेद में तेंदुआ लगातार पिछले तीन दिनों से शिकार कर रहा है। हर रोज रात को तेंदुआ गांव पहुंच रहा है और एक जान को अपना शिकार बना रहा है। जिससे गांव के लोग डरे हुए हैं।

एमसीबी के रेदा गांव में तेंदुआ पिछले मंगलवार से लगातार मवेशियों का शिकार कर रहा है। कभी गायों तो कभी बैलों को अपना शिकार बना रहा है। शनिवार शाम को गांव की श्यामवती यादव ने अपनी गाय को घर के नजदीक बने गौशाला में बांधा था। 14 अप्रैल की रात लगभग 10 बजे तेंदुए ने शिकार करने की कोशिश की, लेकिन आसपास के लोगों ने देख लिया और हल्ला करने पर तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। लेकिन सुबह 4 बजे के आसपास तेंदुआ फिर गांव पहुंचा और एक गाय का शिकार किया। शनिवार शाम को ही शिव लाल यादव ने घर से 100 मीटर दूर बने बाड़े में मवेशियों को बांधकर रखा था। रविवार सुबह शिवलाल जब बाड़े में पहुंचा तो देखा कि बाड़ा टूटा हुआ है और एक बैल भी वहां नहीं है। आसपास खोजने पर पता चला कि तेंदुए ने बैल का शिकार कर बाड़े से 500 मीटर दूर जंगल में खींचकर ले गया।

रेंजर इंद्रभान पटेल ने कहा गांव में तेंदुए के पैरों के निशान मिले हैं। तेंदुए की खोजबीन चल रही है। इससे पहले मंगलवार को वन परिक्षेत्र कुंवारपुर के रेदा गांव में तेंदुए ने गांव के ही गोरालाल की गाय का शिकार किया। गाय को गोरेलाल ने जंगल के पास आमा खोलकी, कक्ष क्रमांक पीएफ 1290 के पास बने बाड़े में बांधकर रखा था। रात को तेंदुआ पहुंचा और गाय पर हमला कर उसे मार डाला। वन विभाग ने भी तेंदुआ के शिकार करने की पुष्टि की है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

ऑटो चालक ने चांदी के गहनों से भरा थैला लौटाया

कोरबा। कोरबा में ऑटो संघ इन दिनों अपने द्वारा किए गए नेक कार्यों के लिए काफी सुर्खियां बटोर रहा है। संघ के ऑटो चालक इन दिनों लगातार अपनी ईमानदारी के नमूने पेश कर रहे हैं जिससे संघ की चौतरफा प्रशंशा हो रही है। एक बार फिर से एक ऑटो चालक ने चांदी के जेवरातों से भर थैला उसकी वास्तविक हकदार को लौटा दिया। भैषमा से बुधवारी लौट रही महिला का थैला ऑटो में छूट गया था जिसे संघ के कार्यालय में महिला को बुलवाकर वापस किया गया। जिला ऑटो संघ ने चांदी के जेवरातों से भरा थैला उसके वास्तविक हकदार को वापस लौटा दिया। भैषमा से बुधवारी वापसी के दौरान महिला गायत्री बरेठ का थैला ऑटो में ही छूट गया था, जिसमें महिला ने अपनी पुत्री के विवाह के लिए गहने बनवाए थे। थैला गुमने के बाद महिला काफी परेशान हो गई थी। अपने स्तर पर काफी खोजबीन करने के बाद जब उसे सफलता नहीं मिली तब वह सीधे ऑटो संघ के कार्यालय पहुंची जहां संघ ने महिला को उसका गहनों से भरा थैला लौटा दिया।

भक्त ने अपने घर में कामाख्या मंदिर की स्थापना की

बिलासपुर। मन में अगर चाहत हो तो आप अपने घर में ही देवी-देवताओं को बुला सकते हैं।दिल में अगर श्रद्धा हो तो घर को भी मंदिर बना सकते हैं। इन बातों को बिलासपुर के एक सख्स ने शब्दस: साकार किया है। बिलासपुर के मनहरण यादव ने मां कामख्या की प्रेरणा से अपने ही घर में कामाख्या मंदिर की स्थापना कर दी है। अपनी लंबी तपस्या के बाद मनहरण ने इसे साकार किया। माता भक्त मनहरण के मंदिर में अब न सिर्फ प्रदेश के, बल्कि अन्य प्रदेश के लोग भी पहुंच रहे हैं। शहर के लिंगियाडीह क्षेत्र में भक्त मनहरण यादव के घर में माता कामख्या का दर्शन करने लोग दूर-दूर से पहुंचते हैं। मनहरण बचपन में घर से आदेश लेकर असम चले गए और वहां माता कामख्या देवी की सेवा में वर्षों तक जमे रहे। जब वो वापस बिलासपुर लौटे तो उनके जीवन में मनोनुकूल परिवर्तन आया। इन बातों से प्रेरित होकर उन्होंने माता कामख्या को अपने ही घर में स्थापित किया और बीते 40 वर्षों से अधिक समय से वो माता कामख्या की सेवा कर रहे हैं।

कलेक्टर ने 7 लाख मतदाताओं को भेजा नेवता पाती

बेमेतरा। लोक आम निर्वाचन-2024 में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए कलेक्टर ज़िला प्रशासन ने एक और नया प्रयोग किया है। इसके तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रणबीर शर्मा ने ज़िले के तीनो विधानसभा क्षेत्र 68 साजा, 69 बेमेतरा और 70 नवगढ़ के 7 लाख मतदाताओं को नेवता पाती (निमंत्रण पत्र) और अपील पाती भेजकर परिवार, ईस्ट- मित्र सहित आस, पड़ौस सहित मतदाताओं को लोकसभा निर्वाचन 2024 में आगामी 7 मई को मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे है। कलेक्टर ने पाती के ज़रिए लोकतंत्र के पर्व को सफल बनाने के लिए बिना भय, और लालच के शत-प्रतिशत करने की अपील की है। लोकतंत्र के इस महायज्ञ से जुड़ने के लिए कलेक्टर की पाती इस बार ज़िले के तक़रीबन 7 लाख मतदाताओं तक पहुँच रही हैं। विभिन्न प्रचार माध्यमों के जरिये भी मतदाताओं को आने वाली 7 मई को मतदान करने जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से मतदान की अपील की।

दुर्घटना में घायल युवा भाजपा नेता संघर्ष के बाद हारे मौत से

भिलाई/रायपुर। सड़क दुर्घटना में घायल भाजपा के युवा नेता अखिलेश दुबे ने 29 दिन तक जीवन और मौत से संघर्ष करते हुए सोमवार की सुबह शहर के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। अखिलेश भिलाई सेक्टर 6 का रहने वाला था और वर्तमान में नय रायपुर अविनाश काउंटी में अपनी पत्नी और पुत्र के साथ रहता था। अखिलेश का अंतिम संस्कार मंगलवार 16 अप्रैल को भिलाई रामनगर मुक्तिधाम में किया जायेगा। 48 वर्षीय अखिलेश दुबे एक माह पूर्व नवा रायपुर घर लौटते समय मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के अंतर्गत नवागांव ओवर ब्रिज पर रात्रि 1 बजे दुर्घटना के शिकार हो गय। अखिलेशमारूती 800 कार क्रमांक एमएच-27-एच-8792 मे रायपुर से नवा रायपुर घर आने निकला था करीब 1 बजे एनएच 53 रोड नवागांव ओवर ब्रिज पर सामने से आ रही वाहन ट्रक क्रमांक सीजी -22-जे-7489 का चालक अपने वाहन को तेज रफ्तार से चलाते हुए कार को सामने से ठोकर मारी जिससे वह गंभीर रूप से घायल ही गया था। इलाज दौरान उनकी हालत में कुछ सुधार भी हुआ लेकिन बाद में हालत बिगड़ती गई।

चिकित्सा महाविद्यालय में सिकल सेल पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

दुर्ग। चंदूलाल चंद्राकार शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में सिकल सेल बीमारी पर शुक्रवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सिकल सेल बीमारी के सम्पूर्ण व स्थाई इलाज की आधुनिक नई पद्धति क्रिस्पर पर चर्चा हुई। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ के सिकल सेल बीमारी की पहचान एवम उपचार हेतु अग्रपुरुष जो सिकल सेल के पितामह के रूप मैं ख्याति प्राप्त डॉ. पी. के. पात्रा, कुलपति आयुष विश्वविघाल की विशेष उपस्थित रही। इस कार्यक्रम का संयोजन बायोकेमिस्ट्री की विभागाध्यक्ष डॉ. स्वाति हिवाले ने किया,जो पिछले कई वर्षो तक रायपुर के सिकल सेल सस्थान में मरीजों के परीक्षण इलाज तथा सिकल सेल संबधी शोध में विशेष रुचि लेती रहीं है । डॉ. लोपा मुद्रा भी इस कार्यक्रम में सिकल सेल के मरीजों की सहभागिता हेतु सक्रिय रही। इस कार्यक्रम में नई दिल्ली से आए वैज्ञानिक डॉ. सोविक मैती एवं डॉ. देवज्योति चक्रवर्ती ने क्रिस्पर पर व्याख्यान दिया तथा संस्थान के चिकित्सकों के शंकाओं समाधान किया।

छत्तीसगढ़ में बिजली की डिमांड हुई दोगुनी, 2030 तक हम कितनी बिजली करेंगे खर्च

कोरबा। छत्तीसगढ़ में बिजली की डिमांड ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बीते कुछ सालों तक प्रदेश में बिजली की डिमांड 3000 से 4000 मेगावॉट के बीच रहती थी। जो इस समय 5000 से 6000 मेगावॉट के बीच पहुंच चुकी है। मांग में इसी तरह बढ़ोतरी होती रही, तो साल 2029-30 में छत्तीसगढ़ को 8805 मेगावॉट बिजली की जरूरत होगी। यह अनुमान केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने 20वीं इलेक्ट्रिक पावर सर्वे के आधार पर लगाया है।

सर्वे के आधार पर इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी ने बताया है कि छत्तीसगढ़ की बिजली जरूरतें हर साल लगभग साढ़े 7 फीसदी की दर से बढ़ रही है। फिलहाल केंद्रीय पूल से बिजली उधार लेकर प्रदेश की बिजली जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। जानकारों का मानना है कि जल्द प्रदेश में नए पावर प्लांट खोलकर बिजली उत्पादन में इजाफा नहीं किया गया तो निजी क्षेत्र से बिजली खरीदने की जरूरत पड़ेगी, जिससे उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ेगा।

प्रतिव्यक्ति बिजली की खपत के मामले में देशभर में

छत्तीसगढ़ दूसरे नंबर पर है। जबकि पहले स्थान पर गुजरात है। प्रति व्यक्ति बिजली की खपत सबसे ज्यादा गुजरात में हो रही है। सीईए सेंट्रल ग्रिड के माध्यम से हर राज्य में बिजली की प्रति व्यक्ति खपत की गणना करती है। पिछले बार जब यह सर्वे हुआ था, तब नए आंकड़ों के अनुसार प्रति व्यक्ति बिजली खपत के मामले में गुजरात पहले नंबर पर और छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर रहा। जानकार इसका कारण औद्योगिकरण और किसानों के साथ ही बिजली उपयोगकर्ता के सामान्य उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि को माना गया।

छत्तीसगढ़ में बिजली उत्पादन का लगभग 80 फीसदी हिस्सा कोयला आधारित पावर प्लांट से ही होता है। एक दो को छोड़कर राज्य सरकार के लगभग सभी पावर प्लांट प्रदेश की ऊर्जाधानी कोरबा में ही स्थपित हैं। इन पावर प्लांट्स की कुल उत्पादन क्षमता 2445 मेगावॉट है। यह कुल खपत का लगभग 40 फीसदी है। लेकिन छत्तीसगढ़ में बिजली की खपत ज्यादा है जिससे बिजली की मांग को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ बिजली वितरण कंपनी को दूसरी कंपनियों पर निर्भर रहना पड़ता है। हालांकि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 7858 मेगावॉट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। लेकिन इनमें छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन कंपनी के अलावा एनटीपीसी और दूसरी बिजली कंपनियों के संयंत्र शामिल हैं।

एक तरफ प्रदेश में बिजली की मांग बढ़ रही है, तो दूसरी ओर छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन कंपनी की पुरानी इकाइयां बंद होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं। साल 2018 में उत्पादन कंपनी के तय मानक से ज्यादा प्रदूषण फैलाने पर एनजीटी के निर्देश पर 50- 50 मेगावॉट की चार इकाइयों को बंद कर दिया था। इन यूनिट्स की स्थापना 1966-68 में पूर्व सोवियत संघ के सहयोग से कोरबा में हुई थी। इसी तरह 31 दिसंबर 2020 को कोरबा ईस्ट में स्थित राज्य बिजली उत्पादन कंपनी की 120-120 मेगावॉट की दो यूनिट बंद हो गई थी। जिससे छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन कंपनी को 440 मेगावॉट बिजली का नुकसान हुआ था। अब साल 2029 में उत्पादन कंपनी की 210 मेगावॉट की एक दूसरी यूनिट भी बंद होने वाली है। जो हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा वेस्ट का हिस्सा है।

प्रदेश की पूर्व कांग्रेस सरकार ने कोरबा पश्चिम में 1320 मेगावॉट संयंत्र की स्थापना के लिए आधारशीला रखी थी। इसे राज्य सरकार का अब तक का सबसे बड़ा पावर प्लांट माना जा रहा है। इस पर 12000 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। इस पावर प्लांट को साल 2030 तक कमिश्निंग करने की योजना थी। इसके लिए पर्यावरणीय सुनवाई का काम भी पूरा हो चुका है। लेकिन छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते के बाद मेगावॉट संयंत्र का काम रुका हुआ है। अधिकारी भी इस बारे में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। इस तरह कोरबा में प्रस्तावित 1320 मेगावॉट का संयंत्र फिलहाल ठंडे बस्ते में चला गया है।

अखिल भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय मंत्री राधेश्याम जायसवाल ने नए पावर प्लांट स्थापित नहीं करने को लेकर सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा - सरकारों को निजी कंपनी से बिजली खरीदने में बड़ी रुचि रहती है। उनका तर्क होता है, जब हमें लागत मूल्य पर बिजली मिल रही है। तो हम बिजली उत्पादन करने के लिए नए संयंत्रों की स्थापना क्यों करें? लेकिन एक बात यह भी समझ लेनी चाहिए कि जब भी निजी कंपनी से बिजली खरीदी होती है। तब इसमें इसे खरीद कर उपभोक्ताओं को सब्सिडी पर उपलब्ध कराई जाती है। इसमें भ्रष्टाचार की संभावना बनी रहती है। सरकार यदि बिजली आपूर्ति को लेकर सच में गंभीर है तो राज्य सरकार को नए पावर प्लांट खोलने की तैयारी करनी चाहिए। यदि जल्द ही इस प्लांट की स्थापना के लिए ठोस पहल नहीं किया गया तो हम संघ के माध्यम से जन जागरूकता अभियान चलाएंगे। गर्मी में ऐसी, कूलर के कारण बढ़ी डिमांड छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता पीएल सिदार कहते हैं कि गर्मी के मौसम में बिजली की डिमांड बढ़ जाती है। लोग ऐसी कूलर और अन्य उपकरण का उपयोग करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को सराहा

रायपुर। कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ ने आज

बीजेपी और कांग्रेस के घोषणा पत्र में स्वास्थ्य योजनाओं को लेकर किए वादे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस ली। इसमें चिकित्सा प्रकोष्ठ ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कई महत्वपूर्ण चीजों का वादा किया है। इसमें बच्चों का सौ प्रतिशत टीकाकरण समेत पैरामेडिकल स्टाफ और जरूरी स्टाफ की भर्ती करने का वादा किया गया है, जो बहुत महत्वपूर्ण है। दरअसल, राजधानी रायपुर स्थित कांग्रेस भवन में आज कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ली। इस दौरान चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉक्टर राकेश गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में पैरामेडिकल स्टाफ और जरूरी स्टाफ की भर्ती करने का वादा किया है, जो बहुत महत्वपूर्ण है। इससे नए मेडिकल कॉलेज खोलने की भी अनुमति मिलेगी। राकेश गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में सभी चिकित्सा प्रणाली को प्रोत्साहित करने का भी वादा किया है। दवाइयों की गुणवत्ता और दाम को लेकर कांग्रेस ने बहुत महत्वपूर्ण बिंदु उठाया है। इसके अलावा कांग्रेस ने बच्चों का शत प्रतिशत टीकाकरण कराने का वादा किया है।

चुनाव कार्य में लापरवाही 3 कर्मचारियों को कलेक्टर भेजा शोकॉज नोटिस

बलौदाबाजार। चुनाव कार्य में लापरवाही बरतने पर बलौदाबाजार कलेक्टर केएल चौहान ने 3 अधिकारी-कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस भेजा है। इसमें जनपद सीईओ एमएल मंडावी, नायब तहसीलदार अक्षय तिवारी और नगरपालिका कर्मचारी सुरेन्द्र कुमार सोना को नोटिस जारी किया गया है। जनपद सीईओ को एसएसटी टीम के लिए चेकपोस्ट पर मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था नहीं करने, नायब तहसीलदार को स्टांग रूम की सतत रिपोर्ट नहीं देने और नगरपालिका कर्मचारी को चेकपोस्ट पर उपस्थित नहीं होने पर कलेक्टर ने यह कार्रवाई की। कलेक्टर ने लेटर जारी कर निर्वाचन कार्य को गंभीरता से न लेने और लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारियों से 24 घंटों के अंदर जवाब मांगा है।

जोगी कांग्रेस के यूथ विंग के अध्यक्ष प्रदीप साहू ने दिया इस्तीफा

रायपुर। जोगी कांग्रेस के प्रदेश यूथ विंग के अध्यक्ष प्रदीप साहू ने इस्तीफा दे दिया है। जब तमाम लोग जोगी कांग्रेस छोड़ चुके हैं ऐसे में यह युवा चेहरा ही अमित जोगी के साथ अब तक दमदारी से खड़ा रहा है और ऐन लोकसभा चुनाव के पहले उसने भी पार्टी से इस्तीफा देकर तगड़ा झटका दिया है। स्वाभाविक हैं वह भी भाजपा में ही जायेगा। बता रहे हैं आज रायपुर लोकसभा के प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल की नामांकन रैली में भी शामिल थे।

निगम कमिश्नर ने छेरीखेड़ी तक मार्ग को सुंदर बनाने बनाई योजना

रायपुर। कलेक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने शहर के सभी 7 प्रवेश द्वारों को सुंदर बनाने की योजना अनुसार सोमवार सुबह तेलीबांधा चौक से लेकर छेरीखेड़ी मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग में जगह - जगह खड़े होकर उन जगहों पर क्या किया जा सकता है के लिए योजना बनाई। निगम कमिश्नर श्री मिश्रा के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग अथार्टी के प्रवीण कुमार, अपर आयुक्त विनोद पांडे, अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, जोन क्रमांक 9 के जोन कमिश्नर सन्तोष पांडे, जोन क्रमांक 6 के जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल, निगम के अन्य अधिकारियों के साथ बिल्डर आनन्द सिंघानिया तथा अन्य बिल्डर भी मौजूद थे। राष्ट्रीय राजमार्ग पर निगम द्वारा कोई विकास कार्य करने पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा रोक टोक लगाई जाती है या फिर कार्य करने ही नहीं दिया जाता है। इसी वजह से कार्य को मिलजुल कर करने हेतु राजमार्ग विभाग के साथ संयुक्त रूप से योजना बनाकर कार्य करने की योजना बनाई गई।

घोषणापत्र पर राजनीति, कांग्रेस-भाजपा ने एक दूसरे के मेनिफेस्टो को बताया बेहतर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहले चरण के मतदान से 5 दिन पहले बीजेपी ने अपना मेनिफेस्टो जारी किया है। इस मेनिफेस्टो में बीजेपी ने हर वर्ग को साधने की कोशिश की है।वहीं बीजेपी ने इस बार अपने घोषणा पत्र में कानून में बदलाव करने पर जोर दिया है।आईए जानते हैं बीजेपी के घोषणापत्र में है क्या ?

बीजेपी संकल्प पत्र की प्रमुख घोषणाएं-

• फ्री बिजली और 5 साल तक मुफ्त राशन की व्यवस्था जारी रहेगी। • प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ नए घर बनाए जाएंगे। • मुद्रा योजना की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रूपए की जाएगी। • समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा • वन नेशन, वन इलेक्शन लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे • भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। • आयुष्मान भारत योजना में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को शामिल किया जाएगा • ट्रांसजेंडर वर्ग को भी योजना के दायरे में लाया जाएगा • दिव्यांगजनों को पीएम आवास योजना में प्राथमिकता देगी • 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने की गारंटी • उज्ज्वला योजना, सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, जन औषधि केन्द्र जैसी प्रमुख योजनाएं जारी रहेंगी • 700 से ज्यादा एकलव्य स्कूल बनाए जाएंगे • अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन के अलावा उत्तर, दक्षिण और पूर्वी भारत समेत चारों दिशाओं में बुलेट ट्रेन चलाई जाएंगी। • घरों में सस्ती पाइपलाइन गैस उपलब्ध कराने की दिशा में काम होगा।

बीजेपी के घोषणापत्र जारी होने के बाद छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने इसे भविष्य का विजन बताया। सीएम साय ने कहा कि पिछले 10 साल के शासन में ये साबित हुआ है कि बीजेपी अपने घोषणा पत्र के हर एक शब्द पर अमल करती है। 2024 का घोषणा पत्र 24

बिन्दुओं पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने प्रयास किया है कि जो अंग्रेजों के समय से दंड प्रक्रिया बना है, उसको न्याय प्रक्रिया का नाम दिया जाए। जो पुराने कानून में संशोधन ओर होमवर्क हो रहा है, जल्दी लोगों को न्याय मिलेगा। पुराने कानून के अनुसार देश में राजस्व, सिविल और क्रिमिनल के 10 करोड़ केस पेंडिंग है। लोगों को यहां न्याय नहीं मिल पा रहा है। इस पर प्रधानमंत्री का विशेष ध्यान है। वहीं कांग्रेस के न्याय गारंटी का फॉर्म भरवाने को लेकर साय का कहना है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा एक लाख का फॉर्म भरवाया जाए या 5 लाख का। कांग्रेस पार्टी पहले 5 वर्षों में छत्तीसगढ़ की जनता का विश्वास खो चुकी है। 2018 के विधानसभा चुनाव में इनका लोक लोभावन घोषणा पत्र था।5 साल शासन करने का अवसर मिला, लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं कर पाए।ये कुछ भी कर ले यहां की माता बहनें इन पर विश्वास करने वाली नहीं है। वहीं बीजेपी के घोषणापत्र पर अब कांग्रेस ने हमला बोला है।कांग्रेस ने के मुताबिक बीजेपी ने दो पिछले दो चुनाव में जनता से जो वादे किए थे। उसे अब तक पूरा नहीं किया है। एक बार फिर बीजेपी ने जुमला पत्र जारी किया है। आईए सबसे पहले जानते हैं कांग्रेस के घोषणापत्र में है क्या।

कांग्रेस न्याय पत्र की प्रमुख घोषणाएं-

• आरक्षण की सीमा को खत्म कर रिजर्वेशन कोटा बढ़ाएगी। • महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 50 फीसदी तक आरक्षण। • गरीब महिलाओं को सालाना 1 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। • 30 लाख सरकारी नौकरी का वादा। • युवाओं को ग्रेजुएशन के बाद पहली नौकरी सरकार दिलाएगी। • न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपये प्रतिदिन की जाएगी। • किसानों के लिए एमएसपी कानून बनाया जाएगा। • जातिगत जनगणना कराने, एक साल में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के रिक्त पदों को भरने का वादा। • 25 लाख रुपये का फ्री स्वास्थ्य बीमा कराने का वादा। • एससी, एसटी छात्रों के लिए आवासीय । इनमें हिस्सेदारी न्याय, युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय, संवैधानिक न्याय, आर्थिक न्याय, राज्य न्याय, रक्षा न्याय, पर्यावरण न्याय शामिल हैं।

वहीं बीजेपी के घोषणापत्र पर कांग्रेस ने झूठ का पुलिंदा बताया है। राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं छत्तीसगढ़ मीडिया प्रभारी राधिका खेड़ा ने कहा कि मोदी का प्रतिनिधित्व करने वालों के हवाले से कह रही हूं कि बीजेपी जैसी ही सत्ता में आई तो पूरा संविधान बदल जाएगा।बीजेपी के लिए कोई संविधान मायने नहीं रखता। ये वही लोग हैं जिन्होंने संविधान को जलाने का काम किया। बीजेपी ने धारा 370 हटाने की बात कही थी, 370 हटेगी तो आतंकवाद खत्म हो जाएगा। लेकिन बीजेपी के सोशल मीडिया का प्रभारी ही आतंकवादी संगठन से जुड़ा हुआ है।आतंकवाद खत्म नहीं हुआ है। आए दिन मुठभेड़ हो रही है, लोगों की जान जा रही है, जवान शहीद हो रहे हैं।

इस दौरान राधिका ने बीजेपी के संकल्प पत्र को मोदी का फोटो एल्बम बताया। अलग-अलग पोज में अलग-अलग फोटो ,उसमें छपी हुई है। आज तक किसी भी पार्टी के मेनिफेस्टो में इतनी फोटो किसी की भी मैंने नहीं देखी। इससे साफ है कि बीजेपी से बड़े मोदी हैं। बीजेपी के मेनिफेस्टो में किसानों और गरीबों की चर्चा नहीं है। किसानों की खेती में लगने वाली चीजों पर जो जीएसटी लगता है उसे बंद करने की चर्चा नहीं है। रोजगार की कोई बात नहीं है ,महिलाओं को लेकर कोई बात नहीं की।

राधिका खेड़ा ने कहा हमने किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी देने के वादा किया है।हमने खेती में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर जीएसटी हटाने की भी गारंटी दी। युवाओं को 30 लाख रोजगार देने का वादा किया है। महिलाओं को साल में एक लाख देने के वादा किया है। महिलाओं को 50त्न सरकारी नौकरी में आरक्षण देने की बात कही है। हमने काम की बात की है, जो जनता के मुद्दे हैं और वह वादे किए हैं।

राधिका खेड़ा ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं नवरात्रि में कोई झूठ नहीं बोलता है। लेकिन हमेशा की तरह इस बार भी शाह झूठ बोलकर चले गए। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने हाथ में गंगाजल लेकर शराब बंदी की बात की थी।मैं आज अमित शाह को चैलेंज करती हूं कि अमित शाह नवरात्र में हाथ में गंगाजल लेकर वीडियो दिखाएं और बताएं कि कब भूपेश बघेल ने गंगाजल हाथ में लेकर शराबबंदी का वादा किया था। वहीं राजनीति की जानकारी एवं वरिष्ठ पत्रकार अनिरुद्ध दुबे ने कहा कि दोनों ही पार्टियों के घोषणा पत्र की बात की जाए तो दोनों ने गरीबों पर जोर दिया है। एक ओर राहुल गांधी ने कहा कि गरीब परिवार की महिलाओं को हर साल 1 लाख रुपया देंगे।जिससे देश की गरीबी दूर हो जाएगी। वहीं बीजेपी की घोषणा पत्र की बात की जाए तो उन्होंने महिलाओं को उत्थान करने के साथ 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने की गारंटी दी है। उन्होंने कहा महिलाओं के लिए आईटीआई स्वास्थ्य एवं पर्यटन की दिशा में क्या कदम उठाए जा सकते हैं ये घोषणा पत्र में है।

प्रदेश युवा कांग्रेस के नेता जयेश तिवारी ने किया भाजपा प्रवेश

बृजमोहन अग्रवाल ने भाजपा का पटका पहनाकर स्वागत किया

रायपुर। भाजयुमो रायपुर जिला अध्यक्ष गोविंद गुप्ता के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के नेता जयेश तिवारी ने अपने 100 साथियों के साथ भाजपा प्रवेश किया। छत्तीसगढ़ शासन मंत्री व लोकसभा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयंती पटेल, प्रदेश प्रवक्ता अमित साहू, पूर्व विधायक देवजीभाई पटेल ने भाजपा का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रितेश मोहरे, प्रदेश मीडिया प्रभारी विकास मित्तल, जिला महामंत्री अर्पित सूर्यवंशी, आशीष आहूजा, अनिल नायडू, अनिल शर्मा, शंकर साहू उपस्थिति थे।

इस अवसर पर जयेश ने कहा कि कमल का फूल हमारा संगठन है उसी के लिए काम

करना है प्रत्याशी कोई भी कमल का फूल ही हम सबके लिए सब कुछ होना चाहिए। कमल का फूल का मतलब ही होता है माता सरस्वती इसलिए भाजपा शासन विकास प्रगति ही होती क्योंकि माता सरस्वती का आशीर्वाद हमेशा हमारे ऊपर बना रहता। जिससे जनता के विकास योजना गरीबो की चिंता सब हम दूर कर देते है।

पूर्व सीएम की भाभी समेत बड़ी संख्या में लोग भाजपा में हुए शामिल

■ **सीएम साय ने कहा- कांग्रेसियों ने भ्रष्टाचार किया, इसलिए अब जेल की हवा खा रहे**

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज दुर्ग जिले के दौरे पर पहुंचे हैं। वे यहां दुर्ग लोकसभा प्रत्याशी विजय बघेल के नामांकन रैली को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने भ्रष्टाचार किया है, इसके चलते कई लोग आज जेल में है। उन्हें साल भर से बेल नहीं मिल रहा है। इससे पहले नामांकन रैली में सैकड़ों लोगों ने भाजपा में प्रवेश किया है। साथ ही पूर्व सीएम भूपेश बघेल की भाभी सीमा बघेल भी भाजपा में शामिल हुई हैं।

नामांकन रैली में पहुंचे पूर्व सैनिक विपुल साहू, जोगी कांग्रेस के पाटन से चुनाव लड़ चुकी शकुंतला साहू, पूर्व सीएम भूपेश बघेल की भाभी सीमा बघेल, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष घनाराम साहू (वर्तमान में भाजपा के सदस्य) के पुत्र सतीश साहू समेत बड़ी संख्या में लोगों ने भाजपा का दामन थामा। सीएम विष्णुदेव साय ने बीजेपी का गमछा

पहनाकर सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम साय ने कहा कि दुर्ग लोकसभा की नामंकन रैली में साक्षी बनने सभी यहां पहुंचे हैं। भाजपा प्रवेश करने वाले सभी नेताओं को बहुत-बहुत बधाई। आज पूर्व सीएम बघेल की भाभी ने भी भाजपा प्रवेश किया है। उन्होंने कहा कि आज देश के लिए नरेन्द्र मोदी जरूरी है, जो सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास लेकर साथ चलते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल में देशभर में जो काम किया वह आप सबके सामने हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओं से कहना चाहूंगा कि कांग्रेस को यहां खाता खोलने नहीं देना है। सभी 11 सीटों पर भाजपा को जीताना है। कांग्रेस के लोगों ने भ्रष्टाचार किया है। इसके चलते कई लोग आज जेल में है। उन्हें साल भर से बेल नहीं मिल रहा है। एसी, गद्दा में सोने वाले आज जेल के फर्स में सो रहे हैं। यहां के पूर्व सीएम के ऊपर भी महादेव एप के भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

उन्होंने कहा कि हम लोगों ने मोदी की गारंटी को सायं सायं पूरा किया। तेंदूपत्ता, धान के बकाया बोनस, धान के मूल्य 3100 रुपये, और महतारी वन्दन योजना के वादा को पूरा किया। यह सब देखकर कांग्रेस वालों का दीमाक आय बायं हो गया है। इसलिए कुछ भी बोल रहे हैं। इस चुनाव में विजय बघेल को फिर एक बार रिकार्ड मतों से जिताना है।

भाजपा का संकल्प पत्र से भाजपा की हताशा दिख रही

रायपुर। भाजपा को भी पता चल चुका है कि केन्द्र में उसकी सरकार नहीं बनने वाली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र से ही भाजपा की निराशा और हताशा झलक रही है। भाजपा अब की बार 150 सीटों तक भी नहीं पहुंच पायेगी। भाजपा में साहस नहीं है कि वह 2014 और 2019 के समान जनता से वायदा कर सके। इसीलिये भाजपा अपने संकल्प पत्र में कोई वादा करते हुये नहीं दिखी है। वैसे भी भाजपा किस नैतिकता से वादा करेगी। 2014, 2019 के वादों को तो भाजपा ने 10 सालों में पूरा नहीं किया है। ना हर साल 2 करोड़ रोजगार मिले, ना किसी के खाते में 15-15 लाख आये, ना 2022 का किसानों की आय दुगनी हुई, और ना ही स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य मिला, ना 100 दिन में महंगाई कम हुई,

ना बुलेट ट्रेन चली, ना 100 स्मार्ट सिटी बन पाई, ना ही 2022 तक भारत 5 ट्रिलियन इकोनामी बन पाया, ना ही काले धन को लाने के लिए कोई टास्क फोर्स बन पायी, हा पर देश पर ऋण 55 लाख करोड़ से 4 गुना बढ़कर 205 लाख करोड़ जरूर हो गया. नॉर्थ ईस्ट में कानून व्यवस्था को मजबूत करने की बात भाजपा के घोषणापत्र में कही गई थी और आज मणिपुर जल रहा और प्रधानमंत्री जी इस बारे में एक शब्द नहीं कहना चाहते। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एक ओर जहां कांग्रेस का घोषणा पत्र महिलाओं, युवाओं, कृषकों, मजदूरों, वंचित वर्गो को राहत देता है। वहीं भाजपा का घोषणा पत्र इस सब पर मौन है। युवाओं से वादा है कांग्रेस के घोषणा पत्र में 30 लाख भर्ती होगी और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं। किसानों के एमएसपी में कांग्रेस के घोषणा पत्र में कानूनी गारंटी दिया जायेगा और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं। महिलाओं के लिये लाये गये नारी न्याय योजना के माध्यम से कांग्रेस के घोषणा पत्र में महिलाओं को हर साल 1 लाख, सरकारी नौकरी में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं। महंगाई कांग्रेस के घोषणा पत्र में महंगाई के दाम को नियंत्रित करेंगे और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं। मणिपुर में कांग्रेस की घोषणा पत्र में शांति स्थापित करेंगे और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं। लद्दाख कांग्रेस के घोषणा पत्र में जनजातीय क्षेत्र संविधान के छठे शेड्यूल में होंगे शामिल और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं। स्वास्थ्य में कांग्रेस के घोषणा पत्र में 25 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस मिलेगा और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में किसानों का कर्ज माफ होगा और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में जातिगत जनगणना कांग्रेस करायेगी और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं।

सीएम साय के देवेंद्र यादव को लठैत कहने पर मचा बवाल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव को लठैत कहने वाले बयान पर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस बयान को लेकर सीएम साय सहित भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस ने इसे यादव समाज का अपमान बताया है और मुख्यमंत्री को यादव समाज से माफी मांगने की मांग रखी है। कांग्रेस ने राजीव भवन में एक पत्रकार वार्ता आयोजित कर यह आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के देवेंद्र यादव पर दिए बयान पर पलटवार करते हुए विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कहा, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यादव समाज का अपमान किया है। विधायक देवेन्द्र यादव को लठैत कहना, यादव समाज का अपमान है। मेरा मानना है कि साय ऐसा नहीं बोल सकते, उनसे डबल इंजन की सरकार ने यह बयान दिलवाया है। कांग्रेस विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कहा विधायक देवेन्द्र यादव लठैत नहीं, वे यदुवंशी हैं। अपने इस बयान के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पूरे यादव समाज से

माफी मांगे। यदि वे माफी मांगते हैं तो हो सकता है कि उनकी पार्टी में जो आस्था-विश्वास रखते हैं, इसका लाभ उन्हें मिले। नहीं तो प्रजातंत्र में एक ही माध्यम है बटन। देश को जाति के नाम पर बांटने का आरोप कांग्रेस विधायक द्वारकाधीश यादव ने आगे कहा, भारतीय जनता पार्टी ने पहले देश को धर्म के नाम पर बांटा और अब जाति के नाम पर बांट रही है। कई जातियों को अपमानित किया जा रहा है। चरणबद्ध तरीके से सभी का अपमान किया जा रहा है। किसानों का भी अपमान किया गया है। सत्ता के अहंकार में वे लोग कुछ भी बोल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ फॉर्मूले के दम पर चुनाव जीतना चाहती है कांग्रेस

ललित कुमार सिंह

कांग्रेस अपने छत्तीसगढ़ फॉर्मूले के दम पर लोकसभा चुनाव में फतह हासिल करना चाहती है। छत्तीसगढ़ में पहली बार कांग्रेस की सरकार में हुई किसान कर्जमाफी योजना को पूरे देश में लागू करना चाहती है। यह कांग्रेस के एक बड़े दांव के रूप में देखा जा रहा है। बस्तर की धरती से पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस संबंध में ऐलान किया है।

उन्होंने कहा कि साल 2018 में छत्तीसगढ़ में जब हमारी सरकार बनी तो हमने प्रदेश के किसानों का कर्जा माफ किया था। उनसे समर्थन मूल्य पर धान खरीदा था। अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी, तो यही योजना देशभर में लागू करेंगे। किसानों का कर्जा माफ करेंगे। महिलाओं को सलाना एक लाख रुपये और युवाओं को रोजगार देंगे। अग्निपथ योजना बंद करेंगे। युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अधिकार देंगे। इन्हीं वादों के सहारे कांग्रेस देश में लोकसभा चुनाव जीतना चाहती है। छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों पर कब्जा करना चाहती है।

दूसरी ओर विधानसभा चुनाव 2023 में मिली शानदार जीत से भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है। शुरुआती दौर में छत्तीसगढ़ भाजपा के सुस्त रफ्तार के बाद बीजेपी के केंद्रीय

नेतृत्व के सीनियर नेताओं ने जिस तरह से विधानसभा चुनाव 2023 में छत्तीसगढ़ का मोर्चा संभाला था। प्रदेश में धुआंधार प्रचार किया था। ठीक उसी तरह लोकसभा चुनाव 2024 में भी बीजेपी यही क्रम दोहराना चाहती है। केंद्रीय नेतृत्व के नेता लगातार छत्तीसगढ़ में दौरा कर रहे हैं। बीजेपी के पक्ष में माहौल बना रहे हैं। इसलिए बीजेपी ने लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस से पहले ही एक ही चरण में 11 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नामों का एलान कर दी थी, जबकि कांग्रेस उसके बाद तीन बार में लिस्ट जारी की है। प्रचार-प्रसार के मामले में भी बीजेपी कांग्रेस से आगे चल रही है। बीजेपी चुनाव प्रभारी नीतिन नबीन मोर्चा संभाले हुये हैं। पीएम नरेंद्र मोदी बस्तर में तो राजनाथ सिंह दंतेवाड़ा और बालोद, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह खैरागढ़ जिले में रविवार को ही चुनावी सभा कर चुके हैं। दूसरी ओर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व से पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की ही बस्तर में चुनावी सभा हुई है।

बीजेपी के केंद्रीय और स्थानीय नेता प्रदेश की सभी 11 की 11 सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं। बीजेपी प्रदेश में पूरी तरह से कांग्रेस का सफाया करने पर तूली हुई है। विगत दो लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 11 में से 1 और 2 सीटें कब्जे में रही हैं। लोकसभा चुनाव 2014 में दुर्ग से कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू चुनाव जीते थे बाकी 10 सीटों पर बीजेपी ने बाजी मारी थी। लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस ने बस्तर और कोरबा का किला जीती थी। बस्तर से दीपक बैज, तो कोरबा से पूर्व केंद्रीय मंत्री चरणदास महंत की पत्नी ज्योत्सना महंत जीती थीं।

इस बार बीजेपी पूरी तरह से मैदान खाली करवाना चाहती है। सभी 11 की 11 सीटों पर कब्जा करना चाहती है। वह फुल कॉफिडेंस में है। हालांकि कांग्रेस प्रदेश प्रभारी के रूप में सचिन पायलट छत्तीसगढ़ किले में मोर्चा संभाले हुए हैं, लेकिन कांग्रेस अपने ही अंदर भितरघात से जूझ रही है। पार्टी में सिर फुटौवल का सिलसिला जारी है। समय-समय पर लेटरबाजी कर %पार्टी में बम% फोड़ रहे हैं। इस बम के आवाज की गूंज उनके दिल्ली हाईकमान तक गूंज रही है। पार्टी इससे परेशान हैं और इसे फौरीतौर पर सुलझाने में ही लगी हुई है। तमाम तरह के हथकंडे अपनाये जा रहे हैं। चुनाव से पहले नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने का दौर भी चल रहा है। दूसरी ओर पार्टी सख्त कदम उठाते हुए चुनाव छोड़ ऐसे नेताओं को बर्खास्त करने और अनुशासन का पाठ पढ़ाने में भी लगी हुई है।

कांग्रेस के कार्यकर्ता एक दूसरे पर जमकर आरोप लगा रहे हैं। बयानबाजी कर रहे हैं। पूर्व सीएम भूपेश बघेल के सामने ही मंच से अपनी भड़ास सुनाने से बाज नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस हाईकमान तक लेटर लिखकर पूर्व सीएम की शिकायत कर रहे हैं। भूपेश राज के कामकाज पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत का कहना है कि हम बीजेपी की तरह 400 प्लस सीटें जीतने का दावा नहीं करते हैं पर छत्तीसगढ़ की 11 सीटों में से 3 से 4 सीटे जीतने का पूरा प्रयास जरूर करेंगे।

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित जग्गी हत्याकांड के 5 आरोपियों को मिली राहत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित जग्गी हत्याकांड मामले को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इस मामले के 27 दोषी आज रायपुर जिला कोर्ट में सरेंडर करने वाले थे लेकिन उससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने रायपुर मेयर एजाज ढेबर के भाई याहया ढेबर समेत 5 को राहत देते हुए सरेंडर के लिए तीन हफ्ते का अतिरिक्त समय दिया है। जानकारी के मुताबिक एसवीएन भाटी की बेंच ने यह आदेश पारित किया है।

बता दें कि लोवर कोर्ट ने इस मामले के सभी 28 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। जिसके बाद इन सभी ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। 4 अप्रैल को हुई सुनवाई में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद वर्मा

की डिवीजन बेंच ने लोअर कोर्ट के आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा और कोर्ट में सरेंडर करने के निर्देश दिए थे। ये सभी अब तक जमानत पर बाहर थे। 4 जून 2003 को एनसीपी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 31 अभियुक्त बनाए गए थे, जिनमें से दो विक्रम शर्मा उर्फ बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे। 29 आरोपितों पर केस चला। इस मामले के मुख्य आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को छोड़कर शेष 27 आरोपितों को उम्रकैद की सजा हुई थी।

भाजपा का संकल्प पत्र : ये जनादेश 2024 का ट्रेलर है

हरि वर्मा

जनादेश 2024 के लिए भारतीय जनता पार्टी का फर्स्ट लुक या टीजर (घोषणा पत्र) जारी हो चुका है। इंडियन पॉलिटिकल लीग (आईपीएल) में सत्ता के क्रीज पर नाबाद पारी खेल रहे बड़े सियासी खिलाड़ी नरेंद्र मोदी ने नवरात्र के छठे दिन या यूं कहें पहले चरण के मतदान (सियासी मैच) से ठीक छह दिन पहले सिक्सर लगाकर मैच का रोमांच बढ़ा दिया है। चुनावी शो में भले अब तक कोई शोरशराबा नहीं और न ही कोई रोमांच नजर आ रहा है लेकिन इस पटकथा में विवाद के साथ-साथ संवाद है, वहीं सियासी शो के लिए लाइट, कैमरा और एक्शन भी। भाजपा के घोषणा पत्र में समान नागरिक संहिता और एक देश, एक चुनाव के राग से जहां विवाद की स्थिति पैदा हो सकती है, वहीं मतदाताओं के सबसे बड़े वर्ग (गरीब, युवा, महिला, बुजुर्ग, किसान) का ख्याल कर उनसे सीधे संवाद की स्थिति पैदा करने की कोशिश की गई है। 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए 5 लाख तक का मुफ्त इलाज का वादा मास्टर स्ट्रोक है। बुजुर्ग बोझ नहीं। राम रथ खींचकर नरेंद्र मोदी को सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाने वाले लालकृष्ण आडवाणी की अनदेखी को लेकर राम मंदिर निर्माण वर्ष में भले मोदी सवालों में घिरे लेकिन भारत रत्न से नवाजकर न केवल उन्होंने मार्गदर्शक के सम्मान का सीधा संदेश दिया बल्कि सवाल उठाने वालों की बोलती तक बंद कर दी। अब फिर से मोदी सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए चुनावी समर में हैं। 70 साल से अधिक उम्र वाले हर वर्ग के बुजुर्गों के 5 लाख तक के मुफ्त इलाज के वादे के जरिए मोदी ने न केवल बुजुर्ग मतदाताओं को साधा है, बल्कि उन लाखों परिवारों तक पहुंच बनाने की कोशिश की है, जिन परिवारों में बुजुर्ग हैं और बीमारी की वजह से समूचा घर-परिवार परेशानी से घिरा रहता है। युवाओं के लिए निवेश से नौकरी तक का वादा कर मुद्रा योजना के तहत कर्ज सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करना युवाओं और हुनरमंदों के लिए प्रोत्साहन है, वहीं महिलाओं के लिए तीन करोड़ और लखपति दीदी, ड्रोन पायलट का वादा भी मायने रखता। गरीबों के लिए अगले पांच साल तक मुफ्त खाद्यान्न का वादा भले पुराना है लेकिन 80 करोड़ से अधिक परिवारों के लिए अगले पांच साल तक मुफ्त राशन की योजना की गारंटी मायने रखती है। गरीबों को पीएम आवास में और तेजी लाने का वादा भी अहम है। कोरोना की आपदा में मुफ्त वैक्सीन के बाद अब सर्वाइकिल कैंसर से मुक्ति मुहिम भी जख्मों पर मरहम लगाने वाली साबित हो सकती है। किसानों पर करम, बिजली बिल शून्य, रेहड़ी-पटरी वालों और गांवों तक वित्तीय मदद के वादे के जरिए विकास संदेश भी सियासी जमीन पर वोटों की फसल लहलहाने में कारगर साबित हो सकती है, क्योंकि रोटी, कपड़ा और मकान के साथ-साथ इलाज जैसी सहूलियतों का वादा हर वर्ग के मतदाताओं के दिलों और जरूरतों को छूता है। ऐसे में गगनयान गौरव की बात हो या हर भारतीय की सुरक्षा का भरोसा, हरित ऊर्जा से रोजगार पैदा करने का वादा हो या दुनिया में सेमी कंडक्टर हब बनाने की उम्मीद, डिजिटल क्रांति से स्किल, स्केल और स्कोप की आस भी भाजपा के वादे में उम्मीदों की किरणें (लाइट) हैं। कैमरा है- विकास और विरासत की तस्वीर पिरोने को। जनजातीय गौरव से पर्यटन के अवसर बढ़ाने तक का रोडमैप हो या तमिल भाषा के साथ-साथ बुलेट ट्रेन की रफ्तार के माध्यम से पूरब हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण सभी को जोड़कर 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य के साथ-साथ सत्ता के हैट्रिक की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए गए हैं। भाजपा के संकल्प में युवा हो या बुजुर्ग, महिला हो या किसान, गरीब हो या अमीर सभी को साधने के लिए संकल्प से सिद्धि की ओर कदम है। विकास है तो विरासत भी। भाजपा के वादे की पोटली में जहां विवाद है, संवाद है, लाइट है, कैमरा है, वहीं एक्शन भी। अगली सरकार के 100 दिन के काम का एक्शन प्लान। साथ ही मजबूत इरादे- भ्रष्टाचारियों पर प्रहार के। जनादेश 2024 का टीजर जारी हो चुका है। विवाद, संवाद, लाइट, कैमरा, एक्शन के बाद अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि 4 जून को जब लोकतंत्र का जनादेश (चुनाव नतीजे) रिलीज होता है तो बॉक्स ऑफिर पर चार सौ सीटें (4 सौ करोड़ का बिजनेस) पाती हैं या नहीं। बकौल मोदी- यह तो ट्रेलर है..... पिक्चर अभी बाकी है। ऐसे में आपकी तरह हमें भी है 4 जून का इंतजार।

विवेकपूर्ण मतदान की चुनौती

अजय बोकिल

भाजपा और कांग्रेस सहित कुछ राजनीतिक दलों के 18 वीं लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी हो चुके हैं। कुछ के होने वाले हैं और बाकी कुछ के लिए घोषणा पत्र जारी करने से ज्यादा चिंता अपना राजनीतिक वजूद बचाने की है। सरसरी तौर पर देखा जाए तो सभी पार्टियों के चुनाव घोषणा पत्र में रेवड़ी कल्चर का अधिकाधिक विस्तार और होड़ है। बल्कि यूं कहें कि अपने वैचारिक फ्रेम में रेवड़ी संस्कृति को फिट करने और उसके औचित्य को जताने की पुरजोर कोशिश है। अब तक के अनुभव को देखते हुए कहा जा सकता है कि जिस पार्टी का घोषणा पत्र जितना लोक लुभावन और 'रेवड़ी पैक' होता है, उसके सत्ता में आने की संभावना उतनी ही कम होती है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि जिस पार्टी का राजनीतिक जनाधार जितना कम होता है, उसकी सियासी शिगूफेबाजी उतनी ही ज्यादा होती है। अगर आप इसी पैमाने पर सारे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों की टेस्टिंग करें तो सचाई समझ आ जाएगी। इसी के साथ यह सवाल भी नत्थी है क्या चुनावों में मतदाता घोषणा पत्र देख-सुनकर भी वोट देता है या फिर मतदान का हरेक का अपना एक ईको सिस्टम होता है, जिसके अनुरूप वोटर वोट डालता है? वोटर के सामने बड़ी चुनौती यही है कि वह विवेकपूर्ण ढंग से मतदान कैसे करें?

देश के चुनाव नतीजों के ट्रेंड को समझें तो बीते कुछ वर्षों से मतदाता वैचारिक आग्रह-दुराग्रहो और शाब्दिक लफ्फाजी के झांसे में आए बगैर मतदान के लिए उन बातों को प्राथमिकता देता ज्यादा लगता है, जो उसे किसी न किसी न रूप में सीधा फायदा पहुंचाती हैं फिर वह चाहे नकदी के रूप में हों, अवसर के रूप में हो या सुरक्षा अथवा आश्वस्ति के रूप में हो। वह जान चुका है कि चुनाव घोषणा पत्र हर चुनावी सावन में नए सिरे से किया जाने वाला राजनीतिक सुंदरकांड का पाठ है, जिसका व्यवहार के स्तर पर न तो कोई खास महत्व है और न ही वो पार्टियां भी चुनाव बाद इसकी धूल झाड़ती हों, जो जोर-शोर से इसे हर चुनाव की बेला में जारी करती हैं। अंग्रेजी में चुनाव घोषणा पत्र को 'मेनीफेस्टो' कहा जाता है। डिक्शनरी में इसका अर्थ ऐसे राजनीतिक बयान से है, जो सत्ता में आने पर सम्बन्धित दल के कार्यक्रमों की रूप रेखा पेश करता हो, जिसमें सियासी दल की विचारधारा, अभिमत, कार्य योजना, दृष्टि और एप्रोच की झलक मिलती हो। इसे जानकर मतदाता यह तय कर सके कि किसे वोट देना बेहतर होगा, कौन देश अथवा प्रदेश को ठीक से चला सकता है, किसमें एक आम नागरिक की मूलभूत समस्याओं का निदान कर उसकी जिंदगी सुलभ बनाने की क्षमता और इच्छाशक्ति है। लेकिन मतदाता हमेशा इसी आधार पर वोट दे, यह जरूरी नहीं है।

वह प्रसंगानुरूप प्राथमिकताएं तय करके भी कई बार वोट करता है। इसीलिए एक बार जारी घोषणा पत्र राजनीतिक पार्टियों को भी अगले चुनाव में याद नहीं रहता। वो जनभावनाओं और अपेक्षाओं को रेवड़ियों के माध्यम से राजनीतिक दोहन का अधिकाधिक प्रयास करते दिखते हैं। क्योंकि घोषणा पत्रों की पुरानी शब्दावलियां और जुमले अब अपने अर्थ खो चुके हैं। (कुछेक राजनीतिक दल अभी भी उसी से चिपके हुए हैं, वो अलग बात है)। ऐसे में मतदाता को लुभाने के लिए दरकार है नए जुमलों, प्रतीकों और प्रलोभनों की। इसकी छाया हमे खुद घोषणापत्रों की वैकल्पिक संज्ञाओं में देखने को मिलती है। ज्यादातर पार्टियों ने घोषणा पत्रों के राजनीतिक पर्यायवाची खोज लिए हैं। मसलन न्याय पत्र, संकल्प पत्र, वचन पत्र, दृष्टि पत्र, गांरटी पत्र आदि। दिलचस्प बात यह है कि जैसे जैसे घोषणापत्रों में गांरटियों का पलडा भारी होता जा रहा है, विचार पक्ष का स्पेस उतना ही कम होता जा रहा है। घोषणा पत्र जारी करने में भी प्रतीकात्मक राजनीति का पूरा खयाल रखा गया है। मसलन कांग्रेस ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री व दलित नेता बाबू जगजीवन राम के जन्म दिन पर घोषणा पत्र जारी किया तो भाजपा ने संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर अपना घोषणा पत्र जारी किया।

इस बार चुनाव घोषणा पत्र में कांग्रेस का न्याय पत्र चर्चा में है। इसमें 5 न्याय और 25 गारंटियों की बात कही गई है। कहा जा रहा है कि यह घोषणा पत्र, वर्क, वेल्थ और वेलफेयर (काम, धन और कल्याण) के तत्वों पर आधारित है। इस घोषणा पत्र की भावना अच्छी है, लेकिन वादे हवाई ज्यादा हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में एक बड़ा वादा सबकी महालक्ष्मी योजना का है। इसके तहत गरीब परिवारों को सीधे एक लाख रुपये नकद देना का वादा है। देश में बीपीएल परिवारों की संख्या करीब 30 लाख है। प्रत्येक परिवार को हर साल 1 लाख नकद देने के लिए सालाना 3 खरब रूपए चाहिए। ये कहां से आएंगे, स्पष्ट नहीं है। वैसे देश के पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम का दावा है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों की वजह से देश में 10 सालों में 24 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले थे। वहीं अब मोदी सरकार का दावा है कि बीते दस साल में 24.8 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले (नीति आयोग की रिपोर्ट)। अगर दोनों को सही मान लिया जाए तो बीते 20 साल में कुल 50 हजार करोड़ आबादी जो कि कुल आबादी का एक तिहाई है, गरीबी रेखा से बाहर आ चुकी है। तो फिर सरकार किन 80 करोड़ बीपीएल परिवारों को मुफ्त राशन दे रही है?

कांग्रेस जाति जनगणना का वादा भी कर रही है, जिसकी वजह से खुद कांग्रेस के अगड़े नेताओं में भारी खदबदाहट है। कृषि उत्पादो के लिए एमएसपी गारंटी कानून लाने का वादा भी पूरा करना आसान नहीं है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने 2019 के आम चुनाव घोषणा पत्र गरीब परिवारों को, हर महीना 6000 रुपये देने का वादा किया था। इसी के साथ देशभर के लिए 25 लाख रुपए तक फ्री इलाज की योजना (हालांकि राजस्थान में राहुल गांधी ने 50 लाख रु. तक के फ्री इलाज की घोषणा की थी, इसके बाद कांग्रेस वहां हार गई थी)।

उधर भाजपा के 'संकल्प पत्र' में किसी नई लोकलुभावन योजना का वादा नहीं है, सिवाय आयुष्मान योजना में बुजुर्गों को सम्मिलित करने के। पार्टी आत्म संकल्प और आत्ममुग्धता के झूले में झूल रही है। चुनाव में भाजपा मुख्यत: अपने काम के आधार पर ही वोट मांग रही है। पार्टी मान रह है कि मोदी का नेतृत्व, राम मंदिर का निर्माण और 80 करोड़ लोगो को फ्री राशन चुनाव जीतने के ऐसे शर्तिया नुस्खे हैं, जिनके परे जाकर मतदाता कम ही सोचेगा। अलबत्ता दक्षिण भारत में लड़ा जरा अलग तरह की और ज्यादा कठिन है। भाजपा देश में समान नागरिक संहिता लागू करने पर आमादा है। उसके घोषणा पत्र में देश के स्वर्णिम भविष्य के सपने ज्यादा हैं। वह खुद भी उम्मीदों की बुलेट ट्रेन में सवार है। पार्टी 'एक देश, एक जनादेश' पर कायम है। खास बात यह है कि इस बार बीजेपी का सारा प्रचार मोदी केन्द्रित और मोदी निर्भर ही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अब केवल अपनी ही गारंटियों, काबिलियत और दूरदर्शिता की तारीफ करते नहीं थकते। इसका मतदाता पर कैसा असर होगा, यह चुनाव नतीजों से पता चलेगा। बावजूद इन तमाम बातों के बीजेपी के घोषणा पत्र में यह सावधानी अंतर्निहित है कि सत्ता में लौटने पर कोई वादा उसे भारी न पड़ जाए। विकास की दिशा वही रहे, जो उसने तय कर रखी है। उधर कुछ क्षेत्रीय पार्टियों ने अपने चुनाव घोषणा पत्रों में ऐसी बातें भी शामिल की हैं, जो उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षों को परिलक्षित करती हैं। साथ में रेवड़ियां तो हैं ही। राष्ट्रीय जनता दल ने वादा किया है कि इंडिया गठबंधन के सत्ता में आने पर बिहार में 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और 1 लाख 60 हजार करोड़ का स्पेशल पैकेज दिया जाएगा।

माकपा ने भारत के परमाणु निरस्त्रीकरण का वादा भी किया है। विश्व शांति के आग्रह से उपजे इस वादे में देश को सैन्य शक्ति के मामले में 1962 वाले दौर में ले जाने का मंतव्य ज्यादा झलकता है। मजेदार बात यह है कि इंडिया गठबंधन में शामिल माकपा ने कुछ मुद्दों पर जैसे कि कश्मीर में धारा 370 हटाने के मुद्दे पर सहयोगी कांग्रेस को कुछ मुद्दों पर फ्रेंडलीघेरा'भी है।

एक समय था जब कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक दूसरे के राजनीतिक दुश्मन हुआ करते थे। वामपंथी इतिहासकार मृदुला मुखर्जी ने एक लेख में बताया था कि देश के पहले आम चुनाव में कांग्रेस का घोषणा पत्र इसी चिंता पर आधारित था कि कम्युनिस्टों से मुकाबला कैसे किया जाए। इसी तरह सपा के घोषणा पत्र में समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र में जाति जनगणना, सबको न्याय, फ्री शिक्षा,महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण, खाली पड़े सरकारी पदों पर भर्ती, किसान कर्जमाफी व रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने का वादा है। लिहाजा ये सभी सत्ता की लड़ाई स्वार्थ जनित शस्त्रास्त्रों से ही लड़ रहे हैं। मतदाता के सामने चुनौती यह है कि वह रेवडियों, हवाई वादो और जिंदगी से जुड़े मुद्दों के बीच किसको तरजीह दे। देश को, लोकतांत्रिक संस्थाओं को, धर्म या जाति को अथवा अपने हाथ और पेट को?

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-57)

गतांक से आगे...

खड़े रहते, चलते, जागते, सोते, निवास करते, बैठते, उठते तथा गिरते समय भी ये सभी कुछ असत् ही है; इस प्रकार का दृढ़ निश्चय रखो। दृश्य पदार्थों से आस्था का परित्याग कर दो; क्योंकि यदि दृश्य पदार्थ का आश्रय प्राप्त करते हो, तो चित्तमय होकर बन्धन में पड़ते हो तथा यदि दृश्य पदार्थ का पूरी तरह से त्याग करते हो, तो चित्त शून्यता के कारण मोक्ष प्राप्ति के अधिकारी बनते हो।

न मैं स्वयं हूँ और न ही यह संसार है, ऐसा चिन्तन करते हुए तुम पर्वत की भाँति अडिग होकर निवास करो। आत्मा एवं जगत् के मध्य द्रष्टा एवं दृश्य आदि इन दोनों स्थितियों के मध्य अपने आपको सदैव दर्शन स्वरूप आत्मा को ही मानते रहो। स्वादयुक्त पदार्थ एवं उस स्वाद युक्त पदार्थ के चखने वाले कर्ता से भिन्न और इन दोनों के बीच में केवल स्वाद का चिन्तन करते हुए परमात्मस्वरूप होकर प्रतिष्ठित हो जाओ। बीच- बीच में अवलम्बन रहित स्थिति का आश्रय प्राप्त करके एक स्थान पर स्थित हो जाओ।

रज्जु (रस्सी) से बँधे हुए लोग तो मुक्त हो जाते हैं, लेकिन तृष्णा से आबद्ध प्राणि-समूह किसी के द्वारा भी मोक्ष को प्राप्त नहीं कराये जा सकते। इसलिए हे पुत्र निदाघ ! तुम संकल्प का त्याग करते हुए तृष्णा को छोड़ने का प्रयास करो। अहंभाव से रहित इस बर्डी के द्वारा अहंभाव से युक्त, स्वभावत: प्रादुर्भूत हुई पापमयी इस तृष्णा को काटकर समस्त प्राणिवर्ग को उत्पन्न होने वाले भय से निर्भय होकर सौन्दर्ययुक्त परमार्थ लोक में भ्रमण करो।

मैं इन समस्त पदार्थों का हूँ और ये सभी मेरे जीवन हैं, इनके अभाव में मैं कुछ भी नहीं हूँ और न ही ये मेरे बिना कुछ हैं; अपने अन्तर्मन के द्वारा इस संकल्प को छोड़ दो।

क्रमश: ...

गांधी से पहले हुई थी बूढ़ी गांधी की हत्या

अभिनय आकाश

स्वाधीनता संग्राम का जिक्र आते ही हमारी नजरों के सामने जो चेहरे घूम जाते हैं उनमें महात्मा गांधी, गोपाल कृष्ण गोखले, रानी लक्ष्मीबाई, राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे कई वीरों के नाम सामने आ जाते हैं। लेकिन क्या हम और आप उन चेहरों और व्यक्तित्व के बारे में जानते हैं जिनका इस आजादी रूपी इमारत के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान रहा। जिस प्रकार किसी इमारत के स्तंभ का महत्व होता है कि वो उस इमारत को ऊंचाई देते हैं। लेकिन उस स्तंभ या फिर कहे पिलर्स को बनाने में रोड़ी, ईंट, सीमेंट आदि सामग्री प्रयोग में लाए जाते हैं लेकिन हमें नजर नहीं आते हैं। स्वतंत्रता दिलाने में बड़े बड़े नेताओं की गाथाएं तो आपने खूब सुनी और पढ़ी है।

लेकिन क्या आप स्वतंत्रता रूपी यज्ञ में अपनी आहुति देने वाले आजादी के गुमनाम दीवानों की कहानी जानते हैं।

1870 में मेदिनीपुर के तमलुक पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में स्थित होगला गांव के पेनुरी में मातंगिनी ने एक गरीब किसान के घर जन्म लिया। वह प्रारंभिक शिक्षा भी हासिल नहीं कर सकीं। घोर गरीबी ने उन्हें बालिका वधू और एक छोटे बेटे की मां बनने के लिए मजबूर कर दिया। मात्र 12 वर्ष की आयु में उनका 62 वर्ष के व्यक्ति से विवाह हो गया। जब वह 18 वर्ष की थी, विधवा और नि:संतान थी, तब वह अपने गाँव लौट आई। इसके बाद मायके आकर स्वतंत्रता के लिए कुछ कर गुजरने का उनका जज्बा जुनून बन गया। इसके बाद हाजरा ने अपने पैतृक गांव में अपना अलग प्रतिष्ठान बनाना शुरू किया और अपना अधिकांश समय अपने घर के आसपास बूढ़े और बीमार लोगों की मदद करने में बिताया। उस समय, उन्हें यह नहीं पता था कि उनका भविष्य उन्हें स्वतंत्रता संग्राम की एक गुमनाम महिला नायक के रूप में कैसे लिखेगा।

1905 में स्वतंत्रता संग्राम में मातंगिनी की सक्रिय रुचि बढ़ गई और उन्होंने किसी और से नहीं बल्कि गांधी से प्रेरणा ली। दस्तावेज़ों के अनुसार, मेदिनीपुर में स्वतंत्रता संग्राम की विशेषता महिलाओं की भारी भागीदारी थी। हालाँकि, उनके जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ 26 जनवरी, 1932 को आया। गाँव के लोगों ने तत्कालीन राजनीतिक परिदृश्य के बारे में जागरूकता जुलूस निकाला और हाजरा 62 साल की उम्र में समूह में शामिल हो गईं। तब से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 1933 में करबंदी आंदोलन को दबाने के लिए बंगाल के तत्कालीन गवर्नर एंडरसन तमलुक आए तो उनके विरोध में प्रदर्शन हुआ। वीरांगना मातंगिनी हाजरा सबसे आगे काला झंडा लिए डटी रहीं।

मातंगिनी को गांधी बुढ़ी के नाम से भी जाना जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि मातंगिनी हाजरा एक कट्टर गांधी अनुयायी थीं। वह स्वयं महात्मा से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुईं। उनकी तरह, उन्होंने सभी विदेशी वस्तुओं को अस्वीकार कर दिया और सूत काता। गांव में मानवीय कार्यों के लिए लोग अक्सर उन्हें याद करते थे।

ईरान-इस्राइल टकराव के बीच नेतन्याहू ने अभी नहीं खोले अपने पत्ते

ज्योति भास्कर

ईरान और इस्राइल के बीच सीधे सैन्य टकराव की शुरुआत ने ईरान के सशस्त्र बलों की तरफ एक बार फिर लोगों को ध्यान खींचा है। इस महीने की शुरुआत में, इस्राइल ने सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के राजनयिक परिसर में एक इमारत पर हमला किया, जिसमें ईरान के सात वरिष्ठ कमांडरों और सैन्य कर्मियों की मौत हो गई थी। उसी समय ईरान ने जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई थी। और लगभग दो सप्ताह बाद उसने बीते शनिवार को इस्राइल पर हवाई हमला कर दिया, जिसमें सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें शामिल थीं। इन हमलों का लक्ष्य इस्राइल के भीतरी और नियंत्रण वाले क्षेत्र को निशाना बनाना था। ऐसे में ईरान की सैन्य क्षमता का विश्लेषण प्रासंगिक है।

इस्राइली अधिकारियों ने कहा है कि ईरान के किसी भी हमले का हम पलटवार करेंगे। ईरान ने जिन मिसाइलों से इस्राइल पर हमला बोला, उनको तो इस्राइल ने कामयाबीपूर्वक झेल लिया। लेकिन, इसमें संदेह नहीं कि ईरान फिर हमला कर सकता है और यह अंतत: एक व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में तब्दील हो सकता है। ऐसी भी आशंका है कि इस संघर्ष में अमेरिका भी शामिल हो जाए, हालांकि वाशिंगटन ने स्पष्ट कहा है कि उसका दमिश्क हमले से कोई लेना-देना नहीं है।

विश्लेषकों का कहना है कि ईरान के विरोधी (मुख्यत: अमेरिका और इस्राइल) तेहरान के जटिल सैन्य तंत्र से उलझना नहीं चाहते हैं, इसलिए दशकों से वे ईरान पर सीधे हमला करने से बचते रहे हैं। हालांकि ईरान और इस्राइल लंबे समय से हवाई, समुद्री, जमीनी और साइबर हमलों के माध्यम से छद्म युद्ध में लगे हुए हैं। इस्राइल ने ईरान के भीतर सैन्य एवं परमाणु ठिकानों को गुप्त रूप से निशाना बनाया है और कमांडरों एवं वैज्ञानिकों को मारा है। नेवल पोस्ट ग्रेजुएट स्कूल में राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के एसोसिएट प्रोफेसर और ईरानी सेना के विशेषज्ञ अफशोन ओस्तोवर ने बताया कि ईरान पर हमला नहीं करने का कारण यह नहीं है कि उसके विरोधी उससे डरते हैं, बल्कि उन्हें पता है कि ईरान के खिलाफ कोई भी युद्ध बेहद गंभीर होगा।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज द्वारा पिछले साल किए गए आकलन के मुताबिक, ईरानी सशस्त्र बल पश्चिम एशिया में सबसे बड़ा है, जिसमें 5,80,000 सक्रिय जवान हैं और पारंपरिक एवं इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर में विभाजित करीब दो लाख प्रशिक्षित जवान सुरक्षित रखे गए हैं। सेना और गार्ड दोनों अलग हैं तथा जमीन, वायु एवं समुद्र में सक्रिय हैं। गार्ड ईरान की सीमा सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन वे कुद्स बल का भी संचालन करते हैं, जो पूरे पश्चिम एशिया में छद्म लड़ाकू गुटों के नेटवर्क को हथियार, प्रशिक्षण एवं समर्थन देने वाली विशिष्ट इकाई है। इन लड़ाकू गुटों में लेबनान के हिजबुल्ला, यमन का हूती, सीरिया, इराक के विद्रोही, हमास और गाजा के फलस्तीन इस्लामी जिहाद शामिल हैं। भले ही छद्म लड़ाकू गुटों को ईरान की सेना में नहीं गिना जाता, पर विश्लेषक कहते हैं कि उन्हें क्षेत्रीय सहयोगी बल माना जाता है, जो हमेशा लड़ाई के लिए तैयार, भारी हथियारों से लैस और वैचारिक रूप से ईरान के प्रति वफादार हैं, जो उसकी तरफ से लड़ने के लिए आ सकते हैं। खासकर हिजबुल्ला को ईरान की सैन्य क्षमता का हिस्सा माना जाता है, जिसका ईरान के साथ करीबी रणनीतिक रिश्ता है।

सटीक और लंबी दूरी की मिसाइलों, ड्रोन एवं हवा रक्षा के विकास पर जोर देते हुए दशकों से ईरान की रणनीति अवरोध पर आधारित रही है। इसने स्पीडबोट और कुछ छोटी पनडुब्बियों का बेड़ा तैयार किया है, जो फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक पोतों और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बाधित करने में सक्षम है। ओस्तोवर कहते हैं कि ईरान के पास पश्चिम एशिया में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का विशाल भंडार है। इसमें 2,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ ही क्रूज मिसाइलें एवं एंटी-शिप मिसाइलें भी हैं। वह इस्राइल सहित पश्चिम एशिया के किसी भी देश को निशाना बना सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, हाल के वर्षों में तेहरान ने लगभग 1,200 से 1,550 मील की दूरी तक मार करने और रडार से बचने में सक्षम ड्रोन का बेड़ा किया तैयार है। ईरान ने अपनी मिसाइलों एवं ड्रोन को छिपाया नहीं है, बल्कि सैन्य परेडों में प्रदर्शित किया है, क्योंकि वह ड्रोन का बड़ा निर्यातक बनना चाहता है। ईरान के ड्रोन का इस्तेमाल रूस यूक्रेन में कर रहा है और सूडानी संघर्ष में भी इसे देखा गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ईरान के हथियार ठिकाने और भंडारण सुविधाएं व्यापक रूप से फैली हुई हैं और उन्हें हवाई हमलों से नष्ट करना मुश्किल है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते ईरान टैंक और लड़ाकू जेट जैसे उच्च तकनीक वाले हथियारों और विदेशी सैन्य उपकरणों का आयात नहीं कर सकता है। 1980 के दशक में इराक के साथ आठ साल चले युद्ध के दौरान कुछ ही देशों ने ईरान को हथियार बेचने की इच्छा जताई थी। युद्ध खत्म होने के एक साल बाद 1989 में जब अयातुल्ला अली खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता बने, उन्होंने घरेलू हथियारों का उद्योग खड़ा करने के लिए काफी संसाधन खर्च किया। वह ईरान को आश्वस्त करना चाहते थे कि उसे अपनी रक्षा जरूरतों के लिए विदेशी शक्तियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। आज ईरान घरेलू स्तर पर बड़ी मात्रा में मिसाइलों और ड्रोनों का निर्माण करता है और उसने रक्षा उत्पादन को प्राथमिकता दी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि उपकरणों, सामंजस्य, अनुभव एवं सैन्यकर्मियों की गुणवत्ता के मामले में ईरान की सेना को क्षेत्र में मजबूत माना जाता है, पर अमेरिका, इस्राइल और यूरोपीय देशों की सेना से वह काफी पीछे है। ईरान की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी वायु सेना है। ईरान के ज्यादातर विमान पुराने हैं और उनमें से कई जरूरी कल-पुर्जों के अभाव में निष्क्रिय हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि 1990 के दशक में उसने रूस से एक छोटा बेड़ा भी खरीदा था। ईरान के टैंक और बख्तरबंद वाहन पुराने हैं, और देश में केवल कुछ बड़े नौसैनिक जहाज हैं। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की हत्याओं से ईरान के क्षेत्रीय अभियानों पर असर पड़ना लाजिमी है, क्योंकि उन्हें वर्षों का अनुभव था और सहयोगी लड़ाकू गुटों के प्रमुखों से उनके रिश्ते थे। लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक, ईरान के सशस्त्र बलों को कमांड करने की शृंखला बरकरार है।

आज का इतिहास

1945 द्वितीय विश्व युद्ध-लगभग एक मिलियन सोवियत सैनिकों ने गेट्स ऑफ बर्लिन के खिलाफ सेलो हाइट्स की लड़ाई शुरू की।
1947 अमेरिकी फाइनेंसर और राष्ट्रपति के सलाहकार बर्नार्ड बरुचफर्स्ट ने सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के तनावों को शीत युद्ध के रूप में वर्णित किया।
1955 शेक्सपियर के रिचर्ड तृतीय के सर लॉरेंस ओलिवियर की फिल्म संस्करण, ब्रिटेन में जारी की गयी।
1963 मार्टिन लूथर किंग, जूनियर ने चार दिन पहले श्वेत पादरी द्वारा लिखे गए एक खुले पत्र के जवाब में बर्मिंघम जेलिन से अपना पत्र लिखा था।
1970 यूरोपीय देश फ्रांस में बर्फीले तूफान से 70 लोगों की मौत।
1980 अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1989 1st सीनियर्स गोल्फ ट्रेडिशन वर्ष 1989 में आयोजित किया गया था। इसे डॉन बाइज़ ने जीता था।
1989 कोस्टो रिका ने टूर्नामेंट जीतने के लिए फुटबॉल विश्व कप के आरडी दौर में यूएस को हरा दिया।
1990 पियानो लेसन को न्यूयॉर्क शहर के वाल्टर केर टागेट्रे में खोला गया था। यह 20 दिनों तक हाउसफुल चला।
1990 19 वीं बोस्टन महिला मैराथन को रोजा मोटा द्वारा जीता गया था। वह पुर्तगाल से है। उसने 2 घंटे 25 मिनट और 30 सेकंड में मैराथन पूरी की।
1990 94 वें बोस्टन मैराथन को इटली के गेलिंडो बोर्डिन ने जीता था। उन्होंने 2 घंटे 8 मिनट 19 सेकंड में दौड़ पूरी की।
1992 अफगानिस्तान के राष्ट्रपति नजीबुल्लाह ने इस्तीफा दिया।
1992 मेट्रो न्यूयॉर्क शहर के मिन्स्कॉफ़ थियेटर में रिलीज़ हुई थी। यह 13 दिनों तक हाउसफुल चला।
1992 न्यूयॉर्क रेंजर्स ने 50 खेलों में रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की।
1994 फिनलैंड के मतदाताओं एक जनमत संग्रह में यूरोपीय संघ में शामिल होने का निर्णय लिया।
1994 हैरी कॉर्निक जूनियर मैरिड जिल कूडारे। हैरी एक गायक है और जिल एक मॉडल है।
1999 न्यू माइक्रोव नामक सबसे बड़े आकार के जीवाणु का अमेरिका में पता चला।
2002 दक्षिण कोरिया में विमान दुर्घटना में 120 मरे।

भाजपा की एकला चलो रणनीति से तीन और राज्यों में कामयाबी

अजय सेतिया

भारतीय जनता पार्टी ने 2014 में पहली बार तमिलनाडु, हरियाणा और बिहार में अकेले चुनाव लड़ा था। उससे पहले इन तीनों ही राज्यों में गठबंधन के साथ चुनाव लड़ा करती थी। बिहार में वह जेडीयू की जूनियर पार्टनर थी, हरियाणा में ओम प्रकाश चौटाला की इंडियन नेशनल लोकदल की जूनियर पार्टनर थी और तमिलनाडु में कभी अन्नाद्रमुक और कभी द्रमुक की जूनियर पार्टनर बन कर चुनाव लडती थी।

2014 में भाजपा ने ओम प्रकाश चौटाला की इनलो से गठबंधन तोड़ कर हरियाणा जनहित कांग्रेस के साथ मिल कर लोकसभा चुनाव लड़ा था। जिससे भाजपा तो दस में से सात सीटें जीत गई, लेकिन इनलो दो सीटों पर रूक गई। 2019 में भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ा और सभी 10 सीटें जीत गईं। बिहार में भाजपा ने 2014 में जेडीयू के बिना अकेले चुनाव लड़कर 22 सीटें जीती थीं। लेकिन 2017 में जेडीयू दुबारा भाजपा के साथ आ गया तो गठबंधन के कारण भाजपा 1। सीटों पर चुनाव लड़ी और सभी 1। जीती। 2009 तक भाजपा उड़ीसा में भी बीजू जनता दल की जूनियर पार्टनर थी। 2009 में उड़ीसा में भाजपा पहली बार अकेले चुनाव लड़ी थी, तब से वह अपनी ताकत बढ़ाती रही है। पिछले लोकसभा चुनावों में बीजू जनता दल को 21 में से 12 और भाजपा को 8 सीटें मिलीं थी। इस बार उसके बीजू जनता दल से आगे निकल जाने के पूरे आसार लग रहे हैं।

भाजपा हरियाणा जैसा प्रयोग इस बार तमिलनाडु और पंजाब में भी दोहरा रही है। ये दोनों ही ऐसे अहिन्दी भाषी राज्य हैं, जहां भाजपा के पांव कभी नहीं जमे। तमिलनाडु में तो भाजपा पहले भी एक बार 2014 में अकेले चुनाव लड़ चुकी है, लेकिन पंजाब में लंबे समय से अकाली दल के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही थी।

पंजाब में भाजपा 1998 तक किसी चुनाव में कोई सीट हासिल नहीं कर सकी थी। 1998 में पहली बार अकाली दल के साथ गठबंधन में अमृतसर, गुरदासपुर और होशियारपुर सीटें जीती, जबकि आठ सीटें अकाली दल और एक सीट जनता दल जीती थी। 1999 में जब वाजपेयी ने दूसरी बार केंद्र में सरकार बनाई, भाजपा की सीट पंजाब में तीन से घट कर एक रह गई थी। 2004 में जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी, तो भाजपा पंजाब में फिर तीन सीटें जीत गई। 2009 में सिर्फ एक सीट जीती, जबकि 2014 और 2019 में दो-दो सीटें ही जीती। भाजपा का अकाली दल के साथ लोकसभा की तीन और विधानसभा की 23 सीटों पर गठबंधन हुआ था। जिस कारण भाजपा उन्हीं सीटों पर सिमट कर रह गई थी। इस बार पहली बार भाजपा अकेले चुनाव लड़ रही है, तो उसने अब तक छह उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। भाजपा और अकाली दल के अलग अलग लड़ने तथा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के भी अलग अलग लड़ने से पंजाब का चुनाव चौकोना हो गया है।

जिस आम आदमी पार्टी ने 2022 के विधानसभा चुनाव में रिकार्ड सीटें जीती थीं, उसे पंजाब में उम्मीदवार तक नहीं मिल रहे। आम आदमी पार्टी ने अपने पांच मंत्रियों को चुनाव मैदान में उतार दिया है। कांग्रेस भी अपने पांच विधायकों को चुनाव लड़ाने का मन बना चुकी है। देश के बाकी हिस्सों की तरह पंजाब में भी बड़े पैमाने पर दलबदल हो रहा है। आम आदमी पार्टी का जालन्धर का एक उम्मीदवार भाजपा में शामिल हो गया है। आम आदमी पार्टी के पूर्व सांसद धर्मवीर गांधी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। आम आदमी पार्टी और

भाजपा दोनों कांग्रेसियों को अपनी पार्टी में शामिल करवा कर उन्हें उम्मीदवार बना रही है। भाजपा ने जालन्धर में आम आदमी पार्टी के सांसद को टिकट दिया है, तो पटियाला और लुधियाना में कांग्रेस के सांसद को टिकट दिया है। ये तीनों सीटें ऐसी हैं, जहां भाजपा कभी नहीं जीती। इसके अलावा अमृतसर, गुरदासपुर और होशियारपुर भाजपा की जीतने वाली सीटें हैं। फरीदकोट में भाजपा ने अपने दिल्ली के सांसद हंस राज हंस को मैदान में उतारा है। नरेंद्र मोदी के चेहरे और चौकोने मुकाबले में भाजपा 13 में से छह सात सीटें आसानी से जीत सकती है।

इसी तरह तमिलनाडु में भाजपा 2014 को छोड़कर पिछले 25 साल से द्रमुक या अन्ना द्रमुक के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती रही है। 1999 में जब सोनिया गांधी ने जयललिता के साथ सांठगांठ करके एक वोट से वाजपेयी सरकार गिराई थी, तो कांग्रेस ने अन्ना द्रमुक के साथ मिल कर चुनाव लड़ा था। क्योंकि अन्ना द्रमुक कांग्रेस के साथ चली गई तो उसकी प्रतिद्वन्दी द्रमुक भाजपा के साथ आ गई थी। वाजपेयी की सरकार गिराने के कारण तमिलनाडु में जयललिता के खिलाफ जबर्दस्त गुस्सा था, जिसका भाजपा के साथ साथ द्रमुक को भी फायदा हुआ। भाजपा नीलगिरी, कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, नागरकोईल चार सीटें जीत गई थी, दो सीटों पर भाजपा दूसरे नंबर पर रही। इनमें एक सीट शिवगंगा कांग्रेस से 23 हजार वोट से हारी थी, और दूसरी सीट तेनकाशी अन्नाद्रमुक से सिर्फ 883 वोटों से हारी थी।

करीब पांच साल द्रमुक वाजपेयी सरकार में भाजपा के साथ एनडीए में रही। 2004 के चुनावों से पहले द्रमुक भाजपा का साथ छोड़ गई, तो अन्नाद्रमुक साथ आ गई। यह आश्चर्यजनक चुनाव था, जिसमें द्रमुक 16 और कांग्रेस दस सीटें जीत गई थी। अन्नाद्रमुक के साथ भाजपा को भी कुछ नहीं मिला।

2009 में भी यही गठबंधन रहा। अन्नाद्रमुक तो 39 में से 12 सीटें जीत गई थी, लेकिन भाजपा एक भी सीट नहीं जीत पाई। 2014 में वह टर्निंग प्वाईंट आया, जब देश में मोदी लहर चल रही थी, भाजपा ने द्रमुक या अन्ना द्रमुक के साथ गठबंधन नहीं किया था। भाजपा ने छोटे छोटे सात दलों के साथ मिल कर अपना मोर्चा बनाया और तीसरी ताकत के रूप में उभरने की कोशिश की। वह कन्याकुमारी की एक सीट जीत गई, उसके सहयोगी पीएमके ने भी एक सीट जीती। भाजपा के गठबंधन को 18.80 प्रतिशत वोट मिले, बाकी सारी 37 सीटें अन्नाद्रमुक जीत गई। इसका कारण था यूपीए सरकार में द्रमुक के मंत्रियों का अंधाधुंध भ्रष्टाचार। जिसमें ए. राजा और कनिमोई को जेल जाना पड़ा था और जिसके बाद द्रमुक और कांग्रेस का गठबंधन भी टूट गया था। ये दोनों भी अलग अलग लड़े थे, भाजपा तो एक सीट जीत गई थी, लेकिन कांग्रेस 39 सीटें लड़ कर एक भी नहीं जीत पाई थी। 2019 में द्रमुक कांग्रेस का फिर गठबंधन हुआ, द्रमुक 20 और कांग्रेस 8 सीटें जीती। भाजपा अन्ना द्रमुक के साथ गठबंधन में थी, जिसमें उसने 5 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन 2014 में जीती हुई एक सीट भी हार गई। अन्नाद्रमुक भी सिर्फ एक सीट जीत पाई। 2021 के विधानसभा चुनाव में चार सीटें जीतने के बाद भाजपा ने 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का मन बना लिया था। भाजपा को अन्नामलाई जैसा जुझारू नेता मिल गया, जिसने प्रदेश भर में यात्राएं कर के भाजपा को अन्नाद्रमुक के विकल्प के रूप में खड़ा करना शुरू कर दिया था। तमिलनाडु में अन्नामलाई की लोकप्रियता वैसी ही हो गई है, जैसी यूपी में योगी आदित्यनाथ की। उन्हें लोग तमिलनाडु का मोदी भी कह रहे हैं। अन्नामलाई ने गैर द्रविड़ वोटरों को एकजुट करने का अद्भुत काम किया है, बिलकुल वैसे ही जैसे 2014 में भाजपा ने गैर जाट जातियों को एकजुट करके हरियाणा का चुनाव जीता था। जब अन्नाद्रमुक को भी यह महसूस हो गया कि भाजपा उसका स्थान लेने की कोशिश कर रही है, तो उसने फरवरी में भाजपा से नाता तोड़ लिया। भाजपा लोकसभा का यह चुनाव 2014 वाली रणनीति पर लड़ रही है, उसने छोटी छोटी पार्टियों के साथ मिलकर तीसरा मोर्चा बनाया है। अन्नामलाई की दिन रात की मेहनत ने चुनाव पूर्व के सर्वेक्षणों में भाजपा को दूसरे नंबर पर ला कर खड़ा कर दिया है। भाजपा छह से आठ सीटों पर मुकाबले में आ गई है, सर्वेक्षणों में उसका वोट भी अन्नाद्रमुक से ज्यादा बताया जा रहा है। अगर भाजपा 1999 वाला आंकडा भी छू लेती है, यानी किसी घोर द्रविड़वादी दल के साथ गठबंधन किए भाजपा अगर 4 या पांच सीटें जीत लेती है, तो दक्षिण में भाजपा की सीटें कांग्रेस से ज्यादा हो जाएँगी।

नाटो का मुख्य मकसद सदस्य देशों की सुरक्षा-स्वतंत्रता को सहेजना

केएस तोमर

अपनी स्थापना की 75वीं वर्षगांठ पर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के समक्ष यूरोप के कुछ देशों द्वारा गंभीर आलोचना और दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी आंदोलनों के प्रसार से निपटने की प्रमुख चुनौती है। इसलिए नाटो को 21वीं सदी में प्रासंगिक बने रहने के लिए सतर्क और संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी आक्रामकता से निपटने के लिए इस संगठन में शामिल होने के अमेरिकी प्रस्ताव को भारत पहले ही ठुकरा चुका है, क्योंकि भारत ऐसी किसी भी परिस्थिति का सामना करने में खुद सक्षम है। इसलिए उसे नाटो की सहायता की जरूरत नहीं है। अगर भारत नाटो का हिस्सा बनता है, तो उसे अमेरिका को सैन्य अड्डा स्थापित करने की मंजूरी देनी होगी, जो अस्वीकार्य है। ऑस्ट्रेलिया, इस्राइल, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे अमेरिकी सहयोगियों ने सैन्य अड्डे स्थापित करने की अनुमति दे दी है, लेकिन भारत अपनी संप्रभुता का उल्लंघन करने और वैश्विक जगत में अपनी स्थिति को कमजोर करने की अनुमति नहीं दे सकता है। भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए रूस के साथ वर्षों पुराने भरोसेमंद रिश्तों को खराब नहीं करेगा, जिसकी अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ यूक्रेन युद्ध के बाद संघर्ष जैसी स्थिति है। दरअसल अमेरिका की संसदीय समिति ने सिफारिश की थी कि चीन से सीमाओं की रक्षा करने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी आक्रामकता का सामना करने के लिए नाटो को मजबूत करना चाहिए। नाटो में 32 सदस्य देश हैं। इसके अलावा पांच देश-जापान, न्यूजीलैंड, इस्राइल, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया भी इससे जुड़े हैं। इन सभी देशों को आपसी भरोसा और बेहतर सहयोग के लिए अपनी रक्षा क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाना चाहिए। दूसरा, नाटो की सैन्य क्षमता को अमेरिकी हथियार और औजार की तरह देखा जाता है, जिसका इस्तेमाल वह राष्ट्रों पर अपना प्रभुत्व जमाने के लिए करता है, भले ही उन देशों के ऊपर कोई सैन्य संकट न भी हो। दरअसल नाटो की स्थापना के इन 75 वर्षों में अमेरिकी सर्वोच्चता की धारणा को दूर करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इस दौरान नाटो ने दुनिया भर में करीब 200 सैन्य हस्तक्षेप किए हैं, जिससे उसकी विश्वसनीयता खतरे में है। इनमें से बीस ऐसे मामले रहे, जिनके परिणाम संदिग्ध रहे, जैसे अफगानिस्तान में आतंकवाद का मुकाबला, सीरिया में गैर-कानूनी हस्तक्षेप, इराक पर आक्रमण, यूगोस्लाविया पर बमबारी, लीबिया को बर्बाद करना और आईएसआईएस का निर्माण। तीसरा, नाटो के महासचिव लेंस स्टोलनबर्ग ने यूक्रेन को पांच वर्ष तक सैन्य सहायता देने के लिए 100 अरब डॉलर के सहायता पैकेज का प्रस्ताव रखा। आशंका है कि यदि 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप जीतते हैं, तो वे इस सहायता को रोक सकते हैं, क्योंकि वह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वह अपने देश को इस तरह के संघर्षों से दूर रखना चाहते हैं।

डेमोक्रेसी का ऑटोक्रेसी मॉडल है लोगों की पहली पसंद

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिकी थिंक टेंक प्यू रिसर्च की लोकतांत्रिक देशों को लेकर हालिया रिपोर्ट हमारे देष के संदर्भ में इस मायने में चौकाने वाली है कि देशवासियों को डेमोक्रेसी का ऑटोक्रेसी मॉडल अधिक लुभा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार देश की लोकतांत्रिक सरकार की कार्य व्यवस्था को लेकर स्वीडन के बाद दूसरे नंबर पर भारत के लोग संतुष्ट है। स्वीडन में जहां 75 फीसदी लोग वहां लोकतांत्रिक सरकार के काम करने के तौर तरीके से संतुष्ट हैं वहीं भारत में 72 प्रतिशत लोग लोकतांत्रिक सरकार के काम करने के तौरतरीकों को पसंद करते हैं। इस साल दुनिया के करीब 50 देशों में चुनाव होने जा रहे हैं। इस मायने में प्यू द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर 24 देशों में किया गया सर्वे अपना खास महत्व रखता है। मजे की बात यह है कि सर्वे में शामिल देषों में केवल 33 फीसदी अमेरिकी ही वहां की लोकतांत्रिक सरकार के कार्य करने की व्यवस्था को लेकर संतुष्ट है। खैर यह तो अलग बात हुई पर सबसे चौकाने वाला तथ्य यह है कि वैसे तो दुनिया के अधिकांश देशों की आमजनता बोल्ड निर्णय करने वाले नेता को अधिक पसंद करने लगी है। पर हमारे देश के संदर्भ में महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि 2017 में जहां 55 प्रतिशत देशवासी ऑटोक्रेसी को पसंद करते थे उसका ग्राफ तेजी से बढ़ा है और आज 67 प्रतिशत लोगों को ऑटोक्रेसी या यों कहें कि अधिनायकवादी नेता पर अधिक विश्वास है। ऑटोक्रेसी पर विश्वास बढ़ने वाले देशों में भारत के अलावा केन्या, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, पॉलेण्ड सहित कई देश हैं। सर्वे में शामिल 24 में से 8 देशों में ऑटोक्रेसी के प्रति रुझान बढ़ा है।

दरअसल लोग निर्णय करने वाले नेता को पसंद करते हैं। कुछ करने का जज्बा ही देशवासी नेता में खोजते हैं। विपक्ष के लाख आरोप प्रत्यारोप, एकजुटता के बावजूद नरेन्द्र मोदी पिछले दो चुनावों में लगातार जनता की पसंद बने रहे और 2024 का चुनाव भी लगभग उसी दिशा में बढ़ता लग रहा है। विपक्षी दल मुद्दे बनाने के प्रयास करते हैं पर वहीं मुद्दे सेल्फ गोल में परिवर्तित होने लगते हैं। हालिया इलेक्शन बॉन्ड को लेकर जिस तरह से बीजेपी को घेरने का प्रयास किया गया वह अभी तक तो सिरे नहीं चढ़ता नहीं नजर आ रहा हैं पर समझने वाली एक महत्वपूर्ण बात यह हो जाती है कि चंदा देने वाले कौन हैं? साफ है पैसे

वाले अमीर लोग। इलेक्शन बॉण्ड में पैसा तो अमीर लोगों से आ रहा है और उनका प्रतिशत इतना नहीं है कि वह चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सके। ठीक इसके विपरीत सत्तारुढ़ दल को गरीब आम मतदाताओं का समर्थन प्राप्त है। यानी कि इलेक्षन बॉड को लाख मुद्दा बनाने के बावजूद नरेन्द्र मोदी या बीजेपी आम मतदाता को अपने पक्ष में साधने में पूरी तरह सफल रही है। दूसरा यह कि कोई भी पार्टी हो उसके अधिकांश टिकट पैसे वाले लोगों को ही मिलते हैं। जहां तक लोकतंत्र के ऑटोक्रेसी मॉडल की बात है आज नरेन्द्र मोदी पर यह आरोप खुले आम विपक्ष लगाता आ रहा है। पर विगत के पन्ने खोले तो नरेन्द्र मोदी का गुजरात मॉडल ही उन्हें केन्द्र की सत्ता दिलाने में सहायक रहा है। दरअसल देश को हमेशा सख्त मिजाज मजबूत नेता की आवश्यकता महसूस होती रही हैं। किसी भी दल से सख्त मिजाज नेता सामने आया है तो आमजन ने उसे हाथों हाथ लिया है। नेहरु को उस समय के संदर्भ में लोगों द्वारा महत्व दिया गया तो नेहरु के बाद लाल बहादुर शास्त्री को ईमानदार और दबंग नेता के रुप में आज भी याद किया जाता है। जय जवान जय किसान जो आज एक कदम आगे बढ़कर जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान हो गया है। 1971 की भारत पाक लडाई और बांग्लादेश के गठन के चलते इंदिरा जी को देशवासियों ने सिर चढ़ाया। यह विवाद का विषय हो सकता है पर आपातकाल के दौरान जिस तरह से अनुशासन का पाठ पढ़ाया गया या जनसंख्या नियंत्रण सहित कदम उठाये गये उसके प्रशंसक आज भी मिल जाएंगे।

प्यू की रिपोर्ट में ऑटोक्रेसी को पसंद करने वाले लोगों की 12 प्रतिशत बढ़ोतरी से साफ समझ में आ जाना चाहिए कि लोग परिणाम पर नहीं जाते, आलोचना प्रत्यालोचना को भी खारिज कर देते हैं जब कोई निर्णय लेने में हिचकता नहीं है। नरेन्द्र मोदी के यही बात पक्ष में जाती है कि नरेन्द्र मोदी पर विपक्ष तानाशाही, जुमलेवाज, झूठी बात कहना या ना जाने कितने आरोप लगाते हैं पर 2014 और 2019 के चुनाव परिणाम तो विपक्ष के आरोपों को सिरे से नकार रहे हैं। 370, राम मंदिर, तीन तलाक, पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक जैसे बोल्ड निर्णय और विदेशी नेताओं के बीच बॉस की भूमिका को देशवासी अपना गौरव समझने लगे हैं। दरअसल इस तरह के अनेक उदाहरण मिल जाएंगे। यही कारण है कि यह चुनाव भी मोदी बनाम विपक्ष के बीच लड़ा जा रहा है। लोकसभा के पिछले दो चुनाव भी मोदी के नाम से ही लड़े गये और जनता ने एब्सोल्यूट मेजोरिटी देकर सब कुछ साफ कर दिया। हालिया पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव भी बीजेपी क्षेत्रीय क्षत्रपों के स्थान पर मोदी की गॉरंटी के नाम से लड़े गये और परिणाम सामने हैं। दरअसल डेमोक्रेसी के नए रुप ऑटोक्रेसी में एक ही चेहरा-एक ही नाम पर लड़ा जाता है। 18 वीं लोकसभा के हो रहे चुनावों में भी यही हालात है। कहने को भले ही यह कहा जा रहा है कि 2024 के चुनाव की दशा और दिशा नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, शरद पवार, एमके स्टालिन, तेजस्वी यादव, असदुद्दीन औवेसी तय करने वाले हैं पर जमीनी हकीकत तो यह है कि 2024 का चुनाव एक ही चेहरा-एक ही नाम नरेन्द्र मोदी की इर्दगिर्द है। नरेन्द्र मोदी बनाम समूचा विपक्ष चुनाव आकार ले चुका है। चुनाव का विगुल बज चुका है। दो चरणों के लिए नामांकन भी पूरा हो चुका हैं वहीं तीसरे चरण के चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। पहले चरण की 102 लोकसभा सीटों के मतदान की तिथि भी नजदीक आ गई है। अब यह तो भविष्य के गर्व में छिपा है कि जनता किसे सत्ता की चाबी देती हैं पर यह साफ है कि जनता डेमोक्रेसी के ऑटोक्रेसी मॉडल को ही पसंद करती है। अब राजनीतिक दलों को यह समझ लेना होगा कि आमजन को मुखर और निर्णय लेने की क्षमता वाला नेता चाहिए और सत्ता में आना है तो आमजन तक यह संदेश जाना जरुरी है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोगों ने ऑटोक्रेसी यानी कि अधिनायक वाद को नहीं अपितु लोकतंत्र के अधिनायकवादी मॉडल को पसंद किया है। देश के 72 प्रतिशत लोगों को लोकतांत्रिक सरकार के कार्य करने के तरीकों को पसद करना और साथ ही एक ही चेहरा-एक ही नाम को पसंद करना डेमोक्रेसी का ऑटोक्रेसी मॉडल है।

राजीव चंद्रशेखर-राजनीति में सबसे चुनौतीपूर्ण टक्कर

आदिति फडणीस

भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर पहली बार लोक सभा का चुनाव लड़ रहे हैं। यह उनके जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण लड़ाई हो सकती है। वह हारें या जीतें, सच तो यह है कि तिरुवनंतपुरम शायद ऐसी रोचक चुनावी लड़ाई फिर कभी नहीं देख पाएगा। एक तकनीकी विशेषज्ञ, जो सिलिकन वैली में एक व्यापक साम्राज्य खड़ा कर सकता था, से एक जन सेवक बनने तक की राजीव चंद्रशेखर की यात्रा काफी लंबी और उतार-चढ़ाव वाली रही है। वह अपने को एक फौजी की संतान बताते हैं जिसका जन्म अहमदाबाद में हुआ और जो देश के कई अलग-अलग छावनी इलाकों में पला-बढ़ा- लद्दाख, जोरहाट और दिल्ली।

उनके पिता एयर कमोडोर एमके चंद्रशेखर का भारतीय वायु सेना में बहुत सम्मान था। सशस्त्र बलों के साथ शुरुआती संपर्क ने ही चंद्रशेखर को सशस्त्र बलों की संस्कृति का एक समर्पित भक्त बना दिया: वह लगातार रक्षा सेवाओं की लड़ाई लड़ते रहे हैं, चाहे वह वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) को लेकर पूर्व रक्षा मंत्री दिवंगत मनोहर परिंकर के साथ गहन चर्चा करनी हो या मेडिकल कोर में कार्यरत नर्सिंग कर्मचारियों के लिए बेहतर सुविधाओं जैसी मामूली बात हो। उनके प्रयासों की बदौलत ही 1940 के विंटेज डकोटा डीसी-3 विमान (ब्रिटेन में स्क्रैपहीप के लिए बनाया गया एक प्रसिद्ध परिवहन विमान) को फिर से खरीदकर उड़ने लायक बनाया गया और साल 2018 में उसे भारतीय वायु सेना को उपहार में दिया गया। चंद्रशेखर ने कहा कि वह इस तथ्य को पचा नहीं सकते थे कि एक ऐसा विमान जिसने बांग्लादेश की मुक्ति की लड़ाई के दौरान इतने अच्छे तरीके से देश की सेवा की थी, उसे कबाड़ में बेचा जाए- इनमें से एक विमान आज बांग्लादेश युद्ध संग्रहालय की बेशकीमती संपत्ति है जिसे मुक्ति योद्धाओं की स्मृति में रखा गया है।

अगर चंद्रशेखर अपने पिता के सशस्त्र सेना वाले नक्शे कदम पर चलते तो उनका जीवन काफी अलग होता। इसकी जगह उन्होंने मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना पसंद किया

और साल 1984 में स्नातकोत्तर डिग्री के लिए अमेरिका चले गए। उन्होंने सिर्फ नौ महीने में अपनी डिग्री पूरी कर ली और तभी उन पर विनोद धाम की नजर पड़ी, जो तब इतने प्रसिद्ध नहीं थे जैसे कि आज हैं। उनका कहना है कि यह धाम का ही प्रभाव था जो उन्हें इंटेल तक ले गया, जहां वह उन तीन इंजीनियरों में से एक बन गए जो सीपीयू आर्किटेक्ट थे और अगली पीढ़ी को चिप्स पर काम कर रहे थे। तो अब तक निर्मित प्रत्येक इंटेल 486 प्रोसेसर में चंद्रशेखर और इस परियोजना पर काम करने वाले तीस अन्य इंजीनियरों के नाम का प्रारंभिक अक्षर दर्ज है।

अमेरिका में उनकी मुलाकात अंजू से हुई, जो एमबीए की पढ़ाई कर रही थीं और बाद में उनकी पत्नी बनीं। अंजू केरल के सबसे प्रसिद्ध और सम्मानित उद्यमियों में से एक टीपी गोपालन नांबियार की बेटी हैं जो टीपीजी के नाम से प्रसिद्ध थे। नांबियार ने 1963 में पलक्कड़ में काम शुरू किया और प्रतिरक्षा बलों के लिए पैनल मीटर बनाने लगे, लेकिन बाद में वह अपना कारोबार बचाए रखने के लिए बेंगलूरु चले गए, क्योंकि उस समय केरल में माहौल उद्योगों के प्रतिकूल हो गया था। उन्होंने अपने काम का विस्तार किया और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार सहित कई नए व्यवसायों में चले गए- बीपीएल कम्युनिकेशंस, बीपीएल मोबाइल कम्युनिकेशंस और बीपीएल सेल्युलर की होल्डिंग कंपनी, जो भारत लौट चुके उनके दामाद चंद्रशेखर चला रहे थे। ये कारोबार भारत में संचार व्यवस्था में आमूल बदलाव लाने की राजीव गांधी की योजना से प्रेरित थे।

साल 1991 में वह उन उद्यमियों में शामिल रहे जिन्होंने सेल्युलर लाइसेंस के लिए बोली लगाई। साल 2001 तक बीपीएल मोबाइल भारत की सबसे बड़ी सेल्युलर ऑपरेटर बन गई। उसके बाद उन्होंने अपनी कंपनी की एक कंसोर्टियम में विलय का एक सौदा करने की कोशिश की, लेकिन इस पर अमल नहीं हो पाया। इसके बाद जीएसएम-सीडीएम की जंग उनके लिए दूसरा झटका थी। तो एक तरह से चंद्रशेखर को एक ऐसे कारोबार में पहले उतरने की कीमत चुकानी पड़ी जो जोखिमपूर्ण था। उनके ससुर और उनके बीच वैचारिक मतभेद हो गए, जिसे बाद में उन्होंने सुलझा लिया। लेकिन कारोबार को एक अघोषित रकम में बेच दिया गया। चंद्रशेखर साल 2005 में बीपीएल मोबाइल से बाहर हो गए और उसी साल उन्होंने 10 करोड़ डॉलर रकम के साथ एक निवेश फर्म जूपिटर कैपिटल की शुरुआत की। लेकिन चंद्रशेखर अब कारोबार में राजनीति के महत्व को समझ चुके थे। साल 2006 में वह स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए जिसके बाद साल 2012 में उन्हें एक और कार्यकाल के लिए जीत मिली। इस बीच वह भाजपा में शामिल हो गए और 2018 में फिर से राज्य सभा सदस्य बने। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन ऐक्ट 2023 तैयार करने में उनकी अहम भूमिका है।

भाजपा ने उन पर इतना भरोसा किया कि उन्हें साल 2021 में पार्टी के एक वरिष्ठ सहयोगी निर्मल सुराणा के साथ पुदुच्चेरी विधान सभा चुनाव का प्रभारी बनाया गया। यह जोड़ी केंद्र शासित प्रदेश में राजग सरकार बनवाने में कामयाब रही। इसके कुछ ही महीने बाद चंद्रशेखर को केंद्रीय मंत्री बना दिया गया और उन्हें कौशल विकास एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय का प्रभार मिला। उन्हें पहली बार इस बात का आभास हुआ कि उन्हें एक और लड़ाई लड़नी पड़ सकती है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके मंत्री बनने के बाद चुपचाप उनसे कहा- आप अपने प्रांत के कपड़े पहनना शुरू कीजिए। अपने जीवन में चंद्रशेखर ने बहुत से दोस्त बनाए हैं। वह कितने भी व्यस्त क्यों न रहें, अपने दोस्तों के लिए हमेशा समय निकाल ही लेते हैं- और भारत को थोड़ा बेहतर बनाने के अपने जुनून के लिए भी।

वो फिल्मी सितारे जिन्हें न दिल्ली रास आयी न राजनीति

विष्णु शर्मा

दिल्ली नेताओं का गढ़ है और मुंबई फिल्मी सितारों का। दोनों के बीच ऐसा ताना-बाना रहा है कि एक दूसरे के बिना चलते भी नहीं और एक दूसरे से पूरी तरह निभती नहीं। ऐसे में कभी राजनीति के दिग्गज फिल्मी सितारों को राजनीति में खींच लाते हैं तो कभी फिल्मी दिग्गज मुसीबत में नेताओं के दर पर चक्कर लगाते हैं। समझदार फिल्मी सितारे कभी सरकारी ब्रांड अम्बेसेडर बनकर, पीएम आदि के साथ फोटो खिंचाकर या ज्यादा डिमांड आई तो रैलियों में प्रचार कर निकल जाते हैं, लेकिन जो ज्यादा अंदर गए वो अंत में निराश ही हुए, उन्हें दिल्ली रास नहीं आई। अमिताभ बच्चन की जिंदगी में उनकी मां तेजी बच्चन का रोल काफी ज्यादा रहा। यहां तक कि बच्चन परिवार में वो पहली एक्ट्रेस थीं, जो बाकायदा नेहरू परिवार के सहयोग से नाटक आयोजित किया करती थीं। उससे भी ज्यादा दिलचस्प यह है कि अमिताभ को दिल्ली में उन्होंने ही बॉलरूम डांसिंग तक सिखाई थी। चाहे हरिवंश राय बच्चन को नेहरूजी के विदेश मंत्रालय के हिंदी विभाग में नौकरी दिलाकर परिवार को इलाहाबाद से दिल्ली लाना हो, इंदिरा गांधी से कहकर दिल्ली में सरकारी बंगला अलॉट करवाना हो या फिर शास्त्री जी से बतौर फ्रीलांस पत्रकार साउथ दिल्ली में सोपान बंगले की जमीन आवंटित करवाना हो, सब में तेजी बच्चन की अहम भूमिका रही। लेकिन अमिताभ को राजनीति में लाए जाने से पहले ही उनके परिवार को राजनीति में घसीटा जाने लगा था। नेहरू परिवार ने उनके पिता को राज्यसभा भेजा और पदमभूषण भी दिया। लेकिन मौका आते ही उसकी कीमत भी वसूल कर ली। इमरजेंसी में जहां पूरा देश गांधी परिवार के खिलाफ उठ खड़ा हुआ तो कांग्रेस द्वारा उन सभी लोगों को आगे किया गया, जिनकी जनता सुनती थी। उनमें हरिवंश राय बच्चन के अलावा फिल्मी दुनिया के सुनील दत्त-नरगिस भी शामिल थे। हमने ये माना कि लिखने की आजादी नहीं, जब थी आजादी तभी क्या तीर मारे आपने? आप यकीन नहीं करेंगे लेकिन ये लाइनें इमरजेंसी के समर्थन में कभी हरिवंश राय बच्चन ने अपने एक मित्र को लिखी थीं, जिसका बाकायदा जिक्र उन्होंने अपनी आत्मकथा दशद्वार से सोपान तक में किया है। हरिवंश राय बच्चन ने ये माना था कि उनको इंदिरा गांधी को उस दौर में समर्थन नहीं देना चाहिए था, लेकिन उन पर निजी रिश्तों का जो दवाब था, उसकी भी चर्चा उन्होंने की। ये भी माना कि दोनों बच्चन बाप-बेटे को उसके परिणाम भी भुगतने पड़े। बाद में अमिताभ बच्चन पर भी फिल्म मैगजींस के सम्पादकों ने बैन लगा दिया था और करीब 15 साल तक ना अमिताभ का इंटरव्यू लिया और ना उनकी फोटो छापी। बावजूद इसके इंदिरा गांधी की मौत के बाद राजीव गांधी ने उनको मजबूर किया कि वो राजनीति में आएं। दोस्त की मदद के लिए वो मैदान में उतरे भी, लेकिन बाद में एक विदेशी रेडियो ने बोफोर्स घोटाले में उनके भाई का नाम लिया तो नेहरू गांधी परिवार ने भी उनका साथ नहीं दिया। 6 साल तक वो विदेशों के चक्कर लगाते रहे, तब जाकर उस जंजाल से निकले। लेकिन इसके चलते ना केवल उन्होंने राजनीति को तिलांजलि दे दी बल्कि गांधी परिवार से भी रिश्ते बिगड़ गए। अमिताभ बच्चन से गांधी परिवार के रिश्ते बिगड़े, तो जवाब में उतारे गए थे राजेश खन्ना उर्फ काका। राजीव और काका, दोनों ही अमिताभ से खफा थे। काका को चाहिए थी ठाणे सीट, लेकिन राजीव गांधी ने उन्हें नई दिल्ली सीट पर आडवाणी के सामने उतार दिया। वो 1589 वोट से हार गए, लेकिन अगले ही साल 1992 में शत्रुघ्न सिन्हा को हराकर सांसद बन गए। 1996 में फिर जगमोहन ने उन्हें हरा दिया। तीन चुनाव लड़ चुके काका, अब राज्यसभा मांगने लगे लेकिन कांग्रेस ने मौका ही नहीं दिया। राजीव गांधी की मौत पर उनकी पहली प्रतिक्रिया सच ही साबित हुई, मेरा भगवान चला गया।

नवरात्रि की 'महाष्टमी' पूजा में इन चीजों को जरुर करें शामिल, माता का मिलेगा आशीष

मां दुर्गा की पूजा के लिए अष्टमी –नवमी तिथि बहुत महत्वपूर्ण और पुण्यफलदायी मानी गई है. इस दिन लोग घरों में कुल देवी का पूजन, कन्या पूजा करते हैं. नवरात्रि की महाष्टमी पर मां दुर्गा चंड-मुंड का संहार किया था. ऐसे में चैत्र नवरात्रि की अष्टमी पर माता के पूजन के लिए कौन-कौन सी सामग्री इस्तेमाल होती है. जान लें

चैत्र नवरात्रि अष्टमी पूजा सामग्री

माता पूजन सामग्री- रोली, मौली, हल्दी, अक्षत, सफेद पुष्प (संभव हो तो मोगरा फूल लें), नारियल, पंचमेवा, लाल चुनरी, श्रृंगार सामग्री, फल, मिठाई, ध्वजा.

हवन सामग्री सूची- कुछ लोग नवरात्रि पर अष्टमी तिथि के दिन ही कुलदेवी का पूजन कर हवन करते हैं. हवन के लिए आम की लकड़ी, हवन कुंड, पंच पल्लव, जौ, गोला, अश्वगंधा, गूलर की छाल, कूपर,तिल, नवग्रह की लकड़ी, अक्षत, घी, शक्कर, इलायची, पान, लौंग की जरुरत होगी.

कन्या पूजन का सामान- गंगाजल, पैर साफ करने के लिए कपड़ा, कलावा, फूल, लाल चुनरी, रोली, अक्षत, फल, मिठाई, कन्याओं को बांटने की सामग्री. इस दिन कन्या भोजन में काले चने, पूड़ी, हलवा बनाया जाता है.

चैत्र नवरात्रि अष्टमी पूजन विधि

नवरात्रि की महाअष्टमी देवी की 8वीं शक्ति मां महागौरी को समर्पित है. इस दिन स्नान के बाद लाल वस्त्र पहनें. घी का दीपक लगाकर देवी महागौरी का आह्वान करें.

- अब मां को रोली, मौली, अक्षत, मोगरा पुष्प अर्पित करें
- माता को लाल चुनरी में सिक्का और बताशे रखकर जरूर चढ़ाएं.
- मां महागौरी को नारियल या नारियल से बनी मिठाई का भोग लगाएं. फिर आरती करें.
- घर में 9 कन्या और एक बालक को बुलाकर उनके चरण धोएं. पूजन और भोजन कराएं. दान दक्षिणा दें. लाल चुनरी ओढ़ाएं
- इस दिन जो लोग हवन कर रहे हैं वो दुर्गा सप्तशती पाठ के मंत्रों का उच्चारण करते हुए हवन में आहुति दें.

भगवान शिव की कृपा से महागौरी को मिला गौर वर्ण,

श्वेते वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोदया॥

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री, दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन मां चंद्रघंटा, चौथे दिन मां कुष्मांडा, पांचवे दिन मां स्कंदमाता, छठे दिन मां कात्यायनी और सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की गई. अब नवरात्रि के आठवें दिन आठवीं शक्ति मां महागौरी की पूजा की जाएगी. मां महागौरी की पूजा-अर्चना करने से भक्तों के सभी पाप कर्म धुल जाते हैं शुभ फलों की प्राप्ति होती है.

महागौरी का स्वरूप

महागौरी के वस्त्र और आभूषण सभी सफेद हैं. इसलिए मां को सफेद रंग प्रिय है. पूजा में भी मां को सफेद चीजें और भोग अर्पित किए जाते हैं. सफेद रंग प्रिय होने के कारण इन्हें श्वेताम्बरधरा भी कहा गया है. मां का वाहन वृषभ है और इनकी चार भुजाएं हैं. ऊपर वाले दाहिने हाथ में अभय मुद्रा है और नीचे वाले हाथ में त्रिशूल है. ऊपर वाले बाएं हाथ में मां ने डमरू धारण किया है और नीचे वाले हाथ में वर मुद्रा है. मां की पूरी मुद्रा बहुत शांत है. मां महागौरी का पूजा मंत्र है-

या देवी सर्वभूतेषु मां गौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

मां महागौरी की कथा

मां दुर्गा की आठवीं शक्ति मां महागौरी की पौराणिक कथा के अनुसार, मां ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की. तपस्या के दौरान मां हजारों वर्षों तक निराहार रहीं, जिस कारण इनका शरीर काला पड़ गया था. जब मां की कठोर तपस्या से भगवान शिव प्रसन्न हुए तो उन्होंने मां को पत्नी के रूप में स्वीकार किया और इनके शरीर को गंगा के पवित्र जल से धोकर अत्यंत कांतिमय बना दिया, जिस कारण इनका काला रंग गौर वर्ण जैसा हो गया. इसके बाद मां पार्वती के इस स्वरूप को महागौरी के नाम से जाना गया.

क्या आप भगवान शिव के दशावतार के विषय में जानते हैं?

हम सभी ने भगवान विष्णु के प्रसिद्ध दशावतारों के विषय में जानते हैं किन्तु क्या आपको महादेव के दशावतार के विषय में पता है? आम तौर पर जब भी महादेव के अवतरण की बात होती है तो उनके विषय में द्वादश ज्योतिर्लिंग, 11 रुद्रावतार एवं उनके 19 अवतारों के बारे में जानकारी मिलती है। किन्तु श्रीहरि की भांति ही महादेव के भी दशावतार हैं। महादेव के ये दस अवतार मूलतः तंत्र विद्या से सम्बंधित हैं और इन्हे ही तंत्र शास्त्र का जनक माना गया है। इससे पहले हमने माता सती के दस रूप, जिन्हे दस महाविद्या कहा जाता है, उनके विषय में एक लेख प्रकाशित किया था। यही दस महाविद्या महादेव के इन दस अवतारों की पत्नियां हैं। दस महाविद्या के विषय में आप विस्तार से यहाँ जान जान सकते हैं। तो आइये महादेव के दशावतारों के विषय में संक्षेप में जानते हैं।

महाकाल: महादेव के दशावतारों में प्रथम स्थान भगवान महाकाल का है। ये महादेव के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग से सम्बंधित हैं। इनकी पत्नी का नाम महाकाली है। एक कथा के अनुसार दूषण नामक एक राक्षस था जिसने घोर तप कर ब्रह्मा जी को प्रसन्न कर अतुल बल का वरदान प्राप्त कर लिया। उस वरदान के मद में उसने ब्राह्मणों पर अत्याचार करना आरम्भ किया। उसके अत्याचारों से तंग आकर ऋषियों ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। ब्रह्मा जी ने स्वयं उसे वरदान दिया था इसीलिए उन्होंने महादेव से उस राक्षस का वध करने का अनुरोध किया। ब्रह्माजी के अनुरोध पर महादेव ने दूषण को चेतावनी दी किन्तु फिर भी उसका अत्याचार नहीं रुका। उसने उज्जैन जाकर ब्राह्मणों का वध करना आरम्भ किया। तब सभी ने एक स्वर में महादेव को पुकारा। तब महादेव महाकाल अवतार लेकर उज्जैन में प्रकट हुए और उन्होंने अपनी एक ही हुंकार में दूषण का वध कर दिया। बाद में भक्तों की प्रार्थना पर महादेव वहां महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में भी स्थित हुए।

तारकेश्वर: भगवान शिव के दशावतार में दूसरा स्थान है तारकेश्वर महादेव का। उनके इस अवतार में उनकी शक्ति हैं माता तारा। ये अवतार तारकासुर से जुड़ा है। जब तारकासुर को ये वरदान मिला कि उसका वध केवल महादेव के पुत्र के हांथों ही हो सकता है तो स्वयं को अमर मान कर उसने अत्याचार की सारी सीमाओं को लाँघ दिया। अंततः कालांतर में शिवपुत्र कार्तिकेय के द्वारा उसका वध किया गया। जब वो मरणासन्न अवस्था में था और अपनी अंतिम सांसें ले रहा था तो उसे अपने कृत्यों पर बड़ा पश्चाताप हुआ। अपने अंत समय में उसे महादेव के दर्शनों की अभिलाषा जागी। तब भोलेनाथ ने तारकेश्वर अवतार के रूप में उसे दर्शन दिए और ये वरदान भी दिया कि कालांतर में उसके नाम से लोग उनकी पूजा करेंगे। आज तारकेश्वर महादेव का मंदिर उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में है।

बाल भुवनेश: दशावतार में तीसरा स्थान है भगवान भुवनेश का। इस अवतार में महादेव अपने बाल रूप में प्रकट हुए थे इसी कारण इन्हे बाल भुवनेश भी कहा जाता है। इनकी शक्ति है माता बाल भुवनेश्वरी। एक कथा के अनुसार अपने इस अवतार में महादेव ने भुवनेश नामक एक भील का उद्धार किया था। अपने इस अवतार में महादेव 14 भुवनों की रक्षा और पालन करते हैं। उत्तराखंड के कोटद्वार में भगवान भुवनेश्वर का मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर का नाम भी महादेव के इसी अवतार पर पड़ा है।

षोडश विद्येश: शिव दशावतार में चौथा स्थान है भगवान षोडश विद्येश का। इनकी शक्ति षोडशा विद्येशा हैं जिन्हे त्रिपुरसुन्दरी के नाम से भी जाना जाता है। ये तो हम सभी जानते हैं कि कलाएं 16 प्रकार की होती हैं। इस अवतार में भगवान शिव अपनी सभी 16 कलाओं से युक्त होते हैं इसीलिए इन्हे षोडशा विद्येश कहा जाता है। अपने इस अवतार में महादेव मनुष्य को सुख, समृद्धि एवं मोक्ष प्रदान करते हैं।

भैरवनाथ: दशावतार में पांचवां स्थान है भगवान भैरव का। ये महादेव का सर्वाधिक प्रसिद्ध अवतार है। इनकी शक्ति माता भैरवी हैं। ये अवतार देखने में बहुत ही भयानक हैं और इसीलिए इन्हे भैरव कहा जाता है। भैरव का अर्थ होता है जो देखने में बहुत भयानक हो और भक्तों की भय से रक्षा करें। वैसे तो भैरव कई हैं किन्तु अष्ट भैरव सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। उनमें भी काल भैरव सबसे अधिक प्रसिद्ध हैं। इन्होने ही परमपिता ब्रह्मा के पांचवें सर, जो महादेव की निंदा करता था, उसे काट डाला था। भैरव को माता का गण भी माना जाता है। जब श्रीहरि ने अपने सुदर्शन से माता सती के पार्थिव शरीर के 51 टुकड़े किये जो शक्तिपीठ कहलाये तब महादेव ने अपने शरीर से कई भैरवों को उत्पन्न किया और उन्हें उन सभी शक्तिपीठ का रक्षक बनाया। शक्तिपीठ और सभी भैरव के विषय में यहाँ पढ़ें।

छिन्नमस्तक: महादेव के छठे दशावतार हैं श्री छिन्नमस्तक। इनकी शक्ति माता छिन्नमस्तिका हैं। महादेव का ये अति प्रचंड अवतार शीशहीन है और ऐसी ही इनकी पत्नी भी हैं। इनका कटा सर ये अपने ही हाथ में पकडे रहते हैं और अपने दूसरे हाथ में त्रिशूल को धारण करते हैं। ऐसी कथा है कि जब माता सती ने छिन्नमस्तिका अवतार में असुरों का संहार किया तो उनकी सेना रक्तपान से तृप्त नहीं हुई। इस पर उन्होंने स्वयं अपना मस्तक काट लिया जिससे उनकी सेना तृप्त हो गयी। तब महादेव ने भी छिन्नमस्तक अवतार लेकर अपना सर अपने ही त्रिशूल से काट लिया। इन दोनों की पूजा विशेष रूप से अघोरियों और तांत्रिकों के लिए अनिवार्य होती है।

धूम्रवान: महादेव के सातवें दशावतार हैं श्री धूम्रवान। इन्हे धूमवान भी कहा जाता है। इनकी शक्ति माता धूमावती हैं जो मृत्यु एवं विधवाओं की अधिष्ठात्री हैं। ये माता लक्ष्मी की बहन हैं और इनका एक नाम अलक्ष्मी भी है। अपने इस स्वरुप में महादेव धुंए के समान माने गए हैं इसीलिए उनका ये नाम पड़ा है।

भगवान धूम्रवान का रूप भी विकट बताया गया है, किन्तु इस रूप में भी वे कल्याणकारी हैं और अपने भक्तों के भय को दूर करने वाले हैं।

बगलामुख- दशावतार में आठवां स्थान है भगवान बगलामुख का। इनकी शक्ति माता बगलामुखी हैं। ये महादेव का अति उग्र रूप माना जाता है किन्तु अपने भक्तों को ये आनंद प्रदान करने वाला है। इनका रूप पीला है और अपने इस अवतार में भगवान शिव अपने सभी भक्तों को उनके कर्मों के अनुसार उसका फल देते हैं। इनकी पत्नी माता बगलामुखी के तीन प्रमुख मंदिर हैं, जिनमें से कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) के मंदिर की सर्वाधिक मान्यता है। देव बगलाबमुख भी उन्ही मंदिरों में उनके साथ निवास करते हैं।

मातंग- दशावतार में नवां स्थान है भगवान मातंग का। इनकी शक्ति है माता मातंगी। इनका रंग हरा है। मृत्यु को भी जीत लेने के कारण इनका एक नाम मृत्युंजय भी है। रामायण के अनुसार ऐसी मान्यता है कि महादेव ने अपना ये स्वरुप महर्षि मातंग की तपस्या से प्रसन्न होकर लिया था। मध्यप्रदेश के खुजराहों मंदिर में मतंगेश्वर महादेव का शिवलिंग स्थापित है। ये एकमात्र जीवित शिवलिंग माना जाता है जो हर वर्ष ऊपर और नीचे की ओर एक अंगुल बढ़ रहा है। ऐसी मान्यता है कि जब ये शिवलिंग पाताल तक पहुँच जाएगा, उसी समय कलियुग का अंत हो जाएगा।

कमल- महादेव का दसवां और अंतिम अवतार कमल अवतार है। इनकी शक्ति माता कमला है जो माता लक्ष्मी के गुणों से युक्त हैं। अपने इस अवतार में महादेव सभी 64 विद्याओं से युक्त होते हैं। कहा जाता है कि दिव्य और पूर्ण कमल के पुष्प में भी कुल 64 पंखुड़ियां होती है इसलिए महादेव के इस अवतार को कमल के नाम से जाना जाता है। जिस प्रकार माता कमला में माता लक्ष्मी के गुण भी हैं, उसी प्रकार भगवान कमल भी नारायण के गुणों से युक्त होते हैं।

मर्यादाओं की स्थापना का दिवस रामनवमी

प्रभु श्रीराम ब्रह्म अवतारी सश्रा थे। फिर भी जीवन भर साधारण मानव का जीवन जीते हुए आदर्शों, मर्यादाओं की राह चलते हुए लोककल्याण में समर्पित रहें। उनका अवतार धर्म की स्थापना और अधर्म के विनाश के लिए ही हुआ था। गोस्वामी जी कहते हैं- ''जब-जब होहिं धर्म की हानी, बाढही असुर अभिमानी। तब-तब धरहिं प्रभु विविध शरीरा, हरहिं भवनिधि सज्जन पीड़ा।।'' उनका सारा जीवन राक्षसों-आतातायियों से युद्ध करने में ही बीत गया। वे रीक्ष, बंदर, गिद्ध, गिलहरी का संगठन तैयार करके रावण को मारा और उन्होंने धर्म की स्थापना की। वे धर्म की स्थापना के लिए राज-पाट का मोह त्याग दिये। इसी कारण वे मर्यादा पुरूषोश्रम कहलाये। धर्म के कार्य को करने के लिए उनके अंदर अद्भूत विलक्षण क्षमता व दृढ विश्वास था। वे जीवन भर मर्यादाओं एवं आदर्शों के पथ का अनुगमन करके ऐतिहासिक-सांस्कृति मिसाल खड़ा कर दिये। इस कारण से रामनवमी मर्यादाओं और आदर्शों का अवतरण दिवस है, साथ ही शाश्वत, सनातन और चिरंतन सत्य की अभिव्यक्ति का पुण्य क्षण भी। आर्ष साहित्य और लोक-साहित्य ही प्रवहमान् चिंतन धारा में यही सत्य विविध रूपों में वर्णित हुआ है। यह तथ्य स्पष्ट है कि मर्यादा पुरूषोतम राम एवं आद्यशक्ति सीता आदर्शों की स्थापना के लिए तो अवतरित हुए ही थे, परंतु साथ ही सनातन ब्रह्म एवं शक्ति भी राम एवं सीता के रूप में लीला करने इस भूतल पर आए थे। राम और सीता दो होते हुए भी एक थे। गोस्वामी जी कहते हैं- गिरा अरथ जल बीचि सम कहिअत भिन्न न भिन्न। बंदउँ सीता राम पद जिन्हें परम प्रिय खिन्न।। मर्यादा पुरूषोतम श्रीराम को भारतीय धर्म साधना मूलतः ब्रह्म के रूप में इस सचराचर जगत् में परिव्याप्त मानकर सर्वोच्च सनातन होने में अपनी आस्था को व्यक्त करती है, वहीं एक सूक्ष्म धारणा राम तथा ऊँ की तात्विक एकता की ओर भी सूक्ष्म संकेत करती है। वस्तुतः 'राम' शब्द जब निराकार एवं सकल ब्रह्म के रूप में व्यवहत होता है, तो आश्चर्यजनक रूप में राम ही 'ऊँ' हो जाता है। व्याकरणविदों एवं भाषाशास्त्रियों के अनुसार राम शब्द में आने वाली 'आ' तथा 'अ' स्वर ध्वनियॉ इस शब्द में आने वाली 'र' तथा 'म' व्यंजन ध्वनियों के उच्चारण की दृष्टि से ही आती हैं। 'मांडूक्योपनिषद्' में आया एक प्रामणिक सूत्र कहता है, 'ओमित्येदक्षरम्' जिससे राम तथा ऊँ की तात्विक एकता प्रमाणित होती है। महाकवि तुलसीदास भी रामचरित मानस में इसी तथ्य को पुष्ट करते हुए कहते हैं- एकु छत्र एकु मुकुटमनि सब बरननि पर जोउ। तुलसी रघुवर नामके बरन विराजत दोउ।। यही सत्य आदिकवि वाल्मीकि ने रामायण के 'युद्धकांड' में राम को भगवान् विष्णु से अभिन्न मानते हुए कहा है- अक्षरं ब्रह्म सत्यं च मधेचांते च राघव, लोकानां त्वं परोधर्मों विश्वक्सेनश्चतुर्भुजः। इस प्रकार स्पष्ट होता है कि भारतीय मनीषा मर्यादा पुरूषोतम श्रीराम को सच्चिदानंद ब्रह्म मानकर उन्हें सर्वोच्च सनातन सता के रूप् में पूजती रही है। इसी तरह वह सीता को आद्यशक्ति के रूप में प्रतिष्ठित करके सर्वोच्च सम्मान देती रही है। 'युद्धकांड' में ही उल्लेख आता है- एष सीता हरेर्माया, सृष्टिस्थित्यंतकारिणी। सीता साक्षात् जगद्धेतुश्चित्छबितर्जगदात्यिका।। अर्थात् विश्व की सृष्टि, स्थिति, अंत की सूत्रधारिणी, आद्यशक्ति साक्षात् महामाया सीता, जगत् का कारण और चेतना यशक्ति और जगत् का रूप हैं। यही सत्य मानस के 'बालकांड' में कवि तुलसी अत्यंत श्रद्धापूर्वक व्यक्त करते हैं- उद्भवस्थितिसंहारकारिणीं क्लेशहारिणीम्। सर्वश्रेयस्करीं सीतां नतोअहं रामवल्लभाम्।। भाषाशास्त्रियों के अनुसार भी सीता शब्द का अर्थ पृथ्वी से उत्पन्न है, जो निश्चय ही सृष्टि के सृजन, पोषण एवं संहार की सूत्रधार' शक्ति के लिएआया है। व्याकरणविदों एवं दार्शनिकों ने सीता शब्द की विशिष्ट व्याख्या करते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि राम की शक्ति बनकर ही सीता अवतरित हुई है। इसी शक्ति की स्वीकृति आदि महाकवि वाल्मीकि ने रामायण में तथा महर्षि वेदव्यास ने श्रीमद्भागवत् सीता को 'महालक्ष्मी' कहकर दी है। महाकवि तुलसीदास ने दर्शन के इसी सूक्ष्म तत्व को मनोहारी रूप में व्यक्त करते हुए ब्रह्म एवं शक्ति के सनातन एक्य को यूँ व्यक्त किया- सीयराम मय सब जग जानी। करउँ प्रनाम जोरि जुग पानी। आइए, हम भी भगवान् राम की पावन जयंती रामनवमी के इस पुण्य पर्व पर युगों से हमारे सनातन विश्वास एवं आस्था के केंद्र ब्रह्मस्वरूप भगवान् राम एवं आद्यशक्तिस्वरूपा भगवती सीता के अभिन्न युगल को श्रद्धापुर्वक स्मरण करें। जब समस्त प्राणियों में सियाराम बसे हुए हैं, तब मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारा, चर्च आदि में भेदभाव कैसे? क्यों न हम घृणा-द्वेष के खूनी मार्ग को छोड़कर स्नेह-आत्मीयता की राह अपनाएँ और 'सीय राममय सब जग

खरमास खत्म फिर गूंजेगी शहनाइयां, 18 को पहला विवाह मुहूर्त

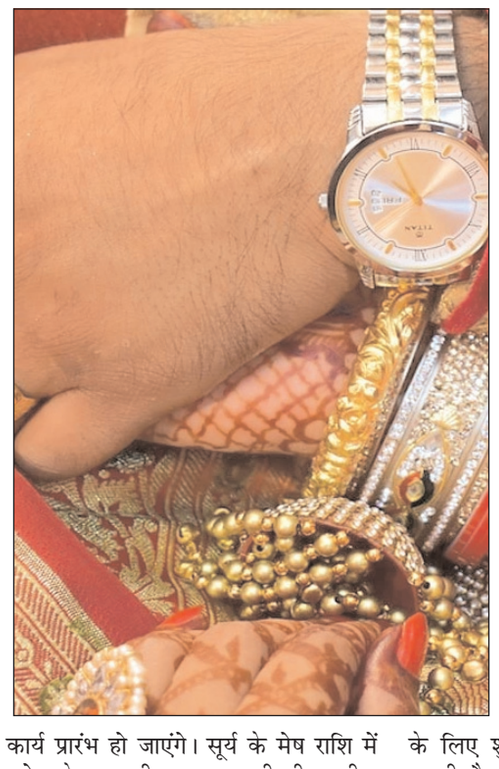

14 अप्रैल को सूर्य के राशि परिवर्तन के बाद 18 तारीख से फिर शादियों का दौर शुरू हो जाएगा। खरमास खत्म होते ही विवाह, देव प्रतिष्ठा, नूतन गृह निर्माण, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य 14 अप्रैल के बाद शुरू हो गए हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 14 मार्च से लगे खरमास की समाप्ति 13 अप्रेल को रही है। जिसके बाद मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाएंगे। सूर्य के मेष राशि में प्रवेश के साथ ही खरमास यानी मीन महीना खत्म हो गया है। इससे पहले 14 मार्च को सूर्य के मीन राशि में आने के बाद मीन मास चल रहा था। खरमास होने के कारण पिछले एक महीने से हर तरह के मांगलिक कामों पर रोक लगी हुई थी। लेकिन अब इनके लिए मुहूर्त रहेंगे। ज्योतिष ग्रंथों में कहा गया है कि जब सूर्य मीन राशि में रहता है तब इन दिनों में किसी भी तरह के शुभ काम नहीं करने चाहिए। इस दौरान सिर्फ जप, तप और स्नान-दान करना चाहिए।

गृह प्रवेश विवाह और शुभ काम- ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि खरमास यानी मीन मास खत्म हो जाने से 16 संस्कार और अन्य शुभ काम किए जा सकते हैं। शुभ मुहूर्त और शुभ दिन में अन्नप्राशन, नामकरण, चूड़ाकर्म, विद्यारंभ और अन्य शुभ काम किए जा सकते हैं। सूर्य के मेष राशि में आते ही गृह प्रवेश और विवाह के भी मुहूर्त रहेंगे। अब देवगुरु बृहस्पति भी खुद की राशि यानी मीन में आ गए हैं। जिससे हर मांगलिक कामों में गुरु का बल और बढ़ जाएगा।

अप्रैल 2024 में शादी-विवाह के शुभ मुहूर्त- भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि अप्रैल में शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्यों के लिए केवल 10 दिन ही मिलेंगे। 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26 और 28 अप्रेल विवाह के लिए बेहद ही शुभ हैं।

मई और जून 2024 में अस्त रहेंगे गुरु-शुक्र- भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि विवाह मुहूर्त में गुरु और शुक्र अस्त का भी विचार किया जाता है। अच्छा शुक्र भोग विलास का नैसर्गिक कारक है और दांपत्य सुख को दर्शाता है। वहीं, गुरु कन्या के लिए पति सुख का कारक है। दोनों ग्रहों का शुभ विवाह हेतु उदय होना शास्त्र सम्मत है, विवाह के लिए शुक्र व गुरु ग्रह का उदित रहना जरूरी है। दोनों ग्रह विवाह के कारक हैं। इनके अस्त रहने पर विवाह नहीं होते हैं। 23 अप्रैल 2024 को शुक्र ग्रह दोपहर में अस्त हो जाएगा, जो 29 जून तक अस्त रहेगा। 6 मई से गुरु ग्रह भी अस्त हो जाएगा, जो 2 जून को उदित होगा, परंतु शुक्र अस्त ही रहेगा इस कारण से मई व जून माह में विवाह की शहनाई नहीं बजेंगी। सर्वाधिक मुहूर्त फरवरी में 20 दिन रहेंगे। सबसे कम 5- 5 दिन अप्रैल व अक्टूबर में होंगे।

इससे पहले 2000 में हुआ था ऐसा- भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इससे पूर्व वर्ष 2000 में भी मई व जून मे शुक्र व गुरु ग्रह के अस्त रहने पर विवाह मुहूर्त नहीं थे। इससे भी पहले 1996 में मई से जुलाई के बीच इन तीन माह में केवल 5 दिन मुहूर्त निकले थे।

10 मई अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त- भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार सालभर में कुछ ऐसी तिथियां और दिन होते हैं जिनमें बिना विचार किए शुभ काम कर सकते हैं। इन मुहूर्त में किए गए काम हमेशा शुभ फल देने वाले होते हैं। मीन मास खत्म होते ही पहला अबूझ मुहूर्त अक्षय तृतीया 10 मई को रहेगा। इस दिन गृह प्रवेश, संपत्ति एवं वाहन खरीदी, विवाह, वाग्दान यानी सगाई, रोका, मुंडन, यज्ञोपवित सहित अन्य शुभ संस्कार किए जा सकते हैं। इनके साथ ही नौकरी, बिजनेस या किसी शुभ काम की शुरुआत भी की जा सकती है।

विवाह के लिए अबूझ मुहूर्त- कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि विवाह और सगाई जैसे मांगलिक कार्यों के लिए अबूझ मुहूर्त को शुभ माना जाता है। अगर किसी के विवाह की तारीख नहीं निकल पा रही है या फिर किसी कारण से शुभ मुहूर्त वाले दिन विवाह करना संभव ना हो तो अबूझ मुहूर्त में भी विवाह किया जा सकता है। धर्मग्रंथों के अनुसार अक्षय तृतीया, बसंत पंचमी और देव प्रबोधिनी एकादशी को अबूझ मुहूर्त माना गया है।

वर्ष 2024 के शुभ मुहूर्त- अप्रैल- 18 से 22,23, 24, 25, 26 और 28 अप्रेल (10 दिन) **जुलाई-** 3,9 से 15 (8 दिन) **अक्टूबर-** 3,7,17,21,23,30 (6 दिन) **नवंबर-** 16 से 18, 22 से 26,28 (9 दिन) **दिसंबर-** 2 से 5, 9 से 11, 13 से 15 (10 दिन) (कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

- डा. अनीष व्यास

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

बिहार में राजनाथ सिंह का तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला

पटना। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर एक वीडियो साझा करने के लिए एक हमला बोला। वीडियो में उन्हें कथित तौर पर नवरात्रि के दौरान मछली खाते हुए दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि वह मछली, हाथी, घोड़ा या कुछ भी खा सकते हैं, लेकिन उन्हें इसे क्यों दिखाना चाहिए। बिहार के जमुई में एलजेपी उम्मीदवार अरुण भारती के पक्ष में एक रैली में, राजनाथ ने तर्क दिया कि कुछ नेता अपने वोटों के लिए लोगों के एक वर्ग को खुश करने के लिए नवरात्रि के दौरान नॉनवेज भोजन के वीडियो पोस्ट कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि नेता एक विशेष समुदाय के सदस्यों के वोट हासिल करने के इरादे से ऐसा कर रहे हैं, जो तुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा है। लालूजी, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि ऐसे लोगों को संभालें। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को अपना मित्र बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, उनके परिवार के सदस्य क्या बयान दे रहे हैं?

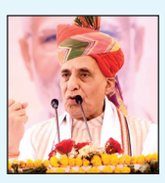

के कविता को 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नईदिल्ली। बीआरएस नेता के कविता को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सोमवार को के कविता को 23 अप्रैल, 2024 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया, यह देखते हुए कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इस मामले में उनकी हिरासत रिमांड नहीं चाहती थी। सुनवाई की पिछली तारीख पर अदालत द्वारा दी गई तीन दिन की रिमांड की समाप्ति पर कविता को अदालत के समक्ष शारीरिक रूप से पेश किया गया था। उन्होंने कहा, यह सीबीआई कस्टडी नहीं है, यह बीजेपी कस्टडी है। बीजेपी बाहर जो बोल रही है, अंदर से सीबीआई वही मांग रही है, बार-बार 2 साल मांग रही है, इसमें कोई नई बात नहीं है। इससे पहले, सीबीआई ने एक आवेदन दायर कर उत्पाद शुल्क नीति मामले के संबंध में के कविता को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए अदालत से निर्देश देने की मांग की थी।

भाजपा पर बरसे लालू यादव

पटना। देश में लोकतंत्र का महापर्व लोकसभा चुनाव नजदीक है। 19 अप्रैल को पहले चरण के लिए मतदान होना है। बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। सत्ता और विपक्ष के नेता बिहार में डेरा डाले हुए हैं। चूंकि, लोकसभा का चुनाव है तो आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। इसी बीच बिहार के पूर्व सीएम और आरजेडी सुप्रोमो लालू प्रसाद यादव ने बीजेपी पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा कि इनके नेता कह रहे हैं कि अब की बार 400 पार। ये लोग झूठ बोलने का काम कर रहे हैं। यह लोग चुनाव हार रहे हैं, इसलिए इन लोगों को मनोबल गिरा हुआ है। इसलिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। लालू ने आगे कहा कि इनके नेता कह रहे हैं कि संविधान बदल देंगे। कैसे बदल देंगे, यह संविधान डॉ. बीआर अंबेडकर ने बनाया है। लालू ने बीजेपी को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जो भी संविधान को बदलने की कोशिश करेगा, देश के गरीब, दलित और पिछड़े उसकी आंखें निकाल लेंगे।

तिहाड़ जेल में केजरीवाल से मुलाकात के बाद भावुक हुए मान

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तिहाड़ जेल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार दोपहर में मुलाकात की। सीएम अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, यह देखकर बहुत दुख हुआ कि उन्हें वे सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, जो कट्टर अपराधियों को भी मिलती हैं। उनकी गलती क्या है? उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है मानो आपने देश के सबसे बड़े आतंकवादियों में से एक को पकड़ लिया हो। पीएम मोदी क्या चाहते हैं? अरविंद केजरीवाल जो कट्टर ईमानदार हैं, जिन्होंने पारदर्शिता की राजनीति शुरू की और भाजपा की राजनीति खत्म की, उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है। मान ने कहा, जब मैंने पूछा कि वह कैसा काम कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि मेरे बारे में भूल जाओ, मुझे बताओ कि पंजाब में चीजें कैसे चल रही हैं? क्योंकि हम काम की राजनीति करते हैं। आप एक अनुशासित समूह है, हम सभी एक साथ हैं और खड़े हैं अरविंद केजरीवाल के साथ दृढ़ रहें।

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने त्वरित राहत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ईडी को नोटिस जारी कर 24 अप्रैल तक जवाब देने का निर्देश दिया है। अदालत अब केजरीवाल मामले पर 29 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दावा किया कि केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार से रोकने के लिए गिरफ्तार किया गया है। केजरीवाल के वकील ने मामले को सुनवाई के लिए 19 अप्रैल को ही सूचीबद्ध करने की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया और मामले को सुनवाई के लिए 29 अप्रैल को सूचीबद्ध किया है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगी।

केरल त्रिशूर में प्रधानमंत्री की रैली, कहा- आयुष्मान योजना मोदी की गारंटी

देश का भविष्य तय करने वाला चुनाव: मोदी

तिरवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज केरल दौरे पर है। वह केरल के त्रिशूर में एक जनसभाओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा है कि आयुष्मान योजना मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने कहा कि केरल के लोगों को सस्ती दवाएं मिलती रहेगी। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बीजेपी ने विशु के शुभ अवसर पर अपना संकल्प पत्र लॉन्च किया है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प पत्र भारत के विकास का संकल्प पत्र है। हमारा संकल्प पत्र मोदी की गारंटी का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिशूर में आयोजित एक रैली में कहा कि बीजेपी का संकल्प पत्र मोदी की गारंटी का वादा करता है, विकास कार्यक्रमों के बारे में बात करता है। उन्होंने कहा कि इस साल केरल यह सुनिश्चित करेगा कि संसद में उसकी आवाज सुनी जाए।

केरल के पलक्कड़ में एक सार्वजनिक रैली के दौरान पीएम मोदी ने कहा है कि केरल में एनडीए सरकार के पिछले कार्यकाल में जल जीवन मिशन के तहत 36 लाख से अधिक नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिस गति से जल जीवन जल मिशन चलाया गया है पूरे देश में केरल सरकार इतना कुछ नहीं होने दे रही है। वे भ्रष्टाचार करना चाह रहे हैं, इसलिए आज भी केरल में घरों में पीने के पानी का संकट है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं आपको गारंटी देता हूं केरल के हर घर में पानी होगा।

केरल के पलक्कड़ में आयोजित रैली में पीएम मोदी ने कहा कि यह चुनाव देश के भविष्य के लिए निर्णय लेने का चुनाव है। यह चुनाव आपके उज्ज्वल भविष्य और आपके बच्चों के उज्ज्वल जीवन की गारंटी देने का चुनाव है। केरल के लोगों पिछले दस सालों से देखा है कि कैसे एनडीए सरकार ने दुनिया भर में भारत की साख बढ़ाई है। कांग्रेस सरकार ने भारत की छवि एक कमजोर देश के रूप में बनाई थी। आज जब कोई भारतीय विदेश जाता है तो उन्हें सम्मान दिया जाता है। आज का भारत युद्ध में फंसे अपने नागरिकों को बचाने की ताकत रखता है। हम अपने देश के साथ-साथ दूसरे देशों की भी मदद करते हैं।

एलडीएफ-यूडीएफ से रहे सावधान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल में कहा कि इस साल राज्य यह सुनिश्चित करेगा कि संसद में उसकी आवाज सुनी जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र मोदी की गारंटी का वादा करता है, विकास कार्यक्रमों के बारे में बात करता है। उन्होंने दावा किया कि राजग के सत्ता में लौटने पर पूर्व, उत्तर, दक्षिण भारत में बुलेट ट्रेन के लिए सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भारत की कमजोर छवि बनायी जबकि भाजपा ने इसे मजबूत राष्ट्र बनाया है। दस वर्ष में जो हुआ है वह महज ट्रेलर है, केरल तथा भारत के लिए और बहुत कुछ किया जाना है ।

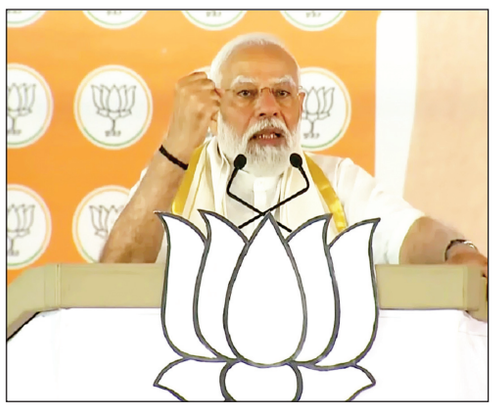

प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में वाम सरकार पर राज्य में केंद्र के विकास कार्यक्रमों में बाधा डालने का आरोप लगाया। मोदी ने केरल में माकपा पर हमला करने के लिए करुवन्नूर सहकारी बैंक घोटाले का मुद्दा उठाया, वाम दल पर गरीबों का पैसा लूटने का आरोप लगाया। मोदी ने केरल में राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह उत्तर प्रदेश में अपने ही परिवार की सीट नहीं बचा पाए। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह करुवन्नूर बैंक घोटाले पर चुप हैं।

उन्होंने कहा कि आपकी खुशी और उत्साह इस बात का प्रतीक है कि यह नया साल नई शुरुआत लेकर आया है! यह नया साल केरल के विकास के लिए है! ये नया साल केरल में नई राजनीति की शुरुआत का है! अब केरल संसद तक अपनी मजबूत आवाज भेजेगा। आज पूरा केरल कह रहा है, फिर एक बार, मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि एलडीएफ-यूडीएफ केरल की स्थिति खराब कर रहे हैं। ये पार्टियाँ केंद्र सरकार द्वारा आवंटित धन का दुरुपयोग करके केरल के विकास के मार्ग में बाधा डालती हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर केरल तक, सभी वामपंथी सरकारों का एक ही चरित्र है - कुछ भी नहीं बचा और कुछ भी सही नहीं! इसका मतलब यह है कि जहां भी वामपंथी शासन करते हैं, वहां कुछ भी पीछे नहीं छोड़ा जाता है, और कुछ भी किया गया सही नहीं होता है।

मोदी ने कहा कि आज केरल में राजनीतिक हत्याएं बड़े पैमाने पर बढ़ रही हैं। कॉलेज परिसर असामाजिक गतिविधियों का केंद्र बन गए हैं। सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वालों को सरकारी संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ से सावधान रहें। केरल में कांग्रेस वामपंथियों को आतंकवादी कहती है। लेकिन दिल्ली में कांग्रेस और ये आतंकवादी एक साथ बैठते हैं, एक साथ खाना खाते हैं और चुनाव के लिए रणनीति बनाते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाला चुनाव भारत के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए है। केरल के लोगों ने देखा है कि पिछले 10 वर्षों में एनडीए सरकार के तहत वैश्विक मंचों पर भारत का कद कैसे बढ़ा है। कांग्रेस ने भारत को दुनिया के सामने एक कमजोर राष्ट्र के रूप में पेश किया था, लेकिन हमने भारत को पहले से कहीं अधिक मजबूत बनाया है!

टुकड़े-टुकड़े गैंग को क्यों दिया गया टिकट : मनोज तिवारी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद व प्रत्याशी मनोज तिवारी ने कहा, कांग्रेस और आप जवाब दें कि आखिर टुकड़े-टुकड़े गैंग के प्रतीक कन्हैया कुमार को क्यों टिकट दिया। दिल्ली में अब लड़ाई सनातन और आराजक देश विरोधी ताकतों के बीच होगी। कन्हैया कुमार भारतीय सेना विरोधी हैं, देश की अखंडता के लिए खतरा हैं। कांग्रेस का असली चेहरा सामने आया है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्र नेता रहे कन्हैया कुमार को कांग्रेस ने दिल्ली के सत्ता संग्राम में उतारा है। कन्हैया उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट पर भाजपा के दो बार से सांसद मनोज तिवारी को टक्कर देंगे। पूर्वांचल बहुल इस सीट पर पहली बार दो पूर्वांचलियों में मुकाबला होगा। दोनों प्रत्याशियों की अपनी-अपनी खासियतों की बदौलत पूरे देश व युवाओं में इस सीट को लेकर दिलचस्पी रहेगी।

राहुल गांधी का वायनाड में रोड शो, बोले-

आज मुख्य लड़ाई आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ

वायनाड । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड में आज रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह विचार लोगों का अपमान है कि भारत में केवल एक ही नेता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अंग्रेजों से आजादी सिर्फ आरएसएस की विचारधारा का औपनिवेश बनने के लिए नहीं मिली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भारतीयों की बात सुनना चाहती है; उनकी मान्यताओं, भाषा, धर्म, संस्कृति से प्यार और उनका सम्मान करना चाहती है।

राहुल गांधी ने कहा कि आज मुख्य लड़ाई आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ है। भाजपा के लोग, प्रधान मंत्री, वे कहते हैं एक राष्ट्र, एक लोग, एक भाषा, एक नेता...भाषा कोई ऐसी चीज नहीं है जो ऊपर से थोपी गई हो। भाषा वह चीज़ है जो व्यक्ति के अंदर से, व्यक्ति के हृदय के अंदर से निकलती है। उन्होंने कहा कि केरल के एक व्यक्ति से यह कहना कि आपकी भाषा हिंदी से कमतर है, केरल के लोगों का अपमान है... यह विचार कि भारत में केवल एक ही नेता होना चाहिए, हर एक युवा भारतीय व्यक्ति का अपमान है।

राहुल गांधी ने कहा कि मानव-पशु संघर्ष का मुद्दा वायनाड के लोगों के लिए एक बड़ी समस्या का कारण बन रहा है। रात्रि यातायात प्रतिबंध से भी भारी परेशानी हो रही है। हम इन समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैंने सीएम और केंद्र को कई बार लिखा था। हम उन पर दबाव बनाना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री कहते हैं, एक राष्ट्र, एक भाषा, एक नेता। यह हमारे देश की बुनियादी ग़लतफ़हमी है।

राहुल ने कहा कि भाषा कोई ऊपर से थोपी हुई चीज़ नहीं है। भाषा वह चीज़ है जो व्यक्ति के अंदर से, व्यक्ति के हृदय के अंदर से निकलती है। यह आपकी सभ्यता से आपकी कड़ी है। एक समान दृष्टिकोण आपके इतिहास, संस्कृति और धर्म पर लागू होता है। उन्होंने कहा कि भारत फूलों के गुलदस्ते की तरह है, और हर फूल का सम्मान किया जाना चाहिए क्योंकि हर फूल गुलदस्ते की सुंदरता को बढ़ावा देता है!

तमिलनाडु में राहुल के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली गई

तमिलनाडु के नीलगिरी में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर की तलाशी ली। पुलिस ने बताया कि हेलीकॉप्टर के यहां उतरने के बाद उड़न दस्ते के अधिकारियों ने तलाशी ली। राहुल अपने संसदीय क्षेत्र केरल के वायनाड जा रहे थे। तमिलनाडु के सीमावर्ती क्षेत्र नीलगिरी जिले में राहुल गांधी ने कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों से मुलाकात की। इसके बाद वे सड़क मार्ग से केरल के सुल्तान बाथेरी पहुंचे। यहां राहुल ने खुली छत वाली कार में बैठकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। सैकड़ों लोग उनके रोड शो में शामिल हुए। बता दें कि वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में उनका सामना सीपीआई नेता एनी राजा और भाजपा उम्मीदवार सुरेंद्रन से होने वाला है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2019 में राहुल गांधी अमेठी और वायनाड से चुनाव लड़े थे। अमेठी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस सीट पर भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने उन्हें 55,120 वोटों के अंतर से हराया था।

खेल
प्रमुख समाचार

रोहित टी20 में 500+ छक्के लगाने वाले पहले भारतीय

मुंबई। आईपीएल 2024 में रविवार को सुपर संडे के दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 20 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ चेन्नई की टीम आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। वहीं, मुंबई की टीम आठवें स्थान पर है। इस मैच में एंटरटेनमेंट का भरपूर डोज मिला। जहां एक तरफ महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन छक्के जड़े, वहीं दूसरी तरफ मुंबई चा राजा नाम से मशहूर रोहित शर्मा ने नाबाद शतकीय पारी खेली। उन्होंने इस पारी के दौरान कई रिकॉर्ड भी बना दिए। हालांकि, वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

रोहित ने 63 गेंद में 11 चौके और पांच छक्के की मदद से 105 रन की पारी खेली। मैच के दौरान तीसरा छक्का लगाते ही उन्होंने टी20 क्रिकेट में 500 छक्के भी पूरे कर लिए। वह ऐसा करने वाले भारत के पहले और दुनिया के पांचवें खिलाड़ी बन गए। रोहित के फिलहाल टी20 क्रिकेट में 419 पारियों में 502 छक्के हैं। इनमें से उन्होंने 272 छक्के आईपीएल में लगाए हैं। उनसे पहले क्रिस गेल, कीरोन पोलार्ड, आंद्रे रसेल और कॉलिन मुनरो ऐसा कर चुके हैं। गेल के नाम 455 टी20 पारियों में 1056 छक्के थे।

रोहित का यह आईपीएल में दूसरा शतक रहा। वहीं, वानखेड़े में आईपीएल में उन्होंने पहला शतक लगाया। इससे पहले 2012 में हिटमैन ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डेन्स में नाबाद 109 रन की पारी खेली थी। वहीं, यह मुंबई इंडियंस की ओर से यह आईपीएल में सातवां शतक रहा। रोहित मुंबई के एकमात्र बल्लेबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल में एक से ज्यादा शतक लगाए हैं। उनके अलावा सनथ जयसूर्या, सचिन तेंदुलकर, लेंडल सिमंस और कैमरन ग्रीन एक-एक शतक लगा चुके हैं। हालांकि, रोहित की पारी मुंबई के काम नहीं आ सकी और टीम मैच हार गई। यह आईपीएल में तीसरी बार है जब किसी खिलाड़ी ने असफल रन-चेज में शतक जड़ा हो।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स ने लगाया 845 अंक का गोता

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। ईरान द्वारा इज़राइल पर जवाबी हमले के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव की बढ़ती आशंकाओं के कारण निवेशकों की घबराहट बढ़ने से बाजार में गिरावट आई। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान-इज़राइल संघर्ष में वृद्धि एक गंभीर घटना है और अगले कुछ ट्रेडिंग सेशन में भारतीय बाजार दबाव में रह सकते हैं। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 900 से ज्यादा अंकों की गिरावट लेकर 73,315.16 पर खुला। अंत में यह 845.12 अंक या 1.14 प्रतिशत की गिरावट लेकर 73,399.78 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 246.90 या 1.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,272.50 के लेवल पर बंद हुआ। निफ़्टी की 50 कंपनियों में से 44 के शेयर गिरावट में रहे जबकि केवल 6 कंपनियों के शेयर हरे निशान में बंद हुए।

आलू-प्याज की थोक कीमतों में 50% से अधिक का इजाफा

नई दिल्ली। थोक महंगाई दर मार्च महीने में मामूली रूप से बढ़कर 0.5 प्रतिशत हो गई है, यह पिछले महीने में 0.2 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से सोमवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए। वाणिज्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर मार्च में बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी। थोक प्याज की कीमतें फरवरी में 29.22 प्रतिशत बढ़ी थीं जो मार्च में 56.99 प्रतिशत तक बढ़ गईं। भारत को अगली खरीफ फसल की कटाई तक प्याज की आपूर्ति में बड़ी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच, आलू के थोक मूल्य सूचकांक मार्च में 52.96 प्रतिशत बढ़े जबकि फरवरी में इसमें 15.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। एक साल पहले मार्च महीने में प्याज की थोक कीमतों में 36.83% और आलू में 25.59% की गिरावट आयी थी।

दीपक बिल्डर्स का जल्द आएगा आईपीओ

नईदिल्ली। इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास दस्तावेज दाखिल किए हैं। दीपक बिल्डर्स चालू वित्त वर्ष (2024-25) में आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराने वाली पहली कंपनी है। दस्तावेजों के अनुसार, निर्गम में 1.2 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे और प्रवर्तक दीपक कुमार सिंघल तथा सुनीता सिंघल 24 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। फिलहाल शहर स्थित कंपनी में प्रवर्तकों तथा प्रवर्तक समूह की इकाइयों कह 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है।कंपनी ने पिछले सप्ताह आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे। दस्तावेज के अनुसार, 95 करोड़ रुपये की धनराशि का इस्तेमाल कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए और 30 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज चुकाने के लिए किया जाएगा।

पहली तिमाही में बढ़ी मकानों की बिक्री

नईदिल्ली। रियल एस्टेट उद्योग में इस साल भी तेजी जारी है। पहली तिमाही के दौरान मकानों की बिक्री में इजाफा हुआ है। इस साल की पहली तिमाही में इतने मकान बिके जितने किसी साल की पहली तिमाही में नहीं बिके। साथ ही किसी भी एक तिमाही में बिकने वाले मकानों की संख्या के मामले में इस तिमाही का दूसरा नंबर रहा। पहली तिमाही में मकानों की बिक्री बढ़ने के साथ ही इनकी कीमतों में 3 से 15 फीसदी इजाफा हुआ है। उद्योग के मुताबिक इस साल 3 लाख से अधिक मकान बिकने की संभावना है। संपत्ति सलाहकार फर्म जेएलएल इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार 2024 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च अवधि) में 8 प्रमुख शहरों में 74,486 मकान बिके, जो पिछली समान अवधि में बिके 62,040 मकान से 20 फीसदी अधिक हैं।

खत्म हो रही बजट बनाने की अवधारणा

निर्मल कांत

आजकल के युवा अक्सर सोचते हैं कि हम जितना वेतन घर ले जाते हैं, उससे कहीं अधिक कमाते हैं। हकीकत में यह ठीक उल्टा है। आप जितना कमाते हैं, उससे कम घर ले आते हैं। यह आपको तब पता चलेगा, जब आप अपने बैंक खाते, खर्च और अन्य का हिसाब-किताब करेंगे। कुछ हफ्ते पहले मुझे एक स्टार्टअप में 15 युवाओं से बातचीत का मौका मिला। 20 साल की उम्र में उनमें कुछ ऐसा आत्मविश्वास था, जो उनकी उम्र में मुझमें नहीं था। यह उनकी मानव संसाधन टीम की ओर से आयोजित एक सत्र था, जिसमें महसूस किया गया कि कर्मचारियों को बचत और निवेश के तरीकों के बारे में समझना चाहिए। लड़कियों में से एक ने खुलकर बात की और बताया कि महीने के अंत तक उसके पास निवेश के जितने पैसे नहीं बचेंगे। उसके माता-पिता उसे अक्सर याद दिलाते रहते थे कि उसने ठीक से बचत नहीं की है।

वह प्रति माह लगभग एक लाख रुपये कमाती थी। बाकी लोगों का भी यही हाल था। जब उनके खर्चों के बारे में मैंने पता किया तो उन्होंने वास्तव में कभी अपने खर्चों पर नजर नहीं रखी है। मैंने उनसे पूछा कि क्या उनके फोन में उबर, स्विगी, अमेजन आदि जैसे एप हैं? उन सभी ने हां में सर हिलाया और फिर दर्जनों ऐप दिखाए जिनसे वे खाने, कपड़े, कैब और न जाने क्या-क्या ऑर्डर करते थे। फिर मैंने उस लड़की से पूछा कि क्या उसने कभी अपने बैंकिंग एप के माध्यम से अपना बैंक विवरण चेक किया है। उसका जवाब था...नहीं।?

एक समय था जब लोग मासिक खर्चों और वित्तीय प्रतिबद्धताओं का प्रबंधन करने के लिए बजट बनाते थे। अब यह अवधारणा

खत्म हो रही है। ईंधन की कीमतें कुछ हफ्तों में बदल रही हैं। घर पर बिजली की खपत इस बात पर निर्भर कर रही है कि आपने कितने दिन घर पर बिताए या काम पर गए। अब बजट बनाकर वित्तीय जीवन जीना कठिन है। फिर भी बचत और खर्चों की जांच जरूरी है। यदि कोई मासिक सैलरी पाने वाला अपने माता-पिता के साथ रहता है तो उसे कुल आय का 25-35 फीसदी निवेश के लिए बचाना चाहिए। यदि वे अकेले रह रहे हैं तो लगभग 15-25त्न बचाएं। भोजन, किराया, किराने के सामान और ऐसी ही अन्य चीजों पर खर्च आपकी आय के 45-50 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए। 20-25त्न की बचत करनी चाहिए। कमाई का 35-40 फीसदी हिस्सा कर देनदारी चुकाने और गैजेट जैसी वस्तुओं पर खर्च कर सकते हैं। वेतनभोगी अक्सर यही सोचते हैं कि वे बताई गई आय के जितना ही कमाते हैं। यह सच नहीं है, क्योंकि अगर कॉस्ट-टू-कंपनी (सीटीसी) 12 लाख रुपये सालाना यानी प्रति माह एक लाख?रुपये है तो वास्तव में आपकी सैलरी मासिक 70,000 और 80,000 रुपये के बीच होती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कंपनी इसमें से टैक्स काटने के साथपीएफ में निवेश करती है।

अगर हम वेतन की गणना करें तो आपके अनुमानित वेतन का कुल ढाई से 3 महीने का वेतन आपके पास नहीं आता है। सैलरी पाने वाले लोग अमूमन सालाना सैलरी का 3 महीने की सैलरी टैक्स और दूसरे योगदान में देते हैं। इसके विपरीत, एक बिजनेसमैन खर्चों के बाद कुल आय पर टैक्स चुकाता है, जबकि एक वेतनभोगी को पहले ही टैक्स काट कर पैसा मिलता है। फिर वे हर चीज पर जीएसटी भी देते हैं। जब मैं उनको यह समझाने में कामयाब रहा कि उनके हाथ में जितनी वास्तविक सैलरी आ रही है, वे उससे कहीं ज्यादा खर्च कर रहे हैं तो उनमें से कुछ ने तो एचआर पर भड़ास निकालनी शुरू कर दी। हालांकि, ये सभी डिटेल्स उनकी सैलरी स्लिप में होती है। कई लोग जांच करने की जहमत नहीं उठाते हैं। कुछ लोगों ने अगर जांच भी की तो उन्होंने यह समझने का प्रयास नहीं किया कि उन्हें क्या मिला और बाकी कहां गया। करियर के कुछ शुरुआती साल वित्तीय स्वतंत्रता का अनुभव करने के लिए अच्छे हैं, लेकिन ये ऐसे वर्ष भी हैं जो बचत और निवेश की नींव बनाने में मदद करेंगे।

बस्तर में मेडिकल इमरजेंसी के लिए 2 एयर एंबुलेंस की तैनाती, अब तक 110 करोड़ जब्त

पहले चरण का मतदान 19 को, आज से रवाना होगी टीमें

रायपुर। बस्तर में 19 अप्रैल को पहले चरण का चुनाव होना है. इसके लिए निर्वाचन आयोग की टीम ने पुख्ता बंदोबस्त कर रखा है. नक्सल प्रभावित इलाका होने की वजह से निर्वाचन आयोग ने यहां 2 एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की है, जो किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल चुनाव कार्य में लगे कर्मचारियों और फ़ोर्स के लिए मौजूद रहेगी. पहले चरण के मतदान के लिए मंगलवार से मतदान कर्मी भी रवाना किए जाएंगे. इसकी जानकारी उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शैलाभ साहू ने दी है.

शैलाभ साहू ने बताया कि, छत्तीसगढ़ में तीसरे चरण के लिए नामांकन का आज दूसरा दिन है, जिसमें कुल 7 लोकसभा क्षेत्र (रायपुर, दुर्ग, कोरबा, सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर चांपा, एवं बिलासपुर) का नामांकन जमा किया जा रहा है. नामांकन भरने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल है. नामांकन पत्रों की संवीक्षा 20 अप्रैल एवं नाम वापसी की अंतिम तिथि 22 अप्रैल है.

चुनाव के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर चुनाव आयोग की पैनी नजर है.

निर्वाचन आयोग की टीम ने अलग-अलग शहरों में चेकिंग के दौरान अब तक करीब 110 करोड़ रुपए जब्त किए है. जिसमें 1 जनवरी 2024 से 16 मार्च तक 66.03 करोड़ और 16 मार्च से 14 अप्रैल तक 43 करोड़ 97 लाख रुपए शामिल है.

आज सोमवार को तृतीय चरण अंतर्गत नामांकन के कुल 15 अभ्यर्थियों के 32 नामांकन दाखिल हुए हैं. इसमें सरगुजा 4, रायगढ़ 2, जांजगीर 3, बिलासपुर 4, दुर्ग 9 और रायपुर से 10 इस तरह 15 अभ्यर्थियों से कुल 32 नामांकन दाखिल हुए हैं.

लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए प्रथम चरण म 159 मतदान केंद्र तथा द्वितीय चरण के कुल 112 मतदान केंद्र संवेदनशील के रूप में चिन्हाकित किए गए हैं. प्रथम चरण के लिए 69 रनर तथा द्वितीय चरण के लिए 132 रनर की व्यवस्था की गई है. सेक्टर आफिसर एवं ईवीएम/वीवीपैट के परिवहन के लिए कुल11644 वाहनों में जीपीएस स्थापना किया जाना है,

जिसके अंतर्गत प्रथम चरण के 6 जिलों के 1021 वाहनों में से 274 वाहनों में जीपीएस डिवाइस स्थापित की जा चुकी है.

झूठ, फरेब और बदजुबानी की पराकाष्ठा पार कर दिया है कांग्रेस ने

भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का वीडियो जारी कर पूछा है कि क्या इसमें किसी समाज का अपमान है?

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मधुसूदन यादव और भाजपा विधायक द्वय मोतीलाल साहू व गजेंद्र यादव ने एक संयुक्त वक्तव्य में कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पर यादव समाज का अपमान करने के लगाए गए आरोप पर पलटवार करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर देश-प्रदेश के हर तबके का अपमान और उनके साथ छल करने वाली कांग्रेस के लोगों के मुँह से इस तरह का मिथ्या प्रलाप कतई शोभा नहीं देता। भाजपा नेताओं ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के पास चूँकि कोई मुद्दा नहीं रह गया है, इसलिए वो इस तरह का प्रलाप करके झूठ फैला रहे हैं, लेकिन प्रदेश का जनमानस और कोई भी समाज अब कांग्रेस के झाँसे में नहीं आने वाला है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मधुसूदन यादव और दुर्ग के विधायक गजेंद्र यादव ने कहा कि सच तो यह है कि नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने मोदीजी के विरुद्ध हिंसा के लिये उकसाया और यादव समाज को केवल लठैत और सतनामी समाज को केवल गाली देने वाला समाज कहा, उस पर शर्मिंदा होने या माफी मांगने के बजाय कांग्रेस द्वारा उल्टे बकवास करना घृणित और निंदनीय है। कांग्रेसियों को तब यादव और सतनामी समाज के अपमान की पीड़ा क्यों नहीं हुई जब नेता प्रतिपक्ष महंत ने कांग्रेस के ही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ ही एक विधायक का नाम लेकर उसे भी एक मजबूत लाठी धरैया और एक पूर्व विधायक का नाम लेकर उसे सिर्फ गाली दे सकने वाला बताया था। प्रदेश के विकास में अपना अहम योगदान करने वाले विभिन्न समाजों का सार्वजनिक मंचों से खुला अपमान करने वाले कांग्रेसियों यह दोहरा राजनीतिक चरित्र प्रदेश की जनता देख रही है, समझ रही है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि बदजुबानी की पराकाष्ठा पार करते हुए विश्व के सबसे बड़े नेता, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माँ की गाली दी गई, तब कांग्रेस का राष्ट्रीय प्रवक्ता निर्लज्जतापूर्वक हँसता रहा, यह पिछड़े समाज के प्रति कांग्रेस की घोर दुर्भावना का शर्मनाक प्रदर्शन था। किसी कांग्रेसी ने इसकी निंदा करना तो दूर, किसी ने अपने चेहरे पर शिकन तक नहीं आने दी! उन्होंने कहा कि श्री मोदी जैसे नायक को जन्म देने वाली दिवंगत माँ के नाम की दुनिया की सबसे भद्दी गाली देने पर भी किसी भी कांग्रेसी को न तो इसमें महतारियों का अपमान लगा, न साहू समाज का, न ओबीसी समाज का और न ही भारत देश का अपमान लगा। श्री साहू ने कहा कि कांग्रेस का पिछड़ा वर्ग के प्रति यह दुराग्रह शुरू से सामने आता रहा है और इसके लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सजा भी हुई और फिर माफी भी मांगनी पड़ी थी। यह हैरत की बात है कि कांग्रेसियों को नेता प्रतिपक्ष महंत के बयान की निंदा करने के लिए उनके बयान का जिक्र करना अपमान लग रहा है पर वे अपने नेताओं के भद्दे बयानों पर खामोश रहते हैं। प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि हार कर लौटती हुई सेना की तरह कांग्रेस अब सबकुछ ध्वस्त और नष्ट कर देना चाहती है।

कांग्रेस की सरकार बनने पर महिला, युवा, किसान, मजदूर सभी का भला होगाः शुक्ला

रायपुर। कांग्रेस की सरकार बनने पर महिला, युवा, किसान, मजदूर सभी का भला होगा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस की न्याय गारंटी में देश के सभी वर्गों पर केंद्रित है। कांग्रेस हर महिला को 8333 रू. महिना देगी। कांग्रेस ने महिलाओं के लिये महालक्ष्मी योजना लागू करने का वायदा किया है। जिससे हर महिला को 1 लाख रू. हर साल देने की गारंटी है। कांग्रेस का मानना है कि देश की उन्नति तभी संभव है जब आधी आबादी को आत्मनिर्भर बनाया जाये। इसलिये कांग्रेस ने मातृशक्ति को आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने का बीड़ा उठाया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस के यूपीए सरकार ने रोजगार को कानूनी अधिकार देने के लिये मनरेगा कानून बनाया था, तथा हर मजदूर को न्यूनतम 150 दिवस कार्य मजदूरी मिलने का कानूनी अधिकार दिया है।

भाजपा के संकल्प पत्र में आम जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं: गंगवानी

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अजय गंगवानी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के 2024 के 76 पेज के संकल्प पत्र में ना देश में बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की कोई बात कही गयी, ना ही 45 साल के रिकॉर्ड तोड़ विकराल बेरोजगारी से निपटने की कोई बात की और ना ही सड़कों में आंदोलन कर रहे अन्नदाता किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी की बात और ना ही किसानों के कर्जमाफी की बात की गयी और ना ही देश की 50 प्रतिशत आबादी महिला के हितों की कोई बात कही गयी और ना ही शोषित और वंचित वर्ग को उनके अधिकार देने की बात कही गयी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अजय गंगवानी ने कहा कि 30 मार्च को भारतीय जनता पार्टी की घोषणा पत्र समिति का गठन किया गया और मात्र 13 दिनों में आनन-फानन में मेनिफेस्टो घोषित कर दिया गया. भाजपा के इस पूरे संकल्प पत्र में आम जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं.

मेरी बात

✍ गिरीश पंकज

भाजपा का घोषणा-पत्र ज्यादा प्रभावशाली

चुनाव के समय विभिन्न राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र जारी करते हैं। यह दरअसल लोक लुभावना घोषणा पत्र होते हैं, जिन्हें पढ़कर समझदार नागरिक अपनी मानसिकता बनता है कि आखिर किसे वोट देना है। हालांकि लोकतंत्र में अनुभव यह भी आया है कि ज्यादातर घोषणाएं सत्ता में आने के बाद लागू नहीं होतीं। उन्हें लंबित ही रखा जाता है। तारीख पर तारीख दी जाती है और वे घोषणाएं लागू नहीं होती। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने हाथ में गंगाजल लेकर कसम खाई थी कि हम शराब बंदी लागू करेंगे, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया । यह जनता के साथ एक तरह का छल है। इस पर ऐसी कुछ व्यवस्था बननी चाहिए कि सत्ताधीश दल अगर अपनी घोषणाओं को लागू नहीं करता, तो उसके अध्यक्ष या मुखिया को कानूनी तौर पर दंडित किया जाए। बहरहाल आगामी आम चुनाव को लेकर दो बड़े राष्ट्रीय दलों ने अपने-अपने घोषणा पत्र जारी कर दिए हैं ।उनको मैं देख रहा था। एक सप्ताह पहले कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र न्याय पत्र के रूप में जारी किया, तो संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन पर भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। उसे संकल्प पत्र कहा है। दोनों दलों के घोषणा पत्रों को देखने के बाद मेरा अपना निष्कर्ष है कि भारतीय जनता पार्टी का घोषणा पत्र ज्यादा व्यावहारिक और राष्ट्रहित में लिए जाने वाले अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों से भरा पड़ा है, जबकि कांग्रेस का घोषणा पत्र राष्ट्र की चिंता करने के बजाय वोट बैंक को कैसे साधा जाए, इस उद्देश्य में अधिक नजर आता है। और कुछ घोषणाएं ऐसी हैं जो केवल हवा- हवाई है कि हम ऐसा करेंगे वैसा करेंगे। जैसे कांग्रेस ने कहा, भूमिहीन को जमीन दी जाएगी ।राष्ट्रव्यापी आर्थिक सामाजिक जाति गणना होगी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के आरक्षित सभी खाली पड़े पद एक वर्ष के भीतर भरे जाएंगे। और व्यापक परामर्श के बाद समलैंगिक समुदाय के जोड़ों कानूनी मान्यता देने के लिए कानून बनाएगी। ये सारे चालाक वादे हैं। जो पूरे न भी हों तो यह कहा जाता रहेगा कि हम इसदिशा में काम कर रहे हैं । यह सब लटकाने वाली बातें हैं। युवाओं के लिए भी अनेक वादे हैं कि 30 लाख खाली पदों को भरा जाएगा। नौकरी देने की गारंटी वाला अधिनियम लाया जाएगा । 40 वर्ष से कम उम्र के युवकों को व्यवसाय शुरू करने के लिए फंड उपलब्ध कराया जाएगा। सभी शैक्षणिक ऋण की ब्याज की राशि माफ कर दी जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण घोषणा है गरीब महिलाओं को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये प्रदान करने वाली महालक्ष्मी योजना। यानी हर गरीब महिला को प्रतिमाह 8333 रुपये प्राप्त होंगे। यह ऐसा जबरदस्त जुमला है जो किसी भी सूरत में संभव नहीं है। लेकिन गरीब महिलाओं को आकर्षित करने के लिए घोषणा कर दी गई है । समझदार महिलाएं समझेंगी कि यह बिल्कुल असंभव है , लेकिन जो बेचारी अनपढ़ हैं, भावनाप्रधान हैं, वे प्रसन्न होकर कांग्रेस की ओर आकर्षित हो सकती हैं। किसानों के लिए भी कम से कम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा दिए जाने की घोषणा की गई है। कर्ज माफी आयोग भी गठन गठित किया जाएगा। न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपये की जाएगी ।यह अच्छी घोषणा है। बशर्ते उसका पालन हो। कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों के हित के लिए भी कुछ योजनाएं घोषित की है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यह घोषणा की है कि पचास प्रतिशत सरकारी नौकरी महिलाओं को देंगे और अग्निवीर योजना तुरंत खत्म करेंगे। कश्मीर की धारा 370 को पुन बहाल करने की बात भी कहीं जा रही है। कांग्रेस अल्पसंख्यक समुदाय के लिए पर्सनल लॉ की गारंटी दे रही है।यह अपने आप में दुर्भाग्यजनक है ।एक देश में एक संविधान होना चाहिए ।एक वर्ग के लिए विशेष कानून लाना सामाजिक वर्ग भेद पैदा करने की मानसिकता ही दर्शाता है। कांग्रेस की इस घोषणा पर भाजपा ने प्रहार करते हुए कहा कि यह तो एक तरफ से मुस्लिमपरस्ती है। उसने यह गलत नहीं कहा। पूरे देश में कोई भी कानून सबके लिए लागू होने चाहिए किसी एक वर्ग विशेष की बात करना सीधे-सीधे उन्हें अपनी ओर आकर्षित करना है।

भाजपा का संकल्प पत्र

भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में मैं ज्यादातर घोषणाएं देश के उन्नयन को लेकर रखी गई है । जैसे पाँच साल तक गरीबों को मुफ्त राशन मिलता रहेगा। 3 करोड़ लखपति दीदी बनाई जाएँगी । देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी । यह एक अपने आप में बहुत बड़ी साहसिक घोषणा है । यह घोषणा दर्शाती है कि भारतीय जनता पार्टी ने कथित वोट बैंक को खुश करने की कोशिश बिल्कुल नहीं की है ।उसे राष्ट्र की चिंता है। एक राष्ट्र में एक चुनाव की घोषणा भी महत्वपूर्ण है। नई ट्रेनों को बढ़ाने की बात कही गई है और बुलेट ट्रेनों का भी विस्तार किया जाएगा। अभी अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है । भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प भी भाजपा की सोच को दर्शाता है ।वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए यह भी कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र में भारत स्थाई सदस्य बने इसका पूरा प्रयास होगा। भाजपा ने कांग्रेस की तरह महिलाओं को एक लाख रुपए सालाना देने की घोषणा नहीं की, वरन यही कहा कि किसानों को जो ?6000 वार्षिक मिलते थे, वे जारी रहेंगे। फसल बीमा योजना को और मजबूत बनाया जाएगा। इन पंक्तियों के लेखक ने एक नागरिक होने के नाते महसूस किया कि भारतीय जनता पार्टी की घोषणाएं देश को आर्थिक दृष्टि से मजबूत करने की मानसिकता को दर्शाती हैं ।हालांकि दोनों दलों की घोषणाओं पर देश के आम मतदाताओं को गम्भीरतापूर्वक विचार करना है। यह देखना ज़रूरी है कि कौन सा दल सही मायने में उनके हित के बारे में सोच रहा है और कौन-कौन सी घोषणा ईमानदारी के साथ लागू होंगी। ऐसा नीरक्षीर विवेचन करके ही मतदाता वोट करेगा तो लोकतंत्र मजबूत होगा।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

जनता को पता चल गया है भाजपा नेताओं की चाय बहुत महंगी हैं

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार कि 10 साल की नाकामी ने एक बार और लग्जरी कार में घूमने वाले भाजपा नेताओ को चाय की चुनावी केटली पकड़ने मजबूर कर दिया। भाजपा नेताओं के इस बहरूपिया चरित्र को देश की जनता समझ गई है। जनता 2014 में भाजपा नेताओं के साथ चाय पीने का कर्ज अब तक चूका रही हैं. उसके एवज में हर आवश्यक वस्तु में जीएसटी दे रही हैं। पेट्रोल डीजल रसोई गैस के महंगे दामों से प्रताड़ित है। खाद्य सामग्री, स्टेशनरी, दवाईयां की दो गुना तीन गुना क़ीमत दे रही हैं. देश बढ़ती महंगाई बेरोजगारी और 205 लाख करोड़ के कर्ज से जख्मी हो गया हैं. और इस जख्म की दवा अब भाजपा सरकार के पास नहीं है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि जो भाजपा नेता आज चाय की चुनावी केटली पकडे नजर आ रहे हैं. इन्होंने ही सत्ता परिवर्तन के बाद प्रदेश में ठेला खोमचा, रेहड़ी वाला, सड़क किनारे पसरा लगाने वालों पर बुलडोजर चलवाया था. रोजी-रोटी छीनकर उनके परिवार को तंगहाली में ढकेला था। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि जनता आज चाय पर नहीं काम पर चर्चा करना चाहती है बीते 10 साल में मोदी सरकार ने जनता से कितने वादे को पूरा किया. लेकिन भाजपा नेताओं के पास इसका कोई जवाब नहीं है 10 साल से जनता सिर्फ जुमला सुन रही है.

जातिगत जनगणना वंचित वर्गों का अधिकार है

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर देश मे वंचित वर्गों को उनका अधिकार देने जातिगत जनगणना करवाई जाएगी। केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी जनगणना के जिम्मेदारी से लगातार भाग रही है। 2011 के बाद से देश में आम जनगणना नहीं हुआ है। जनगणना के आंकड़े अलग-अलग वर्गों के असलियत को प्रदर्शित करते है जिसके आधार पर सामाजिक न्याय के कार्यक्रम बनाये जाते है। जब जनगणना ही नहीं होगा तो वास्तविक स्थिति सामने कैसे आयेगी? देश में जाति आधारित गिनती इसलिये ज़रूरी है-सदियों से जाति व्यवस्था हमारे समाज की वास्तविकता है। इसमें जाति, जो कि जन्म से तय होती है, के आधार पर होने वाले भेदभाव और अन्याय को कोई नकार नहीं सकता। लगभग दो सौ साल की गुलामी के बाद आज़ाद हुए भारत के सामने कई चुनौतियां थीं। इसके चलते जाति आधारित गिनती सन 1951 से नहीं हुई। केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की गिनती हर जनगणना में नियमित रूप से होती रही है। पिछली जनगणना सन 2021 में होनी थी लेकिन मोदी सरकार ने लगातार इसको टाला है। इस कारण सरकार के पास अन्य जातियों को तो छोड़ ही दें.

राजधानी में हुई झमाझम बारिश

रायपुर। राज्य में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है, राजधानी रायपुर और दुर्ग जिले में आज सुबह से ही धूप-छांव का सिलसिला जारी था. जिसके बाद दोपहर 3 बजे के करीब अचानक बारिश शुरू हो गई. इस बीच मौसम विभाग ने अगले 3 घंटे के लिए कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है. मौसम विशेषज्ञ एच पी चंद्रा के मुताबिक राज्य में बंगाल की खाड़ी से नमीयुक्त हवा का आना जारी है, जिसकी वजह से राज्य के किसी ना किसी हिस्से में अभी बारिश होने की संभावना बनी हुई है. आज शाम तक राजधानी रायपुर, बलौदा बाजार, दुर्ग, गरियाबंद, महासमुंद में बिजली के साथ तेज हवा और बूंदाबांदी का अलर्ट जारी किया हैं. इसके बाद अगले 4 दिन तक दिन के तापमान में 4 से 6 डिग्री तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है.

बता दें कि इससे पहले रविवार को भी प्रदेश के एक दो जगहों पर हल्की बूंदाबांदी हुई थी. इस दौरान प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 39.3 डिग्री डोंगरगढ़ में रिकॉर्ड किया गया। वहीं, सबसे कम तापमान 17.3 डिग्री नारायणपुर में दर्ज किया गया.

21 को नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप

रायपुर। 21 अप्रैल को छग पावर लिफ्टिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वाधान में पहली बार नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन दत्तात्रेय मंदिर ब्रम्हपुरी पुरानी बस्ती रायपुर में किया जा रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार और महासचिव लखपति सिंदूर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर के करीब 400 से अधिक खिलाड़ी आयेंगे जिसमे छग पुलिस, महाराष्ट्र पुलिस, रेलवे, बीएसएनएल, बीएसएफ, सिविल सर्विसेज के करीब 200 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के साथ छग स्टेट पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप डेड लिफ्ट की भी प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता में मुख्यरूप से नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन पावर लिफ्टिंग के अध्यक्ष रवि शर्मा भी दिल्ली से आ रहे है, साथ में वेस्टर्न इंडिया पावर लिफ्टिंग के महासचिव सुभांगी क्रिस्ट भी मौजूद रहेगी। प्रतियोगिता डेड लिफ्ट की होगी जिसमे महिला - पुरुष, सब जूनियर, जूनियर, सीनियर और मास्टर 40 वर्ष से 100 वर्ष के खिलाड़ी होंगे। प्रतियोगिता सुबह 11 बजे प्रारंभ होगी। प्रतियोगिता में सभी महिला - पुरुष खिलाड़ी को आकर्षक टी शर्ट के साथ एक लाख से अधिक नगद राशि सभी खिताबधारी खिलाड़ी को मिलेगा।

दुर्गा महा अष्टमी आज

रायपुर। चैत्र नवरात्रि पर्व की महाअष्टमी तिथि कल मंगलवार को है। देवी मंदिरों में पुजारी मां भगवती का विशेष अभिषेक कर महाआरती करेंगे। इसी तरह घरों में स्थापित जोत जंवारा का भी हवन पूजन होगा। पंडितों के अनुसार इस बार नवरात्रि पर्व की सभी नौ तिथियां संपूर्ण होने के कारण सुबह से आरती, हवन पूजा प्रारंभ होगा। सोमवार को मां दुर्गा का महानिशा पूजन देवी मंदिरों में आधी रात किया गया गया। जैसा कि पुरानी परंपराएं कि महानिशा पूजन के दौरान किसी भक्त की नजर न पड़े। माताराती का उपवास रखकर पूजा-अर्चना करने वाले श्रद्धालु नौ कन्याओं की जगह केवल कन्या का पूजन कर भोजन कराएंगे और व्रत का परायण करेंगे। महामाया मंदिर के पुजारी मनोज शुक्ला ने बताया कि सोमवार को महामाया माता का महानिशा पूजन किया गया। जिसमें आवाहित देवताओं के पूजन पश्चात राजोपचार पूजन पद्धति अनुसार माता जी की पूजन कर श्री दुर्गा सप्तशती पाठ से पंचामृत की अखंड धारा से अभिषेक कर भगवती महामाया - समलेश्वरी देवी का सिंगार किया गया। पूरे रात भर पूजन के बाद अष्टमी तिथि वाले दिन ब्रह्ममुहूर्त में सुबह 4 बजे महाआरती पुष्पांजलि स्तुति के साथ यह पूजन सम्पन्न हुआ। अष्टमी और नवमी तिथि की युति में पूर्णाहुति की परंपरा है। प्रात: 10 बजे से हवन प्रारंभ होकर दोपहर 1.30 बजे पूर्णाहुति होगी। रात्रि में ज्योति विसर्जन एवं देवी का शस्त्र श्रृंगार होगा।

निगम कमिश्नर ने एनएचएआई तथा बिल्डरों को साथ लेकर किया निरीक्षण

छेरीखेड़ी तक मार्ग को सुंदर बनाने बनाई योजना

कलेक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने शहर के सभी 7 प्रवेश द्वारों को सुंदर बनाने की योजना अनुसार सोमवार सुबह तेलीबांधा चौक से लेकर छेरीखेड़ी मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग में जगह - जगह खड़े होकर उन जगहों पर क्या किया जा सकता है के लिए योजना बनाई।

निगम कमिश्नर श्री मिश्रा के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग अथार्टी के प्रवीण कुमार, अपर आयुक्त विनोद पांडे, अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, निगम के अन्य अधिकारियों के साथ बिल्डर आनन्द सिंघानिया तथा अन्य बिल्डर भी मौजूद थे। राष्ट्रीय राजमार्ग पर निगम द्वारा कोई विकास कार्य करने पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा रोक टोक लगाई जाती है या फिर कार्य करने ही नहीं दिया जाता है। इसी वजह से कार्य को मिलजुल कर करने हेतु राजमार्ग विभाग के साथ संयुक्त रूप से योजना बनाकर कार्य करने की योजना बनाई गई। इस मार्ग में एक जगह स्वागत द्वार बनाने पर भी विचार किया। जिससे रायपुर आने वाले नागरिकों को महसूस हो कि वे रायपुर शहर के भीतर प्रवेश कर चुके हैं। साथ ही रायपुर शहर की सीमा से निकलने का भी द्वार वहीं पर सड़क की दूसरी ओर बनाया जाएगा।

सड़क के दोनों किनारे लैंड स्केपिंग करने तथा पेड़ लगाने पर भी चर्चा की गई। सड़क के किनारे कई जगह ऐसी जगह भी हैं जिनकी दूरी 200 से 300 मीटर हैं, वहां पेड़ पौधे लगाकर सौंदर्यीकरण किया जा सकता हैं। ऐसी जगहों का सर्वे करने के लिए कहा गया है।

राजमार्ग विभाग के श्री कुमार ने कहा कि इस सब कार्यों की ब्लू प्रिंट तैयार कर कार्य प्रारंभ किया जा सकता है। बिल्डरों ने भी अपने सुझाव रखे। निगम कमिश्नर श्री मिश्रा ने पूरे मार्ग पर जल्द से जल्द कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग पर आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन करते हुए अवैध स्थानांतरण करने और जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में पदस्थ लेखा अधिकारी राकेश देवांगन की मृत्यु की जांच करने की शिकायत कांग्रेस विधि विभाग ने मुख्य चुनाव आयुक्त से की है. ज्ञापन में कहा गया कि सपूर्ण भारत में आदर्श आचार संहिता लागू है. ऐसी स्थिति में छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग द्वारा आदर्श आचार संहिता का घोर उल्लंघन करते हुए कर्मचारियों का अवैध स्थानांतरण किए जाने और जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में पदस्थ लेखा अधिकारी राकेश देवांगन की मृत्यु संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है, इसकी जांच किए जाने और संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध जांच किए जाने की मांग छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग करती है. स्वास्थ्य विभाग द्वारा किस अधिकारी / व्यक्ति के कहने पर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का स्थानांतरण आचार संहिता के दौरान किया गया है. इसका खुलासा करने की मांग भी की है. ज्ञापन में कहा गया है कि जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में पदस्थ लेखा अधिकारी राकेश देवांगन की मृत्यु किन कारणों से हुई और मृत्यु से पूर्व मृतक का किस-किस व्यक्ति से उनके मोबाइल पर बातचीत हुई उनका भी डाटा निकलवाते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करने की आवश्यकता है, ताकि सही तथ्य आम जनता के बीच आ सके.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.